* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

29 अप्रैल, 2023
वैशाख, शुक्ल पक्ष, नवमी
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शनिवार, वर्ष 08, अंक 189

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

कर्नाटक के भाजपा विधायक बासनगौड़ा ने सोनिया गांधी को 'विषकन्या' कहा

राज्य सरकार का संवेदनशील प्रयास 'जीवन रक्षा को मिली उड़ान'

एयर एंबुलेंस सेवा मील का पत्थर साबित होगी : हेमंत

- मुख्यमंत्री ने झारखंड की जनता के लिए पहली बार सेवा की शुरुआत की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य सरकार के संवेदनशील प्रयास से जीवन रक्षा को उड़ान मिल गयी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को राज्य की जनता के लिए पहली बार एयर एंबुलेंस सेवा की शुरुआत की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। जहां एक तरफ हम विकास के नये आयाम को छू रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कोरोना जैसी महामारी हमारे सामने आपदा के रूप में चुनौती बन कर आयी है। कोरोना ने हमें आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधा को सुदृढ़ करने की अहमियत को बताया है। आज हमें कई नयी और गंभीर बीमारियों के बारे में जानकारी मिलती रहती है। इन बीमारियों से लड़ने के लिए हम राज्य में स्वास्थ्य अवरसंरचना को सुदृढ़ करने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं कई ऐसी बीमारियां भी हैं, जिनमें बेहतर इलाज के लिए राज्य से बाहर जाना जरूरी हो जाता है। कई बार जिंदगी और मौत का फासला काफी कम होता है, ऐसी परिस्थिति में सड़क मार्ग अथवा रेल मार्ग से मरीज को ले जाने में काफी कठिनाई होती है। इसे ध्यान में रख कर आज इस एयर एंबुलेंस सेवा का शुभारंभ किया गया है।

आम जनता को भी मिलेगी सुविधा : हेमंत सोरेन ने कहा कि इस सेवा का उपयोग सिर्फ जो पैसे दे सकते वही कर पायेंगे, ऐसा नहीं है। इसमें आवश्यकतानुसार जो पैसे नहीं भी दे सकता है, उसको भी एयर एंबुलेंस के माध्यम से ले जाने और स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने की मंशा हमारी सरकार की है। स्वास्थ्य के क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने और समस्याओं के निराकरण के लिए सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। लोगों की जान सुरक्षित करने में यह एयर एंबुलेंस सेवा राज्य के लिए मील का पत्थर साबित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक राज्य के आम नागरिकों को आपातकालीन स्थिति में 'एयर एम्बुलेंस सेवा' प्राप्त करने के लिए काफी जद्दोजहद करनी पड़ती थी। कोई ऐसा डेडिकेटेड सेल नहीं था, जहां संपर्क स्थापित कर आसानी से एयर एंबुलेंस की सेवा प्राप्त की जा सके। साथ ही खर्च भी बहुत आता था। इन्हीं समस्याओं के समाधान के लिए सस्ती और सर्वसुलभ सेवा की शुरुआता की गयी है।

ई-मेल और फोन पर सेवा उपल्बध होगी : मुख्यमंत्री ने कहा कि नागर विमानन प्रभाग द्वारा 'एयर एंबुलेंस सेवा' के लिए राज्य स्तरीय एक सेल का गठन किया गया है। अब राज्य की जनता दूरभाष पर संपर्क कर अथवा ई-मेल के माध्यम से सेवा प्राप्त कर सकती है। आवेदक को दूरभाष पर ही गंतव्य के अनुसार संभावित व्यय से अवगत कराया जायेगा। आवेदक की सहमति के उपरांत एयर एंबुलेंस ऑपरेटर द्वारा दो घंटे के अंदर एयरक्राफ्ट तैयार मिलेगा।

जल्द सैकड़ों एंबुलेंस सेवा राज्य को मिलेगी: हेमंत सोरेन ने कहा कि आज आपकी सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में कड़ी जोड़ने का प्रयास किया है। झारखंड की भौगोलिक संरचना विषम है। ऐसी स्थिति में स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना एक चुनौती के रूप में आकर खड़ी होती है। इन परिस्थितियों को देखते, समझते हुए स्वास्थ्य सेवाओं में कई बदलाव होता रहा है। आज हम लोगों ने सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में जहां बड़े वाहन नहीं जा सकते हैं, वहां मोटरसाइकिल एंबुलेंस सेवा भी देना प्रारंभ कर दिया है। बहुत जल्द सैकड़ों एंबुलेंस राज्य को मिलने जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि जगह-जगह सड़क के किनारे हेलीपैड बने और भीषण सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को ससमय अस्पताल पहुंचाया जा सके। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, विधायक इरफान अंसारी और राजेश कच्छप के अलावा अधिकारीगण मौजूद थे।

एक नजर में एयर एंबुलेंस सुविधा

- झारखंड के प्रमुख शहरों में यह सेवा 24 घंटा उपलब्ध रहेगी।
- ई-मेल या टेलीफोन के जरिए कर सकेंगे बुकिंग।
- कंफर्म करने पर दो घंटे के भीतर एयर एंबुलेंस तैयार मिलेगा।
- री-शेड्यूल करने की भी सुविधा मिलेगी।
- एयर एंबुलेंस में तमाम जरूरी उपकरणों के साथ चिकित्सक की भी सुविधा मिलेगी।

कहां के लिए कितना खर्च

- रांची से दिल्ली- 5 लाख
- रांची से मुंबई- 7 लाख
- रांची से चेन्नई- 8 लाख
- रांची से कोलकाता- 3 लाख
- रांची से हैदराबाद- 7 लाख
- रांची से बनारस- 3.30 लाख
- रांची से लखनऊ- 5 लाख
- रांची से तिरुपति- 8 लाख
- देश के किसी दूसरे हिस्से के लिए 1.10 लाख (प्रति घंटा अतिरिक्त)

यहां मिलेगी सेवा

रांची, धनबाद, दुमका, देवघर, बोकारो, जमशेदपुर और गिरिडीह ।

पीएम मोदी ने देश के 18 राज्यों में 91 एफएम रेडियो का दिया तोहफा

लोहरदगा, बरहरवा और गोड्डा में एफएम रेडियो की शुरुआत

- नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं श्रोता और होस्ट दोनों हूं
- लोहरदगा में वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने की शिरकत

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली/रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देश में रेडियो कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए 100 वाट कैपेसिटी के 91 एफएम रेडियो स्टेशनों का उद्घाटन किया। उन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग से इस सेवा को 18 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 84 जिलों में शुरू किया। इसमें झारखंड के तीन जिले लोहरदगा, साहिबगंज (बरहरवा) और गोड्डा शामिल हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि जब बात रेडियो और एफएम की होती है, तो इससे मेरा रिश्ता एक श्रोता का भी है, और एक होस्ट का भी है।

लोहरदगा में उद्घाटन समारोह में उपस्थित वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि रेडियो हमेशा से लोगों की सूचना का एक बेहतर माध्यम रहा है। आज भी रेडियो का महत्व कम नहीं हुआ है। यहां एफएम ट्रांसमीटर का उद्घाटन किया जाना निश्चित रूप से गर्व की बात है। इसका लाभ सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को मिलेगा। लोगों को सूचनाओं के साथ मौसम और सरकारी योजनाओं की जानकारी मिलेगी। इस दौरान पद्मश्री मधु मनसूख मंसूरी सहित क्षेत्र के कलाकार और अन्य लोग मौजूद थे।

गोड्डा में आयोजित समारोह में गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने एफएम रेडियो की सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर का धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि वह लगातार एफएम के लिए प्रयासरत थे। प्रसार भारती का पहले से ही गोड्डा में कार्यालय है। इसी में अब 103.6 मीटर फ्रीक्वेंसी पर एफएम गोड्डा जिला मुख्यालय से 20 किमी की दूरी तक सुनाई देगा। कार्यक्रम दिल्ली से प्रसारित होंगे। लोग विविध भारती और संगीत के अलावा समाचार भी सुन पायेंगे।

इन राज्यों में शुरू हुए रेडियो स्टेशन

91 एफएम रेडियो स्टेशन बिहार, झारखंड, ओड़िशा, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, नगालैंड, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, केरल, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, लद्दाख के अलावा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में शुरू हो गये हैं। इन राज्यों में कुल 84 जिलों को कवर किया गया है।

मुख्यमंत्री हेमंत के साथ पत्नी कल्पना पहुंची ओड़िशा, पुराने दिनों को किया याद

...और बोलते-बोलते रुंध गया कल्पना का गला

- कलिंगा इंस्टीट्यूट के कार्यक्रम में बच्चों से साझा किया अनुभव

दिप्तांशु दास

भुवनेश्वर। बचपन के दिन सभी के लिए यादगार होता है। अगर कभी किसी मौके पर बचपन के दिन में जाने का मौका आता है तो लोग रोमांचित और भावुक हो जाते हैं। ऐसा ही कुछ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन के साथ हुआ। मौका था ओड़िशा के कलिंगा इंस्टीट्यूट में कार्यक्रम का। यहां कल्पना बच्चों से रू-ब-रू हुईं। उनसे अपना अनुभव साझा किया। अपने पुराने दिनों को याद किया। इसी दौरान बोलते-बोलते कल्पना भावुक हो गयीं और उनका गला रूंध आया। कल्पना सोरेन ने कहा कि यहां खड़े होकर मुझे मेरा बचपन, मेरे अपने स्कूल का समय वह सब याद आ रहा है।

'आपके जैसे ही थी कल्पना सोरेन'

अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कल्पना मुर्मू सोरेन ने कहा कि जब हम यहां ट्रेनिंग लेने आते थे यहां जंगल होता था। साल 2004 या 2005 की बात है। यह इलाका जंगल था। एक ऑटो पकड़ने में डर लगता था कि हम अकेले कैसे यात्रा करेंगे। अकेले इन इलाकों में बहुत डर लगता था। ट्रेनिंग के दौरान खाने के लिए कुछ नहीं होता था। साइकिल में बड़ा हांडी लेकर आता था दही बड़ा। वही हमारा खाना होता था। सुबह से लेकर शाम तक खाने के लिए कुछ नहीं मिलता था। जो कल्पना मुर्मू सोरेन आज दिख रही है, वह ऐसी नहीं थी, वह आपके जैसी थी। यहां मौजूद बच्चियां अगर आपके अंदर आत्मविश्वास है। अगर जंगल के अंदर छोटे से गांव से यहां तक सफर कर सकते हैं, तो आप अपनी मंजिल तक जरूर पहुंचेंगे मुझे पूरा विश्वास है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य पाने के लिए बहुत कुछ खोना पड़ता है, जितना आप नहीं सोच सकते उससे भी ज्यादा। बहुत कुछ खोना पड़ता है। आप बस अपने लक्ष्य पर ध्यान रखियेगा।

वही लोग आगे बढ़ते, जो गिर कर सीखते, खड़े होते

कल्पना सोरेन ने कहा कि पहिया एक नहीं होता। गाड़ी चलने के लिए भी दो चाहिए। सिर्फ महिलाओं के विकास से नहीं होगा। सभी वर्ग का विकास करना होगा। अपने गोल को आप जो बनना चाहें, जो करना चाहें जरूर कीजिए। आप हारेंगे, लेकिन डरना नहीं है। ऐसे हजारों लोगों की कहानी है, जो कामयाब हैं। लोगों ने गिर-गिर कर सीखा है। आप जो हासिल करना चाहते हैं, इसके लिए खूब मेहनत करनी पड़ती है। कल्पना सोरेन ने एक किसान के उदाहरण से समझाया कि आप जो प्लेट में सब्जी खाते हैं, उसके लिए किसान कितनी मेहनत करता है। खेत तैयार करता है, पानी देना है। मेहनत करता है। यहां सिर्फ अपना आत्मविश्वास कभी मत खोइयेगा। जब लगे कि जीवन में सब कुछ खत्म हो रहा तब आपका आत्मविश्वास ही आपको बचायेगा। आप कुछ भी बन जाइये, आप अपना आत्मविश्वास मत खोइयेगा।

लिंगराज मंदिर का किया दर्शन

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन ने भुवनेश्वर स्थित प्राचीन और ऐतिहासिक लिंगराज मंदिर का दर्शन किया। दोनों ने पूरे विधि-विधान से भगवान त्रिभुवनेश्वर (शिव) की पूजा-अर्चना की। झारखंड और झारखंड वासियों की प्रगति, सुख -शांति- समृद्धि, खुशहाली और स्वस्थ जीवन की कामना की।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

सर्राफा
सोना (बिक्री) 57,300 रु./10 ग्राम
चांदी 78,000 रु./प्रति किलो

खड़गे की फिसली जुबान से कांग्रेस को बड़ा नुकसान

■ पीएम मोदी के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी से गरमायी सियासत

■ कर्नाटक में बदलेगा सियासी माहौल, देश के दूसरे हिस्सों में भी होगा असर

आजाद सिपाही विशेष

कर्नाटक में आगामी 10 मई को होनेवाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को लेकर विवादित बयान दिया। उन्होंने पीएम मोदी को जहरीला सांप कह दिया। खड़गे यहीं नहीं रुके। उन्होंने लोगों से कहा कि यदि आप इस जहरीले सांप को छुऐंगे, तो आपकी मौत निश्चित है। यह पहली बार नहीं है, जब खड़गे की जुबान फिसली है। गुजरात चुनाव में भी उन्होंने पीएम मोदी की तुलना रावण से की थी। इससे पहले 'मौत का सौदागर' से लेकर 'नीच' और 'कायर' से लेकर 'औकात दिखा देंगे'तक के बयान कांग्रेसी नेताओं द्वारा पीएम मोदी के लिए दिये जा चुके हैं। हालांकि हर बार इस तरह की बदजुबानी का चुनावी हथियार कांग्रेस के लिए भोथरा साबित हो चुका है। दूसरी तरफ हर बार भाजपा ने इसे अपने लिए अचूक हथियार बना लिया। इस बार खड़गे की जुबान कर्नाटक चुनाव से पहले फिसली है, तो भाजपा ने एक बार फिर इसे अपना हथियार बना लिया है। हालांकि खड़गे ने अपनी टिप्पणी वापस ले ली है, लेकिन उनके बयान से कांग्रेस को जितना नुकसान पहुंचना था, पहुंच चुका है। कर्नाटक में अब तक रक्षात्मक मुद्रा में दिख रही भाजपा इस बयान के बाद अचानक से हमलावर हो गयी है और उसने कांग्रेस को रक्षात्मक रुख अपनाने पर मजबूर कर दिया है। खड़गे के बयान के राजनीतिक असर का आकलन कर रहे हैं आजाद सिपाही के **विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

चुनाव हो या सामान्य दिन, कांग्रेस का कोई न कोई नेता भारतीय जनता पार्टी या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कोई न कोई मुद्दा दे ही देता है। गुजरात की तरह कर्नाटक विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक बार फिर भाजपा को मुद्दा दिया है। बयान देते समय वह भूल गये कि उनका यह बयान कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी की मुश्किलें बढ़ा सकता है। यह हकीकत है कि कांग्रेस नेताओं ने जब-जब पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ विवादित बयान दिया है, तब-तब पार्टी की मुश्किलें बढ़ी हैं। कर्नाटक के कलबुर्गी में एक चुनावी सभा के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर कहा कि पीएम मोदी जहरीले सांप की तरह हैं। आप सोच सकते हैं कि यह जहर है या नहीं। यदि आप इसे चाटते हैं, तो आप मारे जायेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष का यह बयान कर्नाटक चुनाव में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है।

खड़गे के विवादित बयान के बाद सियासी गलियारे में चुनाव का गुणा-गणित निकाला जा रहा है, क्योंकि पहले भी विवादित बयानों ने चुनाव में हार-जीत तय करने में बड़ी भूमिका निभायी है। भारत की राजनीति में पिछले 16 सालों में चार चुनाव में विवादित टिप्पणी ने जीत-हार तय करने में बड़ी भूमिका निभायी है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या कर्नाटक चुनाव में खड़गे का बयान कांग्रेस को नुकसान पहुंचायेगा।

जब जुबान फिसलने के कारण वाजपेयी हार गये थे चुनाव

साल था 1962 और देश में तीसरे आम चुनाव की घोषणा हो गयी थी। जनसंघ के टिकट पर उत्तरप्रदेश के बलरामपुर से अटल बिहारी वाजपेयी मैदान में थे। वाजपेयी 1957 में इस सीट से कांग्रेस के हैदर हुसैन को हरा चुके थे। जवाहर लाल नेहरू ने वाजपेयी को हराने के लिए सुभद्रा जोशी को मैदान में उतार दिया। जोशी बलरामपुर में सक्रिय हो गयीं और गली-गली प्रचार करने लगीं।

सुभद्रा जोशी पर पलटवार के दौरान ही वाजपेयी की जुबान फिसल गयी और उन्होंने कह दिया कि महिलाएं महीने में कुछ दिन सेवा नहीं कर सकती हैं, फिर सुभद्रा जी कैसे हमेशा यहां सेवा करने का दावा कर रही हैं। जोशी और कांग्रेस ने इसे महिला अपमान से जोड़ दिया। वाजपेयी सफाई देते रहे, लेकिन कांग्रेस इसे मुद्दा बनाने में सफल रही। चुनाव के जब नतीजे आये, तो अटल बिहारी जोशी क्षेत्र में बारहों मास, तीसो दिन (12 महीने और 30 दिन) सेवा करने का संकल्प ले रही थीं। 2057 वोटों से चुनाव हार चुके थे। हालांकि, 1967 के चुनाव में वाजपेयी ने सुभद्रा जोशी को भारी मतों से हराया था।

क्या मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर लिया सेल्फ गोल

जानकारों का मानना है कि मल्लिकार्जुन खड़गे ने ऐसा बयान देकर सेल्फ गोल ही किया है। कांग्रेस का हर विवादित बयान भाजपा के लिए फायदे का सौदा होता है।'चौकीदार चोर है' से लेकर अडाणी-अंबानी मुद्दे तक, जब भी कांग्रेस ने ऐसे बयान दिये हैं, भाजपा को चुनावी फायदा मिल जाता है। यह चुनाव के लिए अहम मोड़ भी साबित हो सकता है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कहा जा रहा है कि कांग्रेस भाजपा पर बढ़त बना चुकी है। लेकिन अति उत्साह में कांग्रेस नेता यह भूल गये कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर व्यक्तिगत हमलों के बाद कांग्रेस को कभी फायदा नहीं हुआ।

इस तरह की भाषा कांग्रेस की नहीं हो सकती

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के नेताओं की बदजुबानी पार्टी का संस्कार नहीं है। महात्मा गांधी से लेकर जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की कांग्रेस ने कभी किसी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। उस दौर में कांग्रेस ही नहीं, तमाम राजनीतिक दल अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ कुछ भी बोलते समय इस बात का पूरा ध्यान रखते थे कि इससे किसी की व्यक्तिगत छवि को नुकसान नहीं पहुंचे। लेकिन आज कांग्रेस के नेता उस महान परंपरा को भूल कर अक्सर बदजुबानी पर उतर जा रहे हैं, जिसका नुकसान पार्टी को ही उठाना पड़ता है।

कांग्रेस से हो गयी है बड़ी चुनावी गलती

कर्नाटक में पीएम मोदी के खिलाफ खड़गे के बयान से कांग्रेस को चुनावी घाटा हो सकता है। यह बयान कर्नाटक चुनाव में एक महत्वपूर्ण मोड़ होगा। कर्नाटक के लोग किसी के खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणियों को स्वीकार नहीं करते हैं। पीएम मोदी की तो बात ही कुछ और है। कांग्रेस अध्यक्ष भले ही बयान वापस ले चुके हैं, लेकिन यह चूक उनकी मुश्किलें बढ़ा सकती है।

भाजपा को मिल गया ब्रह्मास्त्र

बहरहाल, खड़गे के बयान के बाद भावना का 'ब्रह्मास्त्र' भाजपा ने चल दिया है। मौका कांग्रेस ने दिया है या कि मौका भाजपा ने ढूंढ़ लिया है, इस पर दो मत हो सकते हैं। लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान को एक संपूर्ण पैकेज के रूप में मतदाताओं के समक्ष परोसा जा चुका है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान को भाजपा ने प्रधानमंत्री और देश के अपमान से जोड़ा है। पार्टी बतौर अध्यक्ष खड़गे के 'रावण' और सोनिया गांधी के 'मौत का सौदागर'वाले बयानों की याद भी दिला रही है। इन बयानों को 2007 और 2017 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के लिए 'फलदायी'और स्वयं कांग्रेस के लिए 'आत्मघाती' साबित होना बताया जाता रहा है।

ऐसे में यह सवाल बड़ा हो जाता है कि क्या मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान एक बार फिर 2022 के विधानसभा चुनाव में निर्णायक साबित होगा? क्या इस बयान से भाजपा को फायदा और कांग्रेस को नुकसान होगा? कई राजनीतिक विश्लेषक यह मानते हैं कि अगर कांग्रेस नेताओं ने 'आत्मघाती बयान' नहीं दिये होते, तो कर्नाटक में कांग्रेस कुछ और आगे होती। खुद भाजपा के नेता भी ऐसा ही दावा करते हैं।

बहरहाल, खड़गे का यह बयान कांग्रेस के लिए कितना नुकसानदायक होगा, यह बहुत कुछ प्रधानमंत्री के पलटवार पर निर्भर करेगा। प्रधानमंत्री 29 अप्रैल को बेलगावी से चुनावी शंखनाद करेंगे।

विश्व का सर्वाधिक लोकप्रिय जनसंवाद कार्यक्रम है मन की बात : दीपक प्रकाश

झारखंड में 9000 स्थानों पर आयोजित है मन की बात कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से जनता से सीधा संवाद विश्व का सर्वाधिक लोकप्रिय गैर राजनीतिक संवाद कार्यक्रम है। उक्त बातें श्री प्रकाश शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में प्रेस से कहीं। उन्होंने कहा कि देश के प्रभावशाली व्यक्तित्व, विचार, संस्कृति, संस्कार, प्रगति को संवाद के माध्यम से दुनिया के सामने लाने का अनूठा कार्यक्रम भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 अक्टूबर 2014 को विजयादशमी पर्व के शुभ अवसर पर प्रारंभ किया। निर्विघ्न रूप से प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को आगे बढ़ता यह कार्यक्रम आगामी 30 अप्रैल रविवार को अपना 100 वें संस्करण में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की जनता इसे महोत्सव के रूप में मनायेगी। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम विश्व रिकॉर्ड बनायेगा।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में सभी वर्ग, समाज, जाति, समुदाय, संप्रदाय के लोग शामिल होंगे। साथ ही इस कार्यक्रम में अलग अलग स्थानों पर ग्राम पंचायत से लेकर विधानसभा और संसद के लिए निर्वाचित जनप्रतिनिधि, पूर्व प्रतिनिधि, पार्टी के बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय पदाधिकारी अपने अपने क्षेत्र में निर्धारित स्थानों, बूथों पर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

100 वें संस्करण की पूर्व संध्या पर झारखंड में 29 की शाम मनेगा दीपोत्सव

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कार्यकर्ताओं में उत्साह है। लोग प्रधानमंत्री जी को सुनने का बेसब्री से इंतजार कर रहे। 29 की शाम पार्टी द्वारा सभी जिला मुख्यालयों में दीपोत्सव मनाया जायेगा। लोग दीप जलाकर 100वें संस्करण का स्वागत करेंगे। इसके अतिरिक्त प्रभात फेरी कार्यक्रम भी आयोजित है। सभी जिलों में दीवाल लेखन कार्यक्रम भी पार्टी द्वारा चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पूरे देश में 3.50लाख बूथों पर 3.50करोड़ लोग शामिल होंगे। झारखंड के संदर्भ में उन्होंने कहा कि राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 100 स्थान के हिसाब से 81 विधानसभा में 8100 स्थानों के अतिरिक्त 900 विशेष स्थान भी निर्धारित हैं । झारखंड में कुल 9000 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित है। जिसमें समाज के अलग अलग वर्ग समूह डॉक्टर्स,वकील,प्राध्यापक, सीए, सीएस, मजदूर, छात्र सभी सुनेंगे।

झारखंड भी 6 कार्यक्रमों में बना मन की बात का हिस्सा जिसमें भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू की चर्चा, खरसावां के हल्दी उत्पादन की चर्चा, बुंडू के बांस से बने उत्पादों की चर्चा, खिलौनों की चर्चा सहित सरायकेला खरसावां के महिला द्वारा किये गये अंगदान की चर्चा, जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं।

प्रमुख नेतागण होंगे शामिल

बताया कि वे स्वयं महिलौंग के 194 बूथ के कार्यक्रम में शामिल होंगे जबकि नेता विधायक दल पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी गिरिडीह के धनवार में, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास बर्मा माइंस जमशेदपुर में, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र जी हिनू में, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह धनबाद में, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 23 पर कार्यक्रम में शामिल होंगी। इस मौके पर प्रदेश मंत्री एवं मन की बात कार्यक्रम के संयोजक सुबोध सिंह गुड्डू, प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव भी मौजूद थे।

1000 लोगों के साथ सुनेंगे मन की बात : रमेश सिंह

केंद्रीय महासचिव आशा लकड़ा भी रहेंगी मौजूद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 100वें एपिसोड का प्रसारण 30 अप्रैल को किया जायेगा। पूरे देश सहित झारखंड में भी इसका रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसे लेकर राज्यभर में भाजपा के नेता और कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हैं। वहीं शहर के बिरला मैदान के समीप इंद्रपुरी मंदिर में 23 नंबर बूथ के लोग भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रमेश सिंह के नेतृत्व में 1000 लोगों का विशाल समूह प्रधानमंत्री के मन की बात को सुनेंगे। सिंह ने बताया कि पूरे क्षेत्र के लोग कार्यक्रम में शामिल

होने को लेकर आमंत्रित किया गया है। वहीं इस दौरान पार्टी की केंद्रीय महासचिव आशा लकड़ा भी मौजूद रहेंगी। कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोग बेहद उत्साहित हैं। सिंह ने बताया कि ऐसा देखा गया है कि 'मन की बात' कार्यक्रम में श्रोताओं की संख्या बढ़ती ही गयी है। अब तक 100 करोड़ लोग इस प्रसारण को कम से कम एक बार जरूर सुन चुके हैं, जबकि 23 करोड़ लोग इसे नियमित तौर पर सुनते हैं।

100 बुजुर्गों के साथ सुनी जायेगी मन की बात : जैलेंद्र

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 100वें संस्करण को लेकर राज्यभर के भाजपा नेता और कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हैं। इसी क्रम में राजधानी रांची से सटे गेतलसूद के दिशा पंचायत में भाजपा के पूर्व ग्रामीण जिला अध्यक्ष जैलेंद्र कुमार के नेतृत्व में क्षेत्र के 100 बुजुर्ग लोग प्रधानमंत्री के मन की बात को सुनेंगे। जैलेंद्र कुमार ने बताया कि इसे लेकर तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। कार्यक्रम में शामिल होने वाले

लोगों के लिए मंच बनाया गया है साथ ही लोगों की सुविधा के लिए एलइडी स्क्रीन भी लगायी गयी हैं। वहीं कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र के बुजुर्गों में काफी उत्साह है।

मन की बात के 100वें संस्करण को उत्सव के रूप में सुनें : संजय सेठ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 100वें संस्करण को लेकर रांची के सांसद संजय सेठ ने समाज के सभी वर्गों से अपील की है कि वे इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को जरूर सुनें। इस दिन को एक उत्सव के रूप मे मनायें। इसके लिए सांसद ने राजधानी के अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर रहे 76 संगठनों का सहयोग लिया है। ये संगठन सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक और धार्मिक क्षेत्रों में सक्रिय हैं। सांसद ने इस मौके पर आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात महज एक संवाद नहीं, बल्कि गागर में सागर भरनेवाला कार्यक्रम है। इसमें वे आधे घंटे सीधे देश की जनता के साथ जुड़ते हैं, उनका हालचाल लेते हैं और उन्हें प्रेरणा देते हैं। सांसद ने कहा कि यह कार्यक्रम कोई राजनीतिक नहीं, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन का कार्यक्रम है। कभी कोरोना काल में सेवा देनेवाले लोगों के बीच, कभी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी बच्चों के बीच, कभी बेहतर परिणाम देनेवालों के बीच, कभी उद्योग, उद्यम और कला के क्षेत्र में परिवर्तन लानेवालों के साथ संवाद स्थापित करते हैं। देश की संस्कृति, लोक परंपरा, भाषा और पर्व-त्योहारों से अवगत कराते हैं। यह देश को जोड़ने में सहायक साबित हुआ है। संजय सेठ 30 अप्रैल को रातू के चटकपुर गांव में ग्रामीणों के साथ ये कार्यक्रम सुनेंगे। प्रेस वार्ता में माहेश्वरी सभा, मारवाड़ी युवा मंच, महानगर दुर्गा पूजा समिति, गुजराती समाज, पंजाबी हिंदू बिरादरी, सृजन साहित्यिक मंच, महिला साहित्य मंच, यंग इंडिया समेत कई संगठनों के लोग मौजूद रहे।

मांडर : सभी पंचायतों में सुनी जायेगी मन की बात, बनाये गये 73 सेंटर : सन्नी टोप्पो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आगामी 30 अप्रैल को रेडियो पर प्रसारित होने वाले मन की बात के 100वें एपिसोड को यादगार बनाने की तैयारी जहां पूरे प्रदेश में चल रही है। वहीं इसके लिए पंचायत और बूथ स्तर पर भी नेताओं ने कमर कस ली है और रूपरेखा तैयार

कर ली गयी है। मांडर विधानसभा क्षेत्र में युवा भाजपा नेता सन्नी टोप्पो के नेतृत्व में 73 सेंटरों पर प्रधानमंत्री के मन की बात को सुना जायेगा। टोप्पो ने बताया की इसे लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। हर सेंटर पर टीवी और लोगों के बैठने की व्यवस्था की गयी है। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल होंगे।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
1 Channel

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	33.2 °C	21.0 °C
सूर्यास्त (आज)	:	18.15 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.19 बजे

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 29 अप्रैल, 2023
www.azadsipahi.in

कार्यक्रम : ओड़िशा में 30 हजार से ज्यादा आदिवासी बच्चे- बच्चियों से मिले मुख्यमंत्री

मैं यहां के बच्चों से सीखने आया हूं : हेमंत सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। सभी की सोच से अलग कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी और इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस के फाउंडर डॉ अच्युत सामंता ने हजारों गरीब और आदिवासी बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने का काम किया है, उनका यह प्रयास सराहनीय है। हमारे राज्य में भी सामंता आयें और झारखंड के नौनिहालों को मार्गदर्शन दें। यहां के आदिवासी बच्चों के लिए कैसे विकास की पटरी पर चलने का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। इस पर हम मिलकर कार्य करें। यहां आने वाली पीढ़ी बैठी है। अपना उज्जवल भविष्य पकड़ने के लिए। किसी भी समाज का विकास तभी संभव है। जब वह पढ़- लिखकर अपने परिवार और समाज तक शिक्षा का विस्तार कर सके। इसके लिए कार्य करना होगा। उक्त बातें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहीं। मुख्यमंत्री ओड़िशा की राजधानी भुवनेश्वर स्थित कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी और

केआइआइटी यूनिवर्सिटी के आमंत्रण पर आयोजित समारोह में शामिल हुए, कहा-देश और राज्य का मान यहां के बच्चे बढ़ायेंगे

केआइआइटी एवं के आइएसएस यूनिवर्सिटी झारखंड के बच्चों का भी मार्गदर्शन करे, हम मिलकर कार्य करेंगे

इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस के समारोह में बच्चों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा शिक्षा के क्षेत्र में हम कैसे बेहतर कर सकें। यह जानने और हजारों की संख्या में बैठे बच्चों से सीखने आज मैं यहां आया हूं। इसके साथ अच्छी चीजों को अपनाना चाहिए। आज संस्था के लिए कुछ तो मैं ला नहीं सका। लेकिन, मैं अपने एक माह का वेतन इस संस्थान को दूंगा।

आदिवासी बच्चे विदेशों में उच्च शिक्षा ले रहे हैं

मुख्यमंत्री ने कहा आज यह मंच हमें बहुत कुछ सोचने पर

विवश करता है। बड़ी मुश्किल से आदिवासी समाज से आने वाला एक आदिवासी राज्य के सिर्फ पद पर पहुंचता है। 2019 दिसंबर से राज्य के विकास के लिए कार्य करने का अवसर मिला। लेकिन कोरोना संक्रमण काल में विकास की गति को कुछ समय के लिए रोक दिया। इसके बाद जब जीवन सामान्य हुआ तो झारखंड के आदिवासी क्षेत्रों में काम करने का मौका मिला। कई चीजों को हम लोगों ने बड़ी तेजी से आगे बढ़ाया है। देश में झारखंड पहला राज्य है, जहां आदिवासी के बच्चों को विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए शत प्रतिशत स्कॉलरशिप प्रदान किया जाता है। मन में तसल्ली होती है कि जो समाज स्कूल से शिक्षा पाने के लिए तरसता है। उसे विदेशों में उच्च शिक्षा मिल रही है। राज्य के बच्चों को प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में आने वाले खर्च का वहन राज्य सरकार करेगी, इससे संबंधित कानून भी सरकार ने बनाया है।

सबसे बड़ा आदिवासी संस्थान

मालूम हो कि इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस पूरे विश्व में सबसे बड़ा आदिवासी संस्थान है, जिसे 1992-93 में डॉ अच्युत सामंता द्वारा शुरू किया गया था। इस संस्थान में देश भर के वंचित आदिवासी वर्ग के बच्चों को शिक्षा देने के साथ- साथ रोजगारपरक बनाया जाता है। वर्तमान में यहां करीब 40 हजार आदिवासी बच्चों को प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा निःशुल्क प्रदान की जाती है, जिसमें अधिकतर बालिकाएं शिक्षा ग्रहण करती हैं। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, मुख्यमंत्री की धर्म पत्नी कल्पना सोरेन, केआइआइटी एवं के आइएसएस यूनिवर्सिटी के फाउंडर डॉ अच्युत सामंता, मुख्यमंत्री के प्रधान आप्त सचिव सुनील कुमार श्रीवास्तव एवं अन्य उपस्थित थे।

(संबंधित फोटो पेज 12 पर भी)

झारखंड में नयी यात्रा की शुरुआत होगी : मुख्य सचिव

मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने कहा कि भुवनेश्वर के इस यूनिवर्सिटी का नाम हम लोग वर्षों से सुनते आये थे। हमें लगता था कि यह संस्थान छोटे से जगह में बच्चों को शिक्षा दे रहे होंगे। लेकिन यहां आकर पता चला। यह तो साम्राज्य है। जिन्होंने इस यूनिवर्सिटी की स्थापना की उस पर जरूर भगवान की कृपा रही होगी। मुख्यमंत्री का काफी प्रयास है कि इस तरह की संस्थान का निर्माण झारखंड में भी हो। इसके लिए हम आपके बीच आये हैं। मुझे उम्मीद है कि उनकी यात्रा एक नयी दुनिया की शुरुआत झारखंड में होगी।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष परिस्थिति में सुधार, महत्वपूर्ण कार्य में सफलता,धनलाभ, शुभ समाचार मिलेगा।

वृष प्रेम-प्रसंग में सफलता, विरोधियों पर विजय, पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा।

मिथुन व्यावसायिक स्थिति में निरंतर मजबूती बढ़ेगी, शत्रु पराभूत होंगे, आकस्मिक धनलाभ होगा।

कर्क अनेक रचनात्मक काम शुरू होंगे, मानसिक परेशानियों में कमी होगी।

सिंह धर्म-समाज के प्रति दायित्व पूरे होंगे, गृह-भूमि-वाहन का सुख, आमदनी के स्रोत बढ़ेंगे।

कन्या संतानपक्ष से हर्षदायक समाचार की प्राप्ति होगी, इच्छित कार्य में सफलता, मन प्रसन्न रहेगा।

तुला कानूनी उलझनों से छुटकारा, रोग-शोक-दुःश्चिंताओं से मुक्ति मिलेगी।

वृश्चिक जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में अनुकूल परिस्थितियां बनेंगी, संपत्ति बढ़ेगी

धनु सरकारी नौकरी से जुड़े लोग खुशहाल रहेंगे, गृहस्थ जीवन सुखी रहेगा।

मकर कामकाज की स्थिति बेहतर होगी, परिश्रम-प्रयत्न से वांछित उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे।

कुंभ जमीन-मकान, आवास, वाहन संबंधी समस्या का समाधान मिलेगा, राजकीय उलझने दूर होगी।

मीन कार्य की अधिकता, रोजगार-व्यवसाय में समस्याओं के समाधान का रास्ता निकलेगा।

भुईंहर मुंडा को एसटी की सूची में शामिल करने का प्रस्ताव केंद्र को भेजा गया है : आलमगीर

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और अन्य राज्यों में भुईंहर मुंडा को आधिकारिक रूप से अनुसूचित जनजाति का दर्जा प्राप्त : बंधु तिर्की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री और विधायक दल के नेता आलमगीर आलम ने कहा कि भुईंहर मुंडा को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के लिए राज्य सरकार पूरी तरीके से सहमत है। इस संबंध में सरकार ने अपनी अनुशंसा केंद्र सरकार को भेज दी है। केंद्र की सहमति मिलने के बाद भुईंहर मुंडा को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दे दिया जायेगा। ये बातें मंत्री ने मोरहाबादी मैदान के संगम गार्डेन में आयोजित भुईंहर मुंडा अनुसूचित जनजाति सम्मेलन के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि न केवल आरक्षण, बल्कि अनेक सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में भुईंहर मुंडा जनजाति समुदाय के लोग असमर्थ हैं। क्योंकि आधिकारिक रूप से उन्हें अनुसूचित जनजाति का दर्जा प्राप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की पूरी जानकारी है कि

भुईंहर मुंडा, मुंडा जनजाति की पहली उपजाति है, लेकिन झारखंड गठन के बाद प्रशासनिक स्तर पर हुई त्रुटियों के कारण उन्हें अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) का दर्जा दिया गया। पूर्व मंत्री और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि एक साजिश के तहत अनुसूचित जनजाति की आबादी को सांख्यिकी रूप से कम करके दिखाने के लिए इस तरह की गड़बड़ियां की जाती हैं, जिसमें ऊपर से तो लगता है कि यह प्रशासनिक स्तर पर त्रुटि है या लिपिकीय भूल है। लेकिन वास्तव में इसकी पृष्ठभूमि में गहरी साजिश होती है और प्रयास जमीन लूटने का भी होता है। तिर्की ने कहा कि छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और अन्य राज्यों में भुईंहर मुंडा को आधिकारिक रूप से अनुसूचित जनजाति का दर्जा प्राप्त है।

मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि यदि आदिवासियों की आधारभूत और जमीनी समस्याओं पर अविलंब ध्यान नहीं दिया गया, उनकी परेशानियों को दूर नहीं किया गया, तो स्थिति बहुत जटिल हो जायेगी। इसका खामियाजा न केवल अनुसूचित जनजाति, बल्कि पूरे झारखंड को उठाना पड़ेगा। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आये सत्यप्रकाश मुंडा, शिरील टोप्पो, सोहरई मुंडा, मनीराम भुईहर, रामसकल भुईंहर, सागर पाहन, जॉनसन मुंडा, बासीर मुंडा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

जंगल में सूखी लकड़ी चुनने गयी महिला की आइइडी बम की चपेट में आने से मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

चाइबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के कोल्हान जंगल के इलाके में आइइडी की चपेट में आने से एक और ग्रामीण महिला की मौत हो गयी है। महिला का नाम गांगी सुरीन है। घटना शुक्रवार की सुबह घटी, जब महिला जलावन के लिए सूखी लकड़ी चुनने जंगल गयी थी। अचानक उसका पैर आइइडी पर पड़ा और जोरदार धमाका हुआ।

आइइडी बम की चपेट में ऐसे कई गांव हैं और इन गांवों में रहने वाले लोगों की जिंदगी को खतरा है। घटना गोइलकेरा थाना क्षेत्र के जाहेरगड़ा के पास जंगल के रास्ते में हुई। इस इलाके में नक्सलियों ने जंगल के रास्ते पर कई आइइडी बम बिछा रखे हैं। लकड़ी चुनने जा रही वृद्ध महिला पाताहातु गांव की है। पुलिस इस पूरे इलाके में अब सर्च अभियान चला रही है। इन रास्तों पर बिछे आइइडी बम की चपेट में कोई दूसरा ग्रामीण ना आये, इसकी भी कोशिश की जा रही है। कोल्हान जंगल के कई गांवों के घरों के 100 मीटर के दायरे में आइइडी बिछी है। ऐसे में उनका घर से बाहर निकलना, जंगल में रहते हुए जलावन के लिए सूखी लकड़ी चुनना मुश्किल हो रहा है। पिछले पांच महीनों में कोल्हान इलाके में छह ग्रामीणों की मौत हो गयी।

अब पत्नी के सुर में सुर मिला सकता है वायरल महिला का पतिः सरयू राय

पुलिस मूकदर्शक रही और थार जीप पर हो गया समझौता

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री गुप्ता का कथित अश्लील वीडियो विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। चैट मामले में विधायक सरयू राय रोज कुछ न कुछ नये खुलासे कर रहे हैं। सरयू राय ने ट्वीट कर कहा है कि बन्ना गुप्ता के साथ वीडियो चैट वाली वायरल महिला का पति

महिंद्रा थार (जीप) लेकर पत्नी के सुर में सुर मिला सकता है।

बन्ना गुप्ता के दिये गये उपनाम गोपीचंद जासूस को स्वीकार करते हुए सरयू ने ट्विटर पर लिखा है कि गोपीचंद जासूस की खबरः चार दिन की मशक्कत के बाद बहुराष्ट्रीय दवा निर्माता कंपनी का एमआर मान गया। बन्ना गुप्ता-महिला अश्लील वीडियो चैट मामले में कंपनी का एमआर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पत्नी के सुर में सुर मिला सकता है। दबाव में ही सही, थार जीप पर परिवार तो एक हुआ। पुलिस मूकदर्शक रही।

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के वायरल वीडियो के बाद वीडियो में शामिल महिला ने एक वीडियो बनाया, जिसमें वह अपने आप को बेकसूर बता रही है। महिला का कहना है कि वीडियो में उसकी तस्वीर का गलत इस्तेमाल किया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बन्ना गुप्ता ने महिला की बातों का समर्थन किया और कहा कि वह आरोपित नहीं, बल्कि एक पीड़ित महिला है। बन्ना गुप्ता ने पूरे मामले को लेकर पूर्व मंत्री सरयू राय को जिम्मेदार ठहराया और उन्हें गोपीचंद जासूस की संज्ञा दी।

अबुआ राज की बात करनेवाली सरकार की मंशा बबुआ राज स्थापित करने की : भगत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि अबुआ राज की बात करने वाली सरकार की असल मंशा बबुआ राज स्थापित करने की है। उन्होंने कहा कि सरकार निर्वाचित प्रतिनिधियों का अधिकार छीन कर अफसर राज स्थापित करने में जुटी हुई है। पंचायत प्रतिनिधियों को लेकर भी इन्होंने यही किया और अब

निकाय परिषद के निर्वाचित प्रतिनिधियों को लेकर भी यही हुआ। भगत शुक्रवार को रांची स्थित आजसू पार्टी केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रथम कैबिनेट में अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ों को आरक्षण सुनिश्चित करने का दंभ भरनेवाली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को भी दरकिनार कर दिया। आजसू पार्टी द्वारा दायर की गयी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से सरकार को यह आदेश दिया कि निकाय चुनाव से पहले राज्य में ट्रिपल टेस्ट सुनिश्चित हो। इसके बावजूद सरकार ने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया। यह समझ से परे है। दरअसल सरकार ने कभी भी इस विषय पर गंभीरता नहीं दिखायी, जिसका खामियाजा राज्य की बड़ी आबादी को भुगतना पड़ रहा है। 30 अप्रैल को होनेवाले कार्यक्रम की जानकारी देते हुए डॉ भगत ने कहा कि सामाजिक न्याय मार्च में राज्य के कोने-कोने से हजारों कार्यकर्ता रांची कूच करेंगे तथा बापू वाटिका, मोरहाबादी से हरमू मैदान तक पैदल मार्च करेंगे।

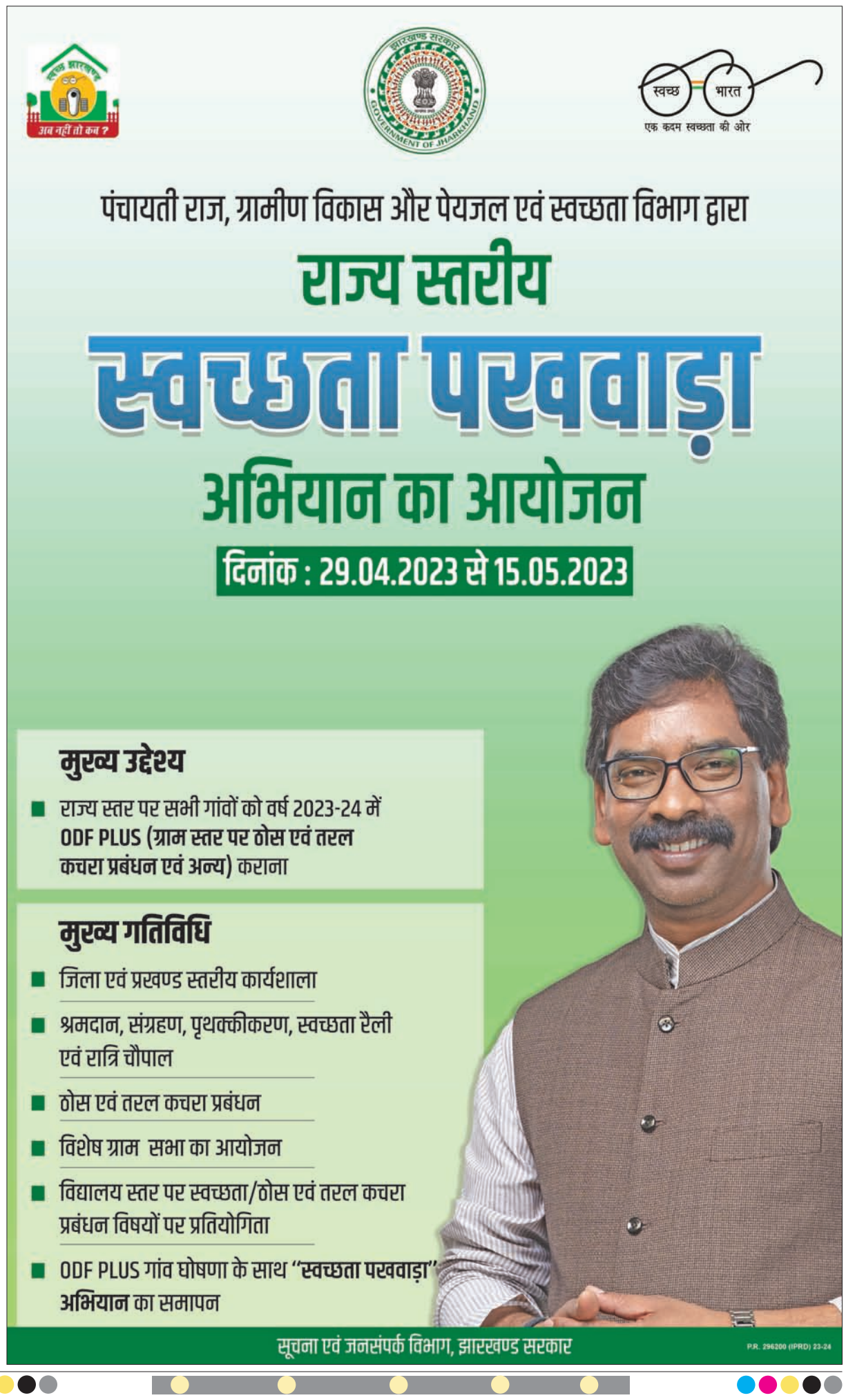

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 29 अप्रैल, 2023
www.azadsipahi.in

झारखंड के सोनू सूद सुजीत उपाध्याय के मुरीद हुए वॉलीवुड अभिनेता और गरीबों के मसीहा सोनू सूद भी

झारखंड में इन दिनों एक नाम सुर्खियों में है सुजीत उपाध्याय, उम्र 28 वर्ष, लेकिन कार्य बड़े

रांची। सुजीत उपाध्याय ने कम उम्र में ही झारखंड में अपनी एक अलग पहचान बना ली है। मजेदार बात यह है कि झारखंड के लोग सुजीत उपाध्याय को उनके नाम से नहीं, बल्कि झारखंड के सोनू सूद के नाम से ज्यादा जानते हैं। अब सोनू सूद को कौन नहीं जानता। सोनू बॉलीवुड कलाकार हैं, लेकिन इसके इतर कोरोना काल में जिस तरह से सोनू सूद ने लोगों की मदद की, उनका नाम उच्च कोटि के समाज सेवी के रूप में उभरा है। वह गरीबों के रीयल हीरो के रूप में जाने जाते हैं। सोनू सूद का झारखंड के लोगों से भी ज्यादा जुड़ाव रहा है। झारखंड के लोगों को भी सोनू ने खूब मदद की है। ठीक इसी प्रकार से सुजीत उपाध्याय भी जरूरतमंदों की सेवा करने के लिए तन-मन-धन से कूद गये। कोरोना काल में तो उन्होंने न धर्म देखी न जाति। देखी तो सिर्फ लोगों की पीड़ा, जरूरत। उसके बाद वह जन कार्यों में कूद पड़े। क्या दिन, क्या रात, 24 घंटे वह जरूरतमंदो के लिए उपलब्ध रहे। यह सब सुन और देख सोनू सूद खुद को न रोक पाये। वह झारखंड के सोनू सूद से मिलने पहुंच गये।

सुजीत के दीवाने हुए सोनू सूद और झारखंड के लोग

सुजीत उपाध्याय ने सेवा के क्षेत्र की एक लंबी लकीर खींची है। दरअसल जब देश में कोरोना महामारी तांडव मचा रही थी, झारखंड भी इससे अछूता नहीं रहा था। उस दौरान कोरोना ने झारखंड के लोगों को भी अपना शिकार बनाना शुरू कर दिया था। लोग एक दूसरे से दूरियां भी बनाने लगे थे। परिवार के लोग भी एक दूसरे से असहज महसूस करने लगे थे। सरकार भी आर्थिक मोर्चे पर संघर्ष कर रही थी। झारखंड के लोगों को सरकार की मदद के साथ-साथ समाज सेवकों की मदद की भी जरूरत थी। फिर क्या था, सुजीत उपाध्याय को लगा कि यही मौका है लोगों के काम आने का। क्या हुआ, कोरोना ने कहर मचाया हुआ है। जिंदगी ईश्वर ने दी है, एक ही है, क्यों न उसे जन सेवा में लगाया जाये। सुजीत उपाध्याय ने ईश्वर का नाम लिया और कूद पड़े मैदाने जंग में। सुजीत से जो बन पड़ा अपने स्तर से उन्होंने किया। इस 28 साल के युवक ने 20 हजार से भी अधिक झारखंडी प्रवासी मजदूरों को उनके घर पहुंचाने में मदद की। 270 जरूरतमंदों का राशन कार्ड बनवाया। सैकड़ों जरूरतमंदों को सुजीत ने अस्पताल भी पहुंचाया। उस दौरान झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी अपने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया था कि उनसे जो भी बन पड़े, लोगों की मदद करें। फिर क्या था! सुजीत भी अपने राज्य के मुखिया और अपने नेता की बात सुन मैदान में कूद पड़े।

सुजीत उपाध्याय झारखंड मुक्ति मोर्चा से पिछले 17 वर्षों से जुड़े रहे हैं। उन्होंने 2010 में झामुमो रांची महानगर के सह-सचिव, 2016 में जिला उपाध्यक्ष, 2019 में पार्टी प्रवक्ता की जिम्मेवारी संभाली है। यही नहीं, सुजीत कई धार्मिक-सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े हैं। रांची की दुर्गा पूजा- रामनवमी की विभिन्न कमेटियों में संयोजक भी हैं। सुजीत प्रदेश डीजल ऑटोचालक महासंघ के संयोजक, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के झारखंड प्रभारी भी हैं। सुजीत राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। वह समाज की जिम्मेदारियों से कभी पीछे नहीं हटे। वह समाज के लिए हमेशा पहली पंक्ति में नजर आये।

असहाय व्यक्ति की मदद की

सुजीत उपाध्याय के बारे में लोग बताते हैं कि कोरोना काल के दौरान, रांची स्थित कोकर तिरिल

बस्ती में एक असहाय व्यक्ति था। उसके पैर में प्लास्टर चढ़ा हुआ था। वह खुद से चल-फिर नहीं सकता था। वह व्यक्ति तीन दिनों तक सड़क पर पड़ा था। जब सुजीत को इसकी जानकारी मिली, तो वह उस व्यक्ति को तुरंत अस्पताल ले कर गये। सुजीत ने अपने पैसों से उसका इलाज करवाया और फिर उसे घर भी पहुंचाया।

सुजीत ने सड़क पर पड़ी गर्भवती को अस्पताल पहुंचाया

एक और घटना की लोग जिक्र करते हैं। कोरोना काल की ही बात है। एक महिला, जो गर्भवती के साथ-साथ अपनी याददास्त खो बैठी थी। वह महिला रांची के बूटी मोड़ चौक पर पांच घंटे से असहाय पड़ी हुई थी। कोई उसकी मदद को आगे नहीं आ रहा था। उस महिला के बारे में जैसे ही सुजीत को पता चला, उन्होंने सदर थाना प्रभारी और रांची एसडीओ की मदद से उसे बेहतर इलाज कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। सुजीत ने कोरोना काल में जिस प्रकार से लोगों और जरूरतमंदों की मदद की, उसकी जितनी तारीफ की जाये वह कम है।

झारखंड के 1700 मजदूर फंसे थे, सुजीत ने की मदद

यहां एक और घटना का जिक्र करना जरूरी है। कोरोना महामारी के दौरान केरल के मलप्पुरम जिले में झारखंड के 1700 मजदूर फंसे हुए थे। सुजीत उपाध्याय को इसकी सूचना मिली। सुजीत उन फंसे हुए मजदूरों की सूची लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले। फिर क्या था! हेमंत सोरेन ने तुरंत एक्शन लिया। प्रशासनिक अधिकारी एक्टिव हुए और ट्रेन के माध्यम से उन 1700 मजदूरों को उनके घरों तक पहुंचाया गया। जब ये मजदूर मलप्पुरम से अपने घर लौटे ,तो इनकी जुबां पर हेमंत सोरेन के साथ-साथ सुजीत उपाध्याय का भी नाम था।

एर्नाकुलम में फंसी थी 500 लड़कियां

सुजीत उपाध्याय को पता चला कि केरल के एर्नाकुलम जिले में झारखंड की करीब पांच सौ लड़कियां फंसी हुई हैं। यह जानकारी सुजीत उपाध्याय को व्हाट्सएप्प और फोन के माध्यम से मिली थी। सुजीत उपाध्याय ने इसकी सूचना तुरंत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को दी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस पर तुरंत संज्ञान लिया। उन लड़कियों को लाने के लिए श्रमिक स्पेशल ट्रेन चलायी गयी। जब सभी लड़कियां एर्नाकुलम से झारखंड पहुंचीं, तो सभी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और सुजीत उपाध्याय को धन्यवाद दिया।

दुर्घटना में युवक की जान बचायी

भाजपा प्रदेश कार्यालय के समक्ष एक सड़क दुर्घटना हुई थी। उसमें एक युवक अधमरा सा हो गया था। उसकी स्थिति बहुत ही सीरियस थी। उस युवक की मदद के लिए कोई आगे नहीं बढ़ रहा था। कई लोग उसे छटपटाते देख रहे थे, पर कोई उसकी जान बचाने को आगे नहीं आया। संयोगवश उसी रास्ते से गुजर रहे सुजीत उपाध्याय की नजर उस युवक पर पड़ी। उन्होंने युवक को अपनी गाड़ी में लिटाया और सीधे उसे अस्पताल लेकर गये। समय से अस्पताल ले जाने के कारण उस युवक की जान बची। आज भी वह युवक सुजीत उपाध्याय का नाम लेते नहीं थकता।

सड़क पर तड़पता असम का वह भूखा युवक

मुकेश चौधरी नामक किसी व्यक्ति ने सुजीत उपाध्याय को व्हाट्सएप के माध्यम से एक तस्वीर भेजी। यह तस्वीर असम से काम की तलाश में रांची आये एक युवक की थी। चूंकि कोरोना काल का समय था। लॉकडाउन लगा हुआ था। आने-जाने का कोई साधन नहीं था। रांची आने के बाद वह युवक फंस चुका था। उसके सारे सामान चोरी भी हो गये थे। तीन माह तक तो मुफ्त में बांटे जा रहे भोजन से उसने गुजारा किया। लेकिन बाद में भोजन नहीं मिलने से परेशानी होने लगी। कई दिनों से खाना नहीं खाने के कारण उसकी स्थिति गंभीर हो गयी थी। जैसे ही सुजीत उपाध्याय को इस बात की खबर लगी, वह उस युवक के यहां पहुंच गये। उन्होंने उसे भोजन करवाया और अस्पताल में इलाज भी करवाया।

भटकते 30 मजदूर आदिवासी

विश्व आदिवासी दिवस के दिन तमिलनाडु से 30 आदिवासी मजदूर रांची पहुंचे थे। उस दौरान कोरोना महामारी चरम पर थी। मजदूरों ने बताया कि वे तमिलनाडू से बस से रांची पहुंचे थे। प्रत्येक ने 6500 रुपये देकर बस बुक किया था। लेकिन बसवाला इन सारे मजदूरों को रांची के खेलगांव चौक पर ही उतार कर वहां से चलता बना। कोरोना काल में सुजीत उपाध्याय भी लोगों की मदद के लिए घर से बाहर निकल जाते। इस क्रम में उनकी गाड़ी उन मजदूरों के पास से गुजरी। भीड़ को देख सुजीत रुके। उन्होंने लोगों से पूछा कि भीड़ क्यों जमा है। क्या परेशानी है। बातचीत के क्रम में पता चला कि वे मजदूर हैं, जो तमिलनाडु से रांची पहुंचे हुए थे। मजदूरों ने अपनी आपबीती सुजीत को बतायी। उसके बाद बस का पीछा किया गया, लेकिन बस मिली नहीं। निराश मजदूरों को पहले तो सुजीत ने खाना खिलाया। उसके बाद उन मजदूरों से पूछा कि उन्हें जाना कहां हैं? मजदूरों ने कहा कि उन्हें सिमडेगा जाना है। सुजीत उपाध्याय ने फौरन रांची प्रशासन से इस संबंध में बातचीत की। तत्कालीन उपायुक्त रांची ने एडीएम को बस उपलब्ध कराने को कहा। बस उपलब्ध हुई और सभी मजदूरों को सिमडेगा छोड़ा गया।

परिचय के मोहताज नहीं

सुजीत उपाध्याय किसी परिचय के मोहताज नहीं। उनकी लोकप्रियता उनकी पार्टी में भी है और अन्य सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों में भी। प्रशासनिक अधिकारियों में भी सुजीत काफी लोकप्रिय हैं, क्योंकि वह सामाजिक कार्यों की अगली पंक्ति के नायक हैं। यही कारण है कि कोई भी प्रशासनिक अधिकारी उनकी बातों को नकारता नहीं है। उन्हें पता है कि यह व्यक्ति लोगों की मदद करता है। प्रशासन भी सुजीत की मदद में लग जाता है। जब भी लोग कोरोना महामारी में नायकों , मददगारों का जिक्र करेंगे, सुजीत का नाम भी अगली पंक्ति में शुमार मिलेगा। झारखंड को गर्व है कि यहां सुजीत उपाधय जैसे लोग हैं, जो समाज कल्याण और समाज के लोगों की मदद के लिए हमेशा आगे खड़े रहते हैं।

भुवनेश्वर और राजधानी की खबरें

'किस' घूम कर देखा और बहुत कुछ सीखा : हेमंत

झारखंड के मुख्यमंत्री ने दान किया एक महीने का वेतन

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि मैंने आज किस का दौरा किया और बहुत कुछ सीखा। शुक्रवार को केआइएसएस की अपनी यात्रा के दौरान केआइएसएस के छात्रों को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा कि केआइएसएस कोई साधारण प्रयास नहीं है। इसके लिए संस्थापक अच्युत सामंत की जितनी भी तारीफ करें, कम ही होगा। एक ही सरकार द्वारा इतनी बड़ी संस्था बनाने के बारे में सोचा नहीं जा सकता। श्री सोरेन ने झारखंड में केआइएसएस जैसी संस्था की अनुपस्थिति पर खेद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि झारखंड में केआइएसएस जैसे संस्थानों की स्थापना से नक्सल समस्या और आदिवासियों की कई समस्याओं का समाधान होगा। किस में घूमने के बाद मुझे बहुत कुछ सोचने पर मजबूर कर दिया है। किस हमें मार्गदर्शन करेगा कि विकास प्रक्रिया में झारखंड के आदिवासी समुदायों के लोगों को कैसे शामिल किया जाये। उन्होंने कहा कि किस के बच्चों में उत्साह और माहौल अद्भुत है। किस और श्री सामंत हमें झारखंड में शिक्षा क्षेत्र में केआइएसएस जैसा माहौल बनाने में मदद करेंगे। हम इसके लिए हर संभव सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि केआइएसएस जैसा माहौल आपको भारत में कहीं और नहीं मिलेगा। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों को इसका सदुपयोग करने और दृढ़ता और मेहनत के माध्यम से अपने लक्ष्यों के पथ पर आगे बढ़ने की सलाह दी। सोरेन ने व्यक्तिगत रूप से अपने एक महीने का वेतन केआइएसएस को दान करने की घोषणा की। झारखंड सरकार के प्रधान सचिव सुखदेव सिंह ने कहा कि किस कोई संस्था नहीं, बल्कि एक साम्राज्य है। भगवान के आशीर्वाद के बिना ऐसी संस्था नहीं बनायी जा सकती। अच्युत सामंत इतनी बड़ी संस्था का निर्माण भगवान के आशीर्वाद के कारण ही कर पाए हैं। उन्होंने उम्मीद जतायी कि केआइएसएस को झारखंड में लागू किया जाना चाहिए। केआइआइटी और केआइएसएस के संस्थापक अच्युत सामंत ने स्वागत भाषण दिया, जबकि केआइएसएस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दीपक बेहरा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। झारखंड के मुख्यमंत्री के सचिव विनय चौबे, निजी सचिव सुनील कुमार श्रीवास्तव और केआइएसएस के कई अधिकारी उपस्थित थे।

रांची रेल मंडल के छह कर्मचारी सेवानिवृत

रांची (आजाद सिपाही)। रांची रेल मंडल के छह रेलकर्मी सेवानिवृत्त हुए। इन सभी को सेवानिवृत्ति से संबंधित समस्त भुगतान सौंपा गया। सहायक कार्मिक अधिकारी चितरंजन कुमार ने समारोह का संचालन किया। अपर मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार ने कहा कि आप लोगों ने अपने जीवन का लंबा समय रेल को दिया है। ये आपके जीवन की दूसरी पारी है। अपना पैसा सही जगह निवेश करें। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। योग ध्यान आदि करें। इस अवसर पर सहायक मंडल लेखा अधिकारी राउतु कलौंडिया ने भी अपने विचार रखे। सेवानिवृत्त होनेवालों में शिव शंकर मुंडा, त्रिलोचन चट्टराज, दुर्योधन किशन, देवक तांती, राज कुमार भगत तथा अवध नाथ यादव शामिल हैं।

टीबी मरीजों को प्रोटीनयुक्त फूड पैकेट दिया

रांची (आजाद सिपाही)। इनर व्हील क्लब रांची साउथ ने प्रधान मंत्री टीबी मुक्ति योजना के अंतर्गत पांच टीबी मरीजों को छह माह के लिए गोद लिया था। लगातार छह महीनों तक उन्हें प्रोटीन युक्त फूड पैकेट डोरंडा हॉस्पिटल में दिया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ शबरी डीटीओ ने कार्य की सराहना की। क्लब की अध्यक्षा तनूजा अधिकारी, सुमन सिंह, सुमिता, सुषमा सैनी, सीमा उपस्थित थीं।

योग में राष्ट्रीय जज प्रशिक्षण के लिए झारखंड योगासन से तीन लोगों की टीम हुई रवाना

रांची (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय योगासन खेल महासंघ और वर्ल्ड योगासन, साई एनआइएस के द्वारा तीसरा राष्ट्रीय योगासन जज प्रशिक्षण 2023 और 24 का कार्यक्रम पटियाला में होने जा रहा है, जिसमें योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन झारखंड के तीन सदस्यों की टीम पटियाला रवाना हुई। रांची जिला सह सचिव आर्य प्रह्लाद भगत, चंदू कुमार, दयानंद तीनों का चयन कर भेजा गया है। झारखंड योगासन के अध्यक्ष संजय सिंह, सचिव विपिन पांडे, कोषाध्यक्ष मनोज तिवारी, संतोषी कुमारी, मलय डे, डॉ सुजीत घोंसल, शंकर राणा, प्रशांत सिंह, चैताली मुखर्जी, पूजा सिंह, राहुल रंजन ने शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय महासचिव जयदीप आर्य ने योगाभ्यास और स्वागत अभिनंद के साथ किया।

रेल मंत्रालय ने रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार वर्ष 2023 की घोषणा की

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) सभी भारतियों के लिए हिंदी में रेल यात्रा वृत्तात प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है, जिसमें निम्नानुसार राशि और प्रशस्ति-पत्र दिये जाने का प्रावधान है: प्रथम पुरस्कार (एक): 10,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार (एक): 8,000 रुपये, तृतीय पुरस्कार (एक): 6,000 रुपये, प्रेरणा पुरस्कार (पांच) 4,000 रुपये प्रत्येक, रेल यात्रा वृत्तांत हिंदी भाषा में होना चाहिए और मौलिक होना चाहिए तथा न्यूनतम 3000 शब्दों और अधिकतम 3500 शब्दों तक होना चाहिए। यह डबल स्पेस में टाइप किया हुआ, चारों तरफ कम से कम एक इंच का हाशिया छोड़ा हुआ हो और पृष्ठ संख्या अंकित होनी चाहिए। शब्दों की कुल संख्या लिखी होनी चाहिए। वृत्तांत के प्रारंभ में एक अलग कागज में बड़े अक्षरों में नाम, पदनाम, आयु, कार्यालय/निवास का पता, मातृभाषा, मोबाइल नं. ई-मेल, वृत्तांत के शब्दों की संख्या आदि का उल्लेख किया जाना चाहिए। इस योजना में भाग लेने के इच्छुक केंद्रीय अथवा राज्य सरकार की सेवा में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों को इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके विरुद्ध किसी भी प्रकार का सतर्कता/अनुशासन और अपील नियम से संबंधित मामला लंबित या विचाराधीन नहीं है। जो आवेदक सरकारी सेवा में नहीं है, उन्हें इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके खिलाफ न तो किसी भी प्रकार का आपराधिक मामला चल रहा है और न ही किसी प्रकार की सजा भुगत रहे हैं। इसके अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों को घोषणा पत्र में यह भी उल्लेख करना होगा कि संबंधित रेल यात्रा वृत्तांत मेरी मौलिक रचना है, इसे किसी अन्य पुरस्कार योजना के अंतर्गत पुरस्कृत नहीं किया गया है। प्रतिभागी अपनी प्रविष्टि दो प्रतियों में 31.07.2023 तक सहायक निदेशक, हिंदी (प्रशिक्षण), कमरा नं. 536-डी, रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड), रायसीना रोड, नयी दिल्ली-110001 को निरपवाद रूप से भिजवा दें। वृत्तांत की एकल प्रति प्राप्त होने पर प्रविष्टि रद्द कर दी जायेगी।

नि:शुल्क मेडिकल कैंप 30 को

रांची। 30 अप्रैल आयोजित होने वाले निःशुल्क मेडिकल कैंप को लेकर झारखंड प्रदेश प्रोफेशनल्स कांग्रेस के अध्यक्ष आदित्य विक्रम जयसवाल ने शुक्रवार को शाम चार बजे अपनी टीम के साथ पंडरा, अपर पंडरा बस्ती, लोअर पंडरा बस्ती, आम बगीचा क्षेत्र का डोर टू डोर भ्रमण कर लोगों को कैंप में आने के लिए आमंत्रित किया। श्री जयसवाल ने कहा कि प्रोफेशनल्स कांग्रेस की ओर से 30 अप्रैल को राजकीयकृत मध्य विद्यालय पंडरा में निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया है। जिसमें रांची के प्रसिद्ध डॉक्टर्स, फिजिशियन शामिल रहेंगे। स्वास्थ्य शिविर में शामिल होकर जरूर लाभ उठायें। इस अवसर पर मुंजी सिंह, संजय कुमार, सुमित साहू, राजीव आदि मौजूद रहे।

निगम चुनाव कराने में राज्य सरकार विफल है : नमन

रांची (आजाद सिपाही)। नमन भारतीय ने शुक्रवार को कहा कि रांची नगर निगम के सभी जनप्रतिनिधियों का अंतिम कार्यकाल है और राज्य सरकार सोयी है। चुनाव में जीते हुए सभी वार्ड पार्षद, महापौर, उप महापौर के कार्यकाल का अंतिम दिन है और चुनाव का पक्का नोटिस अभी तक सरकार की ओर से जारी नहीं की गयी, जिसके कारण पार्षद के सारे अधिकार खत्म हो गये हैं। इसलिए मांग करेंगे कि जल्द से जल्द रांची नगर निगम का चुनाव कराया जाये।

सरयू राय ने बन्ना गुप्ता की पिस्टल जब्त करने की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के आपत्तिजनक वायरल वीडियो का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि सरयू राय ने बन्ना गुप्ता पर अवैध हथियार रखने का आरोप लगा कर तपिश और बढ़ा दी है। विधायक सरयू राय ने शुक्रवार को पूर्वी सिंहभूम की उपायुक्त विजया जाधव को पत्र लिख कर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता की पिस्टल जब्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री जिस पिस्टल की अक्सर नुमाइश करते हैं, वह निर्माण और वितरण लाइसेंस की शर्तों को आर्म्स एक्ट के अधीन पूरा नहीं करती है। इस संबंध में उन्होंने भारत सरकार के गृह मंत्रालय के आर्म्स सेक्शन के कमांडेंट/आर्म्स द्वारा कोलकाता पुलिस को भेजे गये पत्र की कॉपी भी भेजी है, जिसमें उल्लेख किया गया है कि मेसर्स काउंटर मेजर्स टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित और जे विश्वास एंड कंपनी को वितरण के लिए भेजा गया जी44 मॉडल का क्लक पिस्टल निर्माण और वितरण लाइसेंस की शर्तों को आर्म्स एक्ट के अधीन पूरा नहीं करती है। इसलिए जिसने भी यह पिस्तौल खरीदी है, उससे वापस लेकर इसे सरकार के मालखाना में जमा किया जाये। सरयू राय ने लिखा है कि अनुरोध है कि जांचोपरांत इस बारे में विधिसम्मत कार्रवाई करेंगी तथा यह पिस्तौल जब्त कर इसे पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन के मालखाना में जमा करायेंगी। साथ ही इसकी सूचना झारखंड सरकार और भारत सरकार के गृह मंत्रालय को भी शीघ्रातिशीघ्र देंगी, ताकि इस बारे में प्रासंगिक नियमों के उल्लंघन के लिए उनके विरुद्ध प्रासंगिक कानून के तहत आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

लॉज और बैंक्वेट संचालकों पर नगर निगम की सख्ती

लाइसेंस नहीं लेने पर 5 मई के बाद होगी कार्रवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची में अब 5 मई के बाद लॉज और बैंक्वेट के लाइसेंस नहीं लेने पर संचालकों पर कार्रवाई होगी। रांची नगर निगम ने 5 मई तक लाइसेंस के लिए आवेदन जमा करने को कहा है। इसके बाद नगर निगम की ओर से संचालकों पर कार्रवाई की जायेगी।

पकड़े जाने पर 25 हजार फाइन लगाया जायेगा। दूसरी बार पकड़े जाने पर हॉस्टल, लॉज, बैंक्वेट को सील कर दिया जायेगा। इतना

रांची नगर निगम ने 5 मई तक आवेदन जमा करने को कहा

ही नहीं 5 मई के बाद वेरिफिकेशन के लिए टीम जायेगी, तभी लाइसेंस जारी किया जायेगा। संचालकों को नगर निगम से लाइसेंस लेना अनिवार्य कर दिया गया है। सिटी में अब भी हजारों हॉस्टल लॉज बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे हैं। इतना ही नहीं, वहां पर मानकों का भी पालन नहीं किया जा रहा है। अब इन हॉस्टलों पर पहले फाइन लगाया जायेगा। इसके बाद भी वे रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन नहीं करते हैं, तो उन पर कार्रवाई की जायेगी।

बिना लाइसेंस के चल रहे अवैध हॉस्टल-लॉज पर शिकंजा कसने के लिए रांची नगर निगम ने योजना बनायी है। इसके तहत अवैध रूप से संचालन कर रहे संचालकों से लाइसेंस नहीं दिखाने पर 25-25 हजार रुपये फाइन वसूला जायेगा। उन्हें एप्लीकेशन भी जमा करना होगा। इसके बाद टीम के विजिट में दोबारा लाइसेंस नहीं मिलेगा, तो कैंपस को सील कर दिया जायेगा, जिससे संचालक किसी भी तरह का कारोबार नहीं कर सकेंगे। रजिस्ट्रेशन कराने के बाद लाइसेंस की वैधता एक साल की है। इसके बाद हर साल संचालकों को लाइसेंस रिन्युअल कराना है। रजिस्ट्रेशन में 800 से लेकर 2500 रुपये का चार्ज तय है। दस बेड से ऊपर की संख्या होने पर हॉस्टल संचालक को एक साल के रजिस्ट्रेशन के लिए अलग चार्ज देना होगा।

भाकृअनुप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान
कटक - 753006, ओड़िशा, भारत
ICAR-NATIONAL RICE RESEARCH INSTITUTE
CUTTACK-753 006, (ODISHA), INDIA

विज्ञापन संख्या 02/बीएम/बीई/ओए/एएम/आरए/पीसी/एएफओ/2023-24

भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में ईएपी-215 के तहत एक (01) बिजनेस मैनेजर-सह-रिसर्च एसोसिएट, एक (01) बिजनेस एक्जीक्यूटिव-सह-वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता तथा एक (01) ऑफिस असिस्टेंट ईएपी-140 के तहत एक (01) रिसर्च एसोसिएट ईएपी-284 के तहत एक (01) बिजनेस मैनेजर, एक (01) असिस्टेंट मैनेजर, एक (01) बिजनेस एग्जीक्यूटिव एवं (01) एक ऑफिस असिस्टेंट तथा ईएपी-391 के तहत दो (02) परियोजना समन्वयक और एक (01) सहायक फील्ड ऑपरेटर के चयन के लिए साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा। आवश्यक योग्यता, आयु, परिलब्धियों की राशि आदि तथा अन्य शर्तों के बारे में जानकारी भाकृअनुप-एनआरआरआई की वेबसाइट https://icar-nrri.in/walk-in-interview पर उपलब्ध हैं।

Interviews will be held for selection of **one (01) Business Manager cum Research Associate, one (01) Business Executive cum Senior Research Fellow and one (01) Office Assistant under EAP-215 and one (01) Research Associate under EAP-140 and one (01) Business Manager, one (01) Assistant Manager, one (01) Business Executive and one (01) Office Assistant under EAP-284 and two (02) Project Coordinator and one (01) Assistant Field Operator under EAP-391** at the ICAR-National Rice Research Institute, Cuttack. The details regarding essential qualifications, age, amount of emoluments etc. and other terms and conditions are available in NRRI **website - https://icar-nrri.in/walk-in-interview.**

प्रधान अन्वेषक/PRINCIPAL INVESTIGATOR

संविदा सहायक प्राध्यापकों ने हेमंत के प्रति आभार जताया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शुक्रवार को जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय में कार्यरत संविदा सहायक प्राध्यापकों ने हेमंत सरकार द्वारा कैबिनेट में 57,700 रुपये प्रतिमाह की स्वीकृति देने पर हेमंत सरकार को धन्यवाद दिया है। झारखंड सरकार के इस निर्णय पर सहायक प्राध्यापकों ने एक दूसरे को पुष्पगुच्छ और मिठाइयां खिला कर अपनी खुशी का इजहार किया। साथ ही संकाय के नौ विभाग के छात्र छात्राओं और शोधार्थियों के बीच भी मिठाइयां बांटी गयीं। प्राध्यापकों ने कहा कि सरकार का निर्णय स्वागतयोग्य है। हेमंत सरकार हमेशा झारखंडी हित में फैसला लेती रही है। आगे भी हमें सकारात्मक रिजल्ट मिलेगा। खुशी जाहिर करनेवालों में मुख्य रूप से टीआरएल संकाय के प्राध्यापक डॉ बीरेंद्र कुमार महतो, डॉ रीझू नायक, डॉ दमयंती सिंकू, डॉ दिनेश कुमार, डॉ राकेश किरण, अनुराधा मुंडू, डॉ नरेंद्र कुमार दास, डॉ उपेंद्र कुमार, रमाकांत महतो, जय प्रकाश उरांव, बीरेंद्र उरांव, शकुंतला बेसरा, गुरुचरण पूर्ति, डॉ नकुल कुमार, अबनेजर टेटे आदि शामिल हैं।

नगर निगम चुनाव के लिए हाइकोर्ट में याचिका

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में नगर निगम और नगर निकायों में चुनाव का मामला हाइकोर्ट के समक्ष पहुंच चुका है। नगर निगम का चुनाव कराने और चुनाव होने तक निवर्तमान पार्षदों को अवधि विस्तार देने के लिए

पार्षदों ने होइकोर्ट में लगायी गुहार

झारखंड हाइकोर्ट में याचिका दायर की गयी है। रांची नगर निगम के निवर्तमान पार्षद विनोद सिंह, सुनील यादव, अरुण झा एवं अन्य ने इस संबंध में रिट याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि नगर निगम के पार्षदों का कार्यकाल समाप्त हो गया है। पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के पहले ही सरकार को चुनाव कराना चाहिए, म्यूनिसिपल एक्ट की धारा 20 में भी इसका उल्लेख है। नगर निगम का चुनाव नहीं होने से कई काम प्रभावित हो गये हैं। जनता से जुड़े सारे कार्य अधिकारियों के जिम्मे सौंप दिया गया है। सरकार के इस फैसले से लोगों को काफी परेशानी होगी।

मन की बात को लेकर कोकर में विशेष इंतजाम: संजीव विजय वर्गीय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 30 अप्रैल को रेडियो पर प्रसारित होनेवाले मन की बात के 100वें एपिसोड को यादगार बनाने की तैयारी चल रही है। इसके लिए भाजपा ने कमर कस ली है और रूपरेखा तैयार कर ली गयी है। भाजपा नेता संजीव विजयवर्गीय ने 'मन की बात' के प्रसारण को सुनने के लिए विशेष इंतजाम किया है। उन्होंने कहा कि कोकर के 465 नंबर बूथ पर विशेष इंतजाम किये गये हैं। इसमें ज्यादा से ज्यादा लोगों को शामिल करने, इलाके के बुद्धिजीवियों और गणमान्य लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित करने और पार्टी संगठन के साथ समन्वय के साथ कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम में लाभुकों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात से लोग प्रेरित होते हैं।

आरकेडीएफ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने मेधा डेयरी का शैक्षिक भ्रमण किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आरकेडीएफ विश्वविद्यालय रांची के होटल प्रबंधन विभाग ने शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया, जिसमें होटल प्रबंधन विभाग और बायोटेक्नोलॉजी के छात्र-छात्राओं ने मेधा डेयरी रांची का भ्रमण किया।

मेधा डेयरी के उत्पाद को कैसे बाजार में पहुंचाया जाता है और किस प्रकार से तैयार किया जाता है, छात्र-छात्राओं ने इसका बारीकी से अध्ययन किया। मेधा डेयरी के सेल्स और मार्केटिंग हेड अमृतेश कुमार सिन्हा ने बताया कि घर-घर तक दूध पहुंचाने का जिम्मा उठानेवाली मेधा डेयरी की स्थापना 2014 में हुई। शैक्षिक भ्रमण के दौरान दीपक बी सिंह एडमिन एंड एचआर ने बताया कि मिल्क टैंकर से ठंडा दूध फैक्ट्री में लाया जाता है और फिर उसका वजन लिया जाता है। आधुनिक मशीन द्वारा दूध की गुणवत्ता की जांच की जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि पैकेट के दूध में कोई केमिकल नहीं मिलाया जाता है। नुकसानदायक बैक्टीरिया को मार दिया जाता है। पैकेट का दूध केमिकल रहित होता है इस प्रकार दूध को शुद्ध बनाया जाता है। शैक्षिक भ्रमण के दौरान छात्रऔर छात्राओं ने मेधा डेयरी के दूध के अतिरिक्त अन्य उत्पाद जैसे दही, पनीर, लस्सी, आइसक्रीम, गुलाब जामुन इत्यादि कैसे बनाये जाते हैं, इसकी भी जानकारी प्राप्त की। शैक्षिक भ्रमण की टीम का नेतृत्व होटल प्रबंधन विभाग के सहायक प्रोफेसर अलका उरांव ने किया। साथ ही उनके सहयोगी के रूप में सहायक प्रोफेसर शमीक चटर्जी और संजय प्रसाद रहे।

100वें संस्करण को ऐतिहासिक बनायेंगे : सुबोध सिंह गुड्डू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात के 100 वें संस्करण के व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ इसे सफल बनाने के लिए भाजपा के नेता कार्यकर्ता जुट गये हैं। भाजपा प्रदेश मंत्री सह मन की बात कार्यक्रम के संयोजक सुबोध सिंह गुड्डू के जिम्मे रांची के दलादली बूथ मिला है। सुबोध सिंह गुड्डू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात के 100 वें संस्करण को ऐतिहासिक बनाने में सभी कार्यकर्ता तनमन से जुटे हैं। लोगों में प्रधानमंत्री की बातें सुनने की उत्सुकता है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को जिम्मेवारी दे दी गयी है।

घर-घर जाकर निमंत्रण कार्ड दे रहे जितेंद्र कुमार सिंह पटेल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात के 100 वें संस्करण को ऐतिहासिक बनाने में भाजपा के कार्यकर्ता जुट गये हैं। इसी क्रम में भाजपा रांची महानगर के पिछड़ी जाति मोर्चा के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार सिंह पटेल को सुरेंद्रनाथ शक्ति केंद्र बांधगाड़ी दीपाटोली की जिम्मेदारी दी गयी है। श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात के ऐतिहासिक 100 वें संस्करण को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम लोगों में भी काफी उत्सुकता है। उन्होंने कहा कि हम सभी कार्यकर्ता लोगों के घर-घर जाकर निमंत्रण कार्ड दे रहे हैं। रविवार को कार्यक्रम शुरू होने से पहले ढोल नगाड़े बजा कर उत्साह के रूप में कार्यक्रम को सुनेंगे।

कैंब्रियन स्कूल में वार्षिक पत्रिका विजनेक्स्ट का विमोचन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची के कांके रोड स्थित कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को स्कूल की वार्षिक पत्रिका विजनेक्स्ट के दसवें अंक का विमोचन हुआ। साथ ही सत्र 2022-23 के टॉपर्स को पुरस्कृत किया गया।

मौके पर प्राचार्या डॉ नीता पांडेय ने कहा कि स्कूल मैगजीन विद्यालय में बच्चों को दी जा रही शिक्षा, संस्कार और संस्कृति सहित अन्य गतिविधियों का दर्पण है।

विद्यालय की गतिविधियों का दर्पण है स्कूल मैगजीनः डॉ नीता पांडेय

वद्यालय पत्रिका से बच्चों में लेखन प्रतिभा निखरती है। प्राचार्या ने सेक्शन टॉपर्स और सौ फीसदी उपस्थिति वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

पत्रिका का संपादन सिराजुद्दीन पंडित ने किया है। पत्रिका के प्रकाशन में संपादक मंडल सदस्य सह चीफ एक्टिविटी कोऑर्डिनेटर आशा राज, गौतम कुमार नायक, डॉ अभयनाथ मिश्र, मीनू सहाय, विनिता वर्मा, ममता कुमारी और मीनाक्षी शर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

कार्यक्रम का संचालन विनीत कौर ने किया।

डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल, रांची में नेत्र और दंत चिकित्सा शिविर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल, रांची में 'शार्प साइट नेत्र हॉस्पिटल' रांची की ओर से बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए नेत्र और दंत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एसके मिश्रा ने स्वास्थ्य शिविर में भाग ले रहे चिकित्सकों और उनकी टीम का स्वागत करते हुए अभिभावकों से कहा कि आप अपने बच्चों को मोबाइल फोन और टेलीविजन से दूर रखें, क्योंकि इन दोनों की लत से बच्चों की आंखें खराब हो रही हैं और वे चिड़चिड़े भी हो गये हैं।

आप बच्चों को सुबह और रात में ब्रश करने के लिए प्रोत्साहित करें, जिससे उनके दांतों में कीड़े न लग पायें। उन्हें हमेशा संतुलित-पौष्टिक आहार बना कर दें।

शिविर की प्रमुख डॉ मधु ने बच्चों और अभिभावकों को जागरूक करते हुए कहा कि अगर आपको अपने बच्चों को स्वस्थ रखना है, तो उनकी जीवन शैली में बदलाव लायें, उन्हें संतुलित और पौष्टिक आहार प्रचुर मात्रा में दें। सलाद, हरी सब्जियां, दूध,फल और विटामिंस से युक्त भोजन के लाभ बच्चों को जरूर बतायें। उन्होंने फास्ट औरजंक फूड को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताया। इस आयोजन को सफल बनाने में इंचार्ज अनुराधा सिंह, अनुपमा रानी, सुषमा सिन्हा, अमृता कुमारी, राजलक्ष्मी आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

योजनाओं के लिए 30 अप्रैल तक राशि का आवंटन करें विभाग : मुख्य सचिव

रांची। राज्य के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में विभिन्न विभागों की योजनाओं के लिए प्रावधानित बजट राशि का आवंटन बिना विलंब 30 अप्रैल तक जरूरत अनुसार करने का निर्देश दिया है। मुख्य सचिव ने इस संबंध में सभी विभागों के प्रमुख सचिव, प्रधान सचिव सचिव को पत्र लिखा है। मुख्य सचिव ने कहा है कि वर्तमान वित्त वर्ष के ढाई महीने 1 अप्रैल 2023 से 15 जून 2023 मानसून प्रारंभ होने तक की अवधि में विकास की चालू योजना के कार्य करने में तेजी लायी जा सकती है, बशर्ते इसके लिए बिना विलंब राशि आवंटित कर दी जाये।

कोर्ट नोटिस

न्यायालय,
श्रीमान् प्रधान जिला न्यायाधीश, गढ़वा।
उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र सं. 4 / 22
युवराज कुमार वगैरह ..... आवेदक
बनाम्
भारतीय जीवन बीमा निगम .....विपक्षी
आम इस्तेहार

चूँ वजरिये इस आम इस्तेहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि युवराज कुमार वगैरह पिता - स्व. अनील साव ग्राम- गोन्दा, पो. व थाना- मेराल, जिला - गढ़वा के द्वारा मेरे न्यायालय में उतराधिकार प्रमाण पत्र जारी करने हेतु एक उतराधिकारी प्रमाण पत्र वाद सं. 4 / 2022 भारतीय उतराधिकार अधिनियम 1925 की धारा 372 के अंतर्गत अपने पिता स्व. अनील साव पिता स्व. सुरेश साव ग्राम- खरौंधी, थाना- खरौंधी, जिला- गढ़वा के भारतीय जीवन बीमा निगम के अंतर्गत जमा बीमा धन के संबंध में दाखिल किया गया है जिसमें दिनांक 20.05.2023 को सुनवाई हेतु लंबित है।

अतः इस आम इस्तेहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि इस वाद में किसी भी व्यक्ति को कोई भी आपत्ति हो तो अपने जवाब अथवा अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 20.05.2023 को समय 7.30 बजे उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें, अन्यथा समझा जायेगा कि आपको उक्त वाद में कोई आपत्ति नहीं है तथा उक्त वाद में सुनवाई के पश्चात न्यायोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

इसे सख्त ताकिद समझे
आज दिनांक 20/ 04/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं मोहर से निर्गत।

प्रधान जिला न्यायाधीश
गढ़वा

भाषा-संस्कृति को खतरे में डालने में उपनिवेशवाद की बड़ी भूमिका: डॉ बनानी चटर्जी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गोस्सनर कॉलेज के अंग्रेजी विभाग की ओर से शुक्रवार को एकल व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का विषय था 'पोस्ट कोलोनियल लिटरेचर '(उत्तर उपनिवेशवादी साहित्य का अध्ययन)। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थीं रांची विश्वविद्यालय रांची की स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर सह पूर्व मानविकी संकायाध्यक्ष डॉ बनानी चटर्जी। अपने उद्बोधन में डॉ चटर्जी ने कहा कि उत्तर उपनिवेशवादी अध्ययन ज्ञान की वह शाखा है, जिसमें उपनिवेशवाद के दुष्प्रभाव से उत्पन्न हुए सांस्कृतिक और सामाजिक प्रभावों को समझा जाता है। विभिन्न देशों में इसकी उत्पत्ति और विकास का काल /समय अलग -अलग है। आगे उन्होंने कहा कि उत्तर उपनिवेशवाद की जड़ें काफी गहरी हैं। भले ही हम भगौलिक और राजनैतिक स्तर पर स्वतंत्र हो गये हैं, लेकिन मानसिक स्तर पर हम आज भी गुलाम हैं। अंग्रेजी माध्यम के शिक्षण -संस्थानों में बच्चों को पढ़ाना और गौरव की अनुभूति करना इसी गुलामी मानसिकता के संकेत हैं ।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तर सत्र भी रखा गया था, जिसमें स्नातक और स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों ने कई प्रश्न किये। कार्यक्रम का विषय - प्रवेश अंग्रेजी विभागध्यक्ष डॉ ईवा मार्ग्रेट हांसदा ने किया। कार्यक्रम का संचालन और आगत अतिथि का स्वागत अंग्रेजी विभाग की सहायक प्रोफेसर अदिति लिया टोपनो ने की। वहीं धन्यवाद ज्ञापन डॉ निधि सिंह ने किया। मौके पर विभागध्यक्ष डॉ इवा मार्ग्रेट हांसदा, डॉ निधि सिंह, डॉ सुब्रतो कुमार सिन्हा, डॉ सुषमा केरकेट्टा, प्रो अदिति टोप्पो, प्रो आरोही प्रीति सोरेंग सहित स्नातक और स्नातकोत्तर के सैकड़ों विद्यार्थी मौजूद थे।

पूर्व तट रेलवे
जून-2023 के लिए डिपो एवं मुख्यालय हेतु ई-नीलामी कार्यक्रम

ई-नीलामी की अनुसूची

महीना	मुख्यालय/मण्डल	तिथि
जून-2023	डिपो मन्चेश्वर	01.06.23, 08.06.23, 15.06.23 एवं 22.06.23
	खोरधा रोड मण्डल	02.06.23, 09.06.23, 16.06.23 एवं 23.06.23
	वाल्टियर मण्डल	05.06.23, 12.06.23, 19.06.23 एवं 26.06.23
	सम्बलपुर मण्डल	06.06.23, 13.06.23, 21.06.23 एवं 29.06.23

'जैसा है,जहाँ है' के आधार पर सम्बलपुर, खोरधा रोड एवं वाल्टियर मण्डल के कण्डेम्ण्ड रोलिंग स्टॉक्स (लोको, कोच, वैगन), स्क्रैप रेल, विविध P.Way फिटिंग्स (स्विच, क्रॉसिंग, फिश प्लेट, स्लीपर, फिश बोल्ट इत्यादि), विविध वार्कशॉप स्क्रैप(ड्रम, बोगी फ्रेम, वफर केसिंग, बफर प्लंजर, टर्निंग एवं बोरिंग इत्यादि), विविध फेरस, नॉन-फेरस, नॉन-मेटलिक स्क्रैप, कण्डेम्ण्ड मशीनरी एवं प्लांट्स, कण्डेम्ण्ड वेइकल्स, कण्डेम्ण्ड ऑफिस इक्विपमेन्ट्स एवं रेलवे विद्युतीकरण के स्क्रैप सामग्री इत्यादि प्रस्तावित है। रेलवे प्रशासन इस नीलामी में अन्य सामग्रियों को भी शामिल करने का अधिकार सुरक्षित रखता है तथा सामग्रियों का संपूर्ण विवरण तथा नियम एवं शर्तें नीलामी कैटलॉग के आधार पर होगी, जो पूर्व तट रेलवे के संबंधित नीलामी परिचालन प्राधिकारी के कार्यालय से अथवा नीलामी की तारीख के 07(सात) दिन पूर्व हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध होगा।

PR-97/O/23-24
प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, भुवनेश्वर

नक्सलियों का हमला हताशा

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में नक्सली हमला ऐसे समय में हुआ, जब केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर यह दावा किया जाने लगा था कि राज्य में माओवादियों के प्रभाव में भारी कमी आई है। इस लिहाज से हमला नक्सलियों की ओर से यह बताने की हताशा भरी कोशिश हो सकती है कि वे अभी खत्म नहीं हुए हैं और बड़े हमलों को अंजाम दे सकते हैं। हालांकि पिछले कुछ समय के रेकॉर्ड को देखें तो इसमें दो राय नहीं कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में नक्सलियों का असर कम हुआ है। न केवल उनके कई नेता पुलिस के हत्थे चढ़े हैं, बल्कि उनकी गतिविधियों का दायरा भी सीमित हुआ है। बावजूद इसके, माओवादियों की ओर से किया गया यह हमला उस परसेप्शन पर सवाल खड़ा करने में कुछ हद तक सफल जरूर हुआ है, जो पिछले कुछ समय की स्थितियों से बनता जा रहा था। इसलिए यह और जरूरी हो जाता है कि इस हमले से जुड़े तमाम पहलुओं पर गंभीरता से विचार करते हुए यह देखा जाए कि कौन-कौन से बिंदु ऐसे हैं, जहां चूक की गुंजाइश रह गयी थी। शुरुआती सूचनाओं में ऐसे कई बिंदु उभरते नजर आते हैं। स्टैंडर्ड ऑपरेशन प्रसीजर (एसओपी) के उल्लंघन से लेकर ह्यूमन इंटेलिजेंस की नाकामी तक ऐसे तमाम पहलुओं की ठीक से जांच होनी चाहिए ताकि आगे के लिए सही सबक लिए जा सकें। इसी बिंदु पर पॉजिटिव पहलुओं को भी रेखांकित किए जाने की जरूरत है। हमले में एक वाहन के उड़ाये जाने के बाद घायल साथी जवानों को जल्द से जल्द चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने की चिंता के बीच भी अन्य जवानों ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए नक्सलियों पर गोलीबारी शुरू कर दी और उन्हें जान बचाकर भागने को मजबूर कर दिया। यह दिखाता है कि जवानों ने कितनी मुस्तैदी दिखायी और उनका मनोबल कितना मजबूत था। इन तात्कालिक पहलुओं के साथ ही एक दीर्घकालिक मसला यह भी है कि समाज में माओवाद को लेकर किस तरह का नजरिया बन रहा है। इस बारे में हालांकि बातें होती रहती हैं, लेकिन दोहराव का खतरा उठाते हुए भी यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि हिंसा या बंदूक के लिए लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं होता। बंदूक जहां कहीं भी हो, वह सबसे पहले संवाद की संभावना खत्म करती है। लेकिन इसके साथ ही यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि बंदूक के हटते ही बातचीत की राह खुल जाती है। यह लोकतंत्र के हक में है कि हिंसा के दायरे से बाहर समाज के हर तबके से संवाद न केवल संभव हो, बल्कि हर मुमकिन तरीके से इसे रेखांकित भी किया जाता रहे।

बंदूक जहां कहीं भी हो, वह सबसे पहले संवाद की संभावना खत्म करती है। लेकिन इसके साथ ही यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि बंदूक के हटते ही बातचीत की राह खुल जाती है।

अभिमत
आजाद सिपाही

हमारे यहां 'विवाह' संस्था को पवित्र माना जाता है। इसे एक पुरुष और एक महिला के बीच पवित्र बंधन के रूप में देखा जाता है। जो भी इस मानदंड से विचलित होता है उसे अप्राकृतिक, अधार्मिक या राक्षसी के रूप में देखा जाता है। इसलिए भारत का अधिकांश समुदाय समलैंगिक विवाह की अवधारणा से न केवल घृणा करता है, बल्कि इसका तिरस्कार भी करता है। विवाह की अवधारणा विपरीत लिंग के किन्हीं दो व्यक्तियों के मिलन की सामाजिक और कानूनी मान्यता से कहीं अधिक है।

समलिंगी विवाह से बिगड़ सकता है भारतीय समाज का ताना-बाना

सुखदेव वशिष्ठ

समलैंगिक विवाह को लेकर जल्द ही सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आने वाला है, जिसमें समलैंगिक विवाह की अनुमति दी जा सकती है।इस का समाज मे व्यापक प्रभाव हुआ है।सामाजिक, धार्मिक संगठनो द्वारा जगह-जगह प्रदर्शन किये जा रहे हैं।इतनी ही नहीं राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट के नाम ज्ञापन भेजे जा रहे हैं। सांस्कृतिक दृष्टिकोणः भारतीय संस्कृति में धार्मिक, आध्यात्मिक और नैतिक मान्यताएं गहराई से निहित हैं।

हमारे यहां 'विवाह' संस्था को पवित्र माना जाता है। इसे एक पुरुष और एक महिला के बीच पवित्र बंधन के रूप में देखा जाता है। जो भी इस मानदंड से विचलित होता है उसे अप्राकृतिक, अधार्मिक या राक्षसी के रूप में देखा जाता है। इसलिए भारत का अधिकांश समुदाय समलैंगिक विवाह की अवधारणा से न केवल घृणा करता है, बल्कि इसका तिरस्कार भी करता है। विवाह की अवधारणा विपरीत लिंग के किन्हीं दो व्यक्तियों के मिलन की सामाजिक और कानूनी मान्यता से कहीं अधिक है। समाज विवाह को परिभाषित करता है और कानून उसे केवल मान्यता देता है। विवाह कानून द्वारा रचित एक सामाजिक संस्थान नहीं है बल्कि यह एक सदियों पुरानी संस्था है जिसे समाज ने समय के साथ परिभाषित और विकसित किया है। परंपरागत रूप से भारत में विवाह मात्र किसी स्त्री और पुरुष का संयोजन नहीं बल्कि यह एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मिलन है, जिसका अन्य धार्मिक और सामाजिक उद्देश्यों के साथ एक प्रमुख उद्देश्य संतानोत्पत्ति है। एक ऐसी प्राचीन व्यवस्था को सिर्फ शारीरिक सुख के रूप में दो व्यक्तियों की इच्छा की अभिव्यक्ति नहीं माना जा सकता। यह न केवल स्थापित मूल्यों, अपितु विवाह के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक लक्ष्यों की प्राप्ति के उद्देश्य के भी विपरीत है। विवाह के विशाल आध्यात्मिक स्वरूप को सिर्फ शारीरिक सुख के लिए किसी व्यक्ति के चुनाव के अधिकार के नाम पर पूरे समाज पर नहीं थोपा जा सकता है। शास्त्रीय हिंदू कानून में विवाह को एक आवश्यक संस्कार माना गया है। पवित्र वेद कहता है, की मनुष्य को अपनी पत्नी और संतान के साथ मिल कर धर्म का पालन करना चाहिए। यहां तक कि जो लोग विवाह को एक नागरिक अनुबंध के रूप में देखते हैं, वे भी इसे एक पवित्र संस्था मानते हैं ।

विवाह एक विशेषाधिकार है, जो प्रकृति के नियमों के अनुसार एक परिवार के निर्माण और संरक्षण का अधिकार देता है।

एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव के द्वारा चुनी गयी सरकार लोगों की इच्छाओं को व्यक्त करती है। विधानमंडल के माध्यम से व्यक्त की गयी जन अभिव्यक्ति से विवाह जैसी संस्था में कोई भी संशोधन प्रभावी होना चाहिए। हालांकि हमारा संविधान कानूनो की न्यायिक समीक्षा का अधिकार उच्चतम न्यायालय को देता है, लेकिन ऐसी समीक्षा शक्ति का प्रयोग विधाई शक्ति के अतिक्रमण के रूप में नहीं होना चाहिए। यह बात पर्सनल विधियों या विवाह जैसी संस्थानों के विषय में अधिक प्रासंगिक है, क्योंकि इसके द्वारा समाज, परिवार और राष्ट्र का निर्माण होता है। पांच न्यायाधीशों द्वारा राष्ट्र की इस मूल व्यवस्था में किसी भी प्रकार का एकतरफा परिवर्तन ना केवल लोकतांत्रिक मूल्यों बल्कि संवैधानिक शक्तियों के पृथक्करण की मूल भावना के सिद्धांत के भी विपरीत है।स्त्री और पुरुष के मध्य विवाह, एक संस्था के रूप मैं सदियों से समय द्वारा सफलतापूर्वक परीक्षित है और राष्ट्र की सूक्ष्मतम इकाई परिवार का एक मूल आधार है। इस स्थापित पारिवारिक व्यवस्था में बिना सोचे समझे और इसके विविध पहलुओं पर गंभीर चिंतन किये बिना यदि न्यायालय द्वारा सिर्फ इस कारण से की पिछले कुछ वर्षों से यह कुछ देशों में मान्य है, भारत पर जबरन आरोपित करने का प्रयास किया जाता है या विवाह की परिभाषा को एक तरफा तरीके से किसी भी प्रकार परिवर्तित करने का प्रयास किया जाता है, तो यह समाज, परिवार और राष्ट्र के लिए दीर्घकाल में अत्यंत नुकसानदेह साबित होगा।

सामाजिक दृष्टिकोणः भारत में समलैंगिक विवाह के मुद्दे को सामाजिक दृष्टिकोण से भी नकारात्मक रूप से देखा जाता है। समाज की संरचना में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका और जिम्मेदारी होती है। उसे समाज में व्यवस्था और संतुलन बनाये रखने के लिए पूरा करना होता है। भारतीय समाज में हमेशा एक प्रदाता, रक्षक और नेतृत्वकर्ता के रूप में पुरुषों और महिलाओं को महत्व दिया गया है। पुरुष और महिलाएं एक-दूसरे के सहायक की भूमिका में परिवार का पालन-पोषण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हैं। समलैंगिक विवाह की स्वीकृति पीढ़ियों से स्थापित सामाजिक संतुलन को बाधित करेगी। अराजकता और भ्रम का वातावरण बनेगा। स्वीकृत भूमिकाओं और सामाजिक पदानुक्रम खंडित होगा । इससे सामाजिक एकता टूटेगी और सामाजिक संरचना कमजोर होगी। अनैतिकता को बढ़ावा मिलेगा। विवाह, तलाक, भरण पोषण, उत्तराधिकार, गोद लेने का अधिकार तथा परिवार से संबंधित अनेक अन्य विषय पूर्ण रूप धार्मिक ग्रंथों और परंपरागत रूप से अपनाये गये सामाजिक नियमों द्वारा निर्धारित किये जाते हैं।

समान लिंग विवाह की अवधारणा विनाशकारी है, जिसका की मुख्य रूप से युवाओं और बच्चों की नैतिकता, चरित्र, मानसिकता और स्वास्थ्य पर अत्यंत प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। हिंदू विधि के अनुसार विवाह के तीन पवित्र पहलू है। पहला यह स्त्री और पुरुष का पवित्र मिलन है जो दशार्ता है की विवाह मुख्य रूप से किसी की शारीरिक आवश्यकताओं को पूरा करने का साधन मात्र होने के बजाय बजाये धार्मिक और आध्यात्मिक कर्तव्यों के निर्वहन और प्रदर्शन के लिए है। दूसरा एक बार विवाह संपन्न हो जाने के बाद किसी भी कारण से इसे भंग नहीं किया जा सकता और तीसरा यह आत्मा, शरीर और मन के एकीकरण का निरूपण है। यह ऐसा संबंध है, जिसमें भविष्य में अनेक जन्मों तक साथ रहने की अवधारणा की जाती है। हिंदू विवाह के लिए विशिष्ट शास्त्र-सम्मत संस्कारों के प्रदर्शन की आवश्यकता होती है जो कि गृहसूत्र में विस्तार से वर्णित है। हिंदू विधि में पति या पत्नी में से किसी भी एक की अनुपस्थिति में अनेक धार्मिक अनुष्ठानों और संस्कारों को संपन्न नहीं किया जा सकता है। यह इस पवित्र रिश्ते की महानता और उपयोगिता की स्वीकार्यता को दर्शाता है। समाज में विवाह एक परिवार की नीव का आधार है। योन व्यवहारों के विनियमन से लेकर के प्रजनन, पालन पोषण, बच्चों की सुरक्षा, सामाजिकरण और नस्ल संरक्षण विवाह के कुछ मूल उद्देश्य हैं। समान- लिंग व्यवहार की अवधारणा से इन लक्ष्यों को प्राप्त नहीं किया जा सकता। अतः समलैंगिक व्यवहार को विवाह के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

कानूनी परेशानी विवाह मूल रूप से दो लोगों के बीच कानून द्वारा मान्यता प्राप्त संबंध है, जो या तो असंहिता के रूप में या तथागत कानून द्वारा नियंत्रित होता है। कोई भी असंहिता बंध व्यक्तिगत कानून या कोई संहिता बंध वैधानिक कानून एक ही लिंग के दो लोगों के बीच विवाह की संस्था को ना तो मान्यता देता है और ना ही स्वीकार करता है। यह याद रखना चाहिए की स्वीकृति प्रदान करना और अधिकारों, विशेषअधिकारों और मानवीय संबंधों को मान्यता प्रदान करना, जिसके कानूनी परिणाम होते हैं अनिवार्य रूप से समाज और विधायिका का कार्य है। यह कभी भी न्यायिक निर्णय का विषय नहीं हो सकता है। एक कानूनी संस्था के रूप में विपरीत लिंग के बीच विवाह भारत की कानूनी व्यवस्था के केंद्र में रहा है। हमारे पास विरासत और उत्तराधिकार से संबंधित विभिन्न अधिकारों के साथ संबंधित कानूनी प्रावधानो के साथ विपरीत लिंग के बीच विवाह सुनिश्चित करने वाले कई वैधानिक प्रावधान है, इसलिए विपरीत लिंगों के बीच विवाह की अवधारणा ही विवाह की अवधारणा की मूल विशेषता है, जिससे कि अन्य संबंध अधिकारों का भी जन्म हो।

दो समान लिंग के व्यक्ति साथ रहते हैं और उन्हें कभी भविष्य में संतान प्राप्ति की इच्छा हुई तो क्या होगा? खुद उनके द्वारा तो यह संभव नहीं। ऐसे में उन्हें या तो गोद लेना होगा या किसी अन्य की सहायता पर निर्भर रहना होगा। लेकिन इससे भी जटिल पक्ष है उस संतान का पालन - पोषण। उसे माता एवं पिता दोनों का स्नेह तो एक साथ मिल नहीं सकता । विज्ञान भी इस बात को मानता है कि शिशु के सम्यक विकास के लिये मां एवं पिता दोनों की आवश्यकता होती है।

यद्यपि आधुनिक समय के समाज में एक वयस्क को को अपने यौन साथी को चुनने का अधिकार है, जैसा कि भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नवतेज सिंह जौहर बनाम भारत संघ के मामले में मान्यता देकर निर्धारित किया गया, परंतु यह स्वचालित रूप से व्यक्तियों को इस बात के लिए सक्षम नहीं बनाता कि वह अपनी मान्यताओं और प्राथमिकताओं को समाज पर थोपे और समाज उन्हें स्वीकार करने के लिए मजबूर हो। दूसरे शब्दों में समाज को कुछ व्यक्तियों की प्राथमिकताओं को पहचानने के लिए तब तक मजबूर नहीं किया जा सकता जब तक कि समाज स्वयं इस तरीके के रिश्तो को मान्यता देने के लिए तैयार ना हो। विवाह एक विशेषाधिकार है, जो प्रकृति के नियमों के अनुसार एक परिवार के निर्माण और संरक्षण का अधिकार देता है। यह तर्क की समलैंगिक विवाह कथित रूप से विशेष विवाह अधिनियम 1954 तक सीमित होगा भी अस्वीकार्य है, क्योंकि समय बीतने के साथ हिंदू विवाह अधिनियम और अन्य धर्मों की विवाह संबंधी कानून क्षेत्र में इसका प्रवेश होना अवश्यंभावी है। यह हमें सामाजिक अराजकता की ओर ले जायेगा। यह समूह भविष्य में अपनी यौन अल्पसंख्यक स्थिति का हवाला देते नये नये अधिकारों की बात करेगा और अनेक समस्याएं पैदा करेगा। तब स्थिति समाज और न्यायालयों के लिए कहीं अधिक जटिल होगी और समाज में गैर जरूरी संघर्ष ही पैदा करेगी।

जमशेदपुर की खबरें

बेरमो विधायक कुमार जयमंगल बने इंटक के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

इंटक के राष्ट्रीय कमेटी का लिस्ट जारी, आतिशबाजी और लड्डू वितरण कर मनाया गया खुशी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संजीवा रेड्डी के निर्देश पर इंटक के राष्ट्रीय कमिटी का गठन किया गया। शुक्रवार शाम लिस्ट जारी होते ही प्रदेश इंटक के सचिव शैलेश पांडेय के नेतृत्व में कार्यकर्ताओ ने जमकर जश्न मनाया। लौहनगरी जमशेदपुर के बिस्टुपुर गोलचक्कर के पास मजदूर नेताओं ने जमकर आतिशबाजी की।

मौके पर सड़क से गुजरने वाले लोगों के बीच लड्डू का वितरण कर खुशियां मनाई। राष्ट्रीय कमिटी में झारखंड के बेरमो विधायक सह राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के अध्यक्ष कुमार जयमंगल को उपाध्यक्ष का दायित्व मिलने पर नेताओ ने सराहना की।

वहीं टाटा वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष संजीव चौधरी को वरिय सचिव,झारखंड इंटक के कायार्वाहक अध्यक्ष राकेशवर पांडेय को वरिय सचिव, रघुनाथ पांडेय, आर रवि प्रसाद एवं विजय खां को सचिव, देविका सिंह व सतीश कुमार सिंह को कमेटी मे संगठन सचिव मनोनीत किया गया।

शैलेश पांडेय ने कहा डॉ संजीवा रेड्डी ने युवाओं को संगठन के उच्चतम पद पर मनोनीत कर भविष्य का संकेत दिया है। डॉ रेड्डी हमेशा युवाओं को आगे बढाने का काम करते हैं। उन्होंने बेरमो विधायक कुमार जयमंगल को फोन लगाकर कार्यकरताओं से बातचीत कराई। कार्यकरताओं ने भी उन्हें शुभकामनाएं प्रेसित की। इस अवसर पर सैकड़ों यूनियन नेता व कार्यकर्ता शामिल रहे।

वनराज स्टील में हुई दुर्घटना में इलेक्ट्रिशियन की मौत, मुआवजा को लेकर मजदूरों ने किया गेट जाम

चांडिल (आजाद सिपाही)। सरायकेला खरसावां जिले के चांडिल अनुमंडल अंतर्गत हुमिद स्थित वनराज स्टील व पूर्व में बिहार स्पंज आयरन कंपनी में कार्य के दौरान करंट लगने से इलेक्ट्रिशियन लकीराम माडी? की मौत हो गई। शुक्रवार को मुआवजा व 4 सूत्री मांगों को लेकर मजदूरों ने कंपनी गेट जाम कर दिया। मौके पर मजदूरों के समर्थन में ईचागढ़ के विधायक सविता महतो, मुख्यमंत्री के मामा गुरुचरण किस्कू, झामुमो नेता सुखराम हेंब्रम मौजुत रहे। इस अवसर पर विधायक सहित झामुमो नेताओं ने मजदूरों की मांगों को जायज बताया। उन्होंने कंपनी प्रबंधन को तत्काल निर्णय लेने की बात कही। खबर लिखे जाने तक प्रबंधन और मजदूरों के बीच वार्ता जारी है। वही धरना प्रदर्शन के दौरान कंपनी के दो दर्जन से ज्यादा मौजूद शामिल रहे।

ऑटो पलटने से पांच घयाल

आदित्यपुर (आजाद सिपाही)। टाटा- कांड्रा मार्ग पर अनियंत्रित ऑटो पलटने से ऑटो पर सवार महिला सहित पांच यात्री बुरी तरह से घायल हो गए। वही ड्यूटी जा रहा एक साईकिल सवार भी घायल होगया। शुक्रवार को सड़क दुर्घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगो ने एंबुलेंस की सहायता से सभी घयाल को एमजीएम अस्पताल भेजा। जहां सभी का इलाज चल रही है। बताया जा रहा है टाटा कांड्रा मुख्य मार्ग आर आईटी मोड़ के समीप एक बड़ा गड्ढा है। ऑटो चालक वाहन चलाते समय उस गड्ढे को देख नहीं पाया।अचानक गड्ढे में चक्का पड़ने से ऑटो दुर्घटना ग्रस्त हो गयी।

पटमदा में 30 अप्रैल को पीएम मन की बात कार्यक्रम में शामिल होंगे सांसद

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। आगामी 30 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 100 वें संस्करण में सांसद विद्युत वरण महतो ने पटमदा के माहुलबना ग्राम के बूथ संख्या 138 में ग्रामीणों के संग सुनने की सहमति जताई। इसके विस्तृत तैयारी को लेकर क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में लोग शिरकत करेंगे। मन की बात कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सांसद प्रतिनिधि संजीव कुमार व पटमदा मंडल अध्यक्ष मंटू चरण दत्ता के नेतृत में कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया गया। मौके पर ग्रामीणों को बीच पोस्टर का वितरण किया गया। इस अवसर पर किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष मुचिराम बाउरी,पटमदा प्रखंड के सांसद प्रतिनिधि महावीर महतो, किसान मोर्चा के जिला महामंत्री दीपू शर्मा, भीम महतो सहित मोहलबना ग्राम के बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

झामुमो जिला समिति की बैठक में शामिल हुए मंत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। सरायकेला खरसावां जिले में चुनाव की तैयारी को लेकर झामुमो जिला समिति ने पहल शुरू कर दी। शुक्रवार को आदित्यपुर स्थित ऑटो क्लस्टर सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। मौके पर स्थानीय विधायक सह मंत्री चंपई सोरेन शामिल हुए। मंत्री ने जिले के सभी 9 प्रखंड व 3 शहरी निकायों के कार्यकर्ताओ के साथ बैठक कर कई अहम जानकारी दी। इस अवसर पर मंत्री ने कहा सरायकेला जिले में इस वर्ष झारखंड मुक्ति मोर्चा 70 हजार नए सदस्य बनाएगी। जिला कार्यसमिति की बैठक में सभी झामुमो नेता व कार्यकताओं को निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा एक मई से जिले में सदस्यता अभियान की शुरूआत होगी। प्रत्येक प्रखंड से 5-5 हजार व तीनों निकायों से 25 हजार नए सदस्य बनाए जाएंगे। वर्ष 2024 में लोकसभा और विधानसभा का चुनाव के लिए झामुमो अभी से सांगठनिक ढांचे को मजबूत करेगी। मंत्री श्री सोरेन ने कहा वैसे अभी केंद्रीय कमेटी का कोई निर्देश प्राप्त नहीं है। लेकिन प्रत्येक जिले में झामुमो अपने सांगठनिक ढांचे को मजबूत करेगी। राज्य में 34 शहरी निकायों के कार्यकाल समाप्त होने व पुनर्गठन के सवाल पर मंत्री ने कहा जल्द ही शहरी निकायों को पुनर्गठित किया जाएगा।

झामुमो के कार्यकाल में मिलेगा आंदोलनकारियों को सम्मान : बैठक में मंत्री ने कहा हेमंत सरकार के कार्यकाल में ही आंदोलनकारियों को उचित सम्मान मिलेगा। जिसकी तैयारी सरकार कर रही है। बैठक का संचालन जिलाध्यक्ष शुभेंदु महतो ने किया। बैठक में जिला कमेटी सहित सभी पंचायत, प्रखंड व शहरी निकायों के अध्यक्ष व केंद्रीय कार्यसमिति के सदस्य मौजूद रहे।

गृहरक्षक 15 मई को सीएम आवास का घेराव करेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड राज्य के गृह रक्षक 15 मई को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। सरकार के द्वारा चुनाव के पूर्व किये गए वादे के बाद भी राज्य के रक्षकों को खाली हाथ रहना पड़ा। वही न्यायालय के आदेश के बावजूद भी राज्य के जवान को समान काम - समान वेतन का अवसर प्राप्त नहीं हुआ। जबकि अन्य प्रदेशों में लागू हो चुकी है। इस राज्य के लिए यह बहुत ही चिंतनीय विषय है। वहीं पड़ोसी रही बिहार में समान काम का समान वेतन के साथ-साथ राज्य के गृहरक्षक रिटायरमेंट हो जाते हैं उन्हें डेढ़ लाख रुपए तक राशि दी जाती है। 12 माह रोजगार प्राप्त है। भारत का सबसे धनी राज्य झारखंड सबसे गरीब अवस्था में जी रहा है। राज्य के जवानों में काफी आक्रोश है। 15 मई को झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रवि मुखर्जी के नेतृत्व में विशाल रैली निकाली जायेगी।

महत्वपूर्ण न्यूज

भाजपाइयों ने लोगों को दिया पीएम की मन की बात का 100वां एपिसोड कार्यक्रम का निमंत्रण

गढ़वा (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 30अप्रैल 2023 दिन रविवार सुबह 11:00 बजे से मन की बात कार्यक्रम का 100वां एपिसोड होगा। उक्त कार्यक्रम को लेकर भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर हर तीन बूथ मिलाकर एक कार्यक्रम करने का आदेश मिला है और 100वां एपिसोड को लेकर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष उमेश कश्यप के नेतृत्व में हम सभी भाजपा कार्यकर्ताओं के अंदर उत्साह है कि हर बूथ पर आयोजित कार्यक्रम में कम से कम 100 लोगों की उपस्थिति हो। लोग उनकी मन की बात को सुनकर लाभ उठाएं। इसी कार्यक्रम के तहत गढ़वा नगर मंडल कार्यक्रम के प्रभारी अलख पांडे के साथ मंडल अध्यक्ष उमेश कश्यप, नगर परिषद सांसद प्रतिनिधि चंदन जयसवाल, संतोष कुमार, गौतम कुमार एवं अन्य कार्यकर्ताओं के साथ सोनपुरवा निमिया स्थान पहुंचकर आम जनता को कार्यक्रम में उपस्थित होने का निमंत्रण दिया एवं टंडवा, नगवा, सहिजना, ऊंचरी वार्ड नंबर 1, बिंद टोला वार्ड नंबर 3, दीपुवा भाजपा जिला कार्यालय रांकी मोहल्ला, मुख्य बाजार शनि मंदिर के पास और अन्य प्रमुख जगहों पर करने की योजना है। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष उमेश कश्यप ने सभी से आग्रह किया कि आप सभी भाजपा कार्यकर्ता समर्थक एवं आम जनता उक्त कार्यक्रम में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

रंका प्रखंड प्रमुख ने दिव्यांग महिला को व्हील चेयर किया प्रदान

रंका (आजाद सिपाही)। रंका प्रखंड प्रमुख हेमंत लकड़ा ने प्रखंड के करी गांव निवासी दिव्यांग फूलपती देवी सिंह पति मनोज सिंह को व्हील चेयर प्रदान किया। इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख हेमंत लकड़ा, कटरा पंचायत की मुखिया अनिमा देवी सिंह, दुधवल पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि अशोक लोहरा, झामुमो के राजकिशोर रवि, संतोष कुमार रवि, पवन यादव एवं बाल विकास परियोजना समिति की पर्यवेक्षिका उपस्थित थी।

धुरकी में स्कॉर्पियो दुर्घटनाग्रस्त होकर गड्ढे में गिरी, दस सवार हुए घायल

धुरकी (आजाद सिपाही)। धुरकी थाना क्षेत्र के सगमा प्रखंड अंतर्गत कटहर पंचायत के सारदा गांव स्थित धुरकी नगरउंटारी निर्माणाधीन मुख्य पथ में शुक्रवार को धुरकी से नगरउंटारी की ओर जा रही एक स्कॉर्पियो दुर्घटनाग्रस्त होकर गड्ढे में गिरा. स्कॉर्पियो को गड्ढे में गिरने के बाद उसमें बैठे सभी दस लोगों को चोट लगी और सभी घायल हो गए। वहीं इधर थाना प्रभारी सदानंद कुमार को जानकारी मिलने के बाद वह सदलबल दुर्घटनास्थल पर पहुंचकर स्कॉर्पियों में बैठे और घायल हुए सभी लोगों को प्राथमिक उपचार के लिए मदद करते हुए अस्पताल में भेजा। थाना प्रभारी ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो में सवार सभी टाटीदीरी से नगरउंटारी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान निर्माणाधीन पथ में स्कॉर्पियो का चालक अनियंत्रित हो गया और स्कॉर्पियो दुर्घटनाग्रस्त होकर सड़क के नीचे गड्ढे में पलट गयी। थाना प्रभारी ने बताया कि स्कॉर्पिया में बैठे सभी लोग चोटिल हुए हैं। सबको प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा जा रहा है।

नेटवर्किंग कंपनी के पूर्व टीम लीडर ने जमा पैसा वापस मांगने पर सदस्यों पर लगाया मारपीट का आरोप

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। खरौंधी मोड़ के समीप एक मकान में सेफ शॉप नेटवर्किंग कंपनी की बैठक के दौरान नेटवर्किंग कंपनी के पूर्व टीम लीडर आजाद मंसूरी के साथ मारपीट की घटना घटी। बवाल बढ़ता देख सूचना पर पुलिस बल के साथ पहुंचे थाना के एसआई सहदेव कुमार साह व आरपी इंदवार ने दोनों पक्षों को थाना लाया। जहां दोनों पक्षों में बातचीत का दौर जारी था। घटना को लेकर नेटवर्किंग कंपनी सेफ शॉप के पुराने टीम लीडर आजाद मंसूरी ने बताया कि दो वर्ष पूर्व मैं इस नेटवर्किंग कम्पनी से जुड़ा था। लोगों को जोड़ने के लिए करीब आधा दर्जन से अधिक महिलाओं को प्रेरित किया एवं उस समय सभी महिलाओं ने कंपनी के प्रोडक्ट खरीद कर कंपनी का सदस्य बनने हेतु कुल 24600 रुपए कंपनी के वर्तमान हेड लीडर पवन कुमार को दिया था। किसी करणवश उक्त सभी महिलाओं ने नेटवर्किंग कंपनी में जुड़ने से इंकार करते हुए अपना पैसा वापस करने की मांग करने लगी। जब मैं आज शुक्रवार को कंपनी द्वारा आयोजित बैठक में पहुंचा और पवन कुमार से पैसे की मांग की तो उन्होंने पैसा वापस करने से इंकार करते हुए बैठक में उपस्थित महिलाओं के साथ मिलकर मेरे साथ मारपीट की घटना का अंजाम दिया। जबकि महिलाओं ने कहा कि आजाद मंसूरी ने ही पूर्व में हमारे घर आकर हम सभी को नेटवर्क से जुड़ फायदा कमाने की बात कह कंपनी से जोड़ा था। आज वे ही इसे गलत बता कर बवाल खड़ा कर रहे हैं। उपस्थित महिलाओं ने कंपनी के हेड लीडर पवन कुमार एवं रविन्द्र विश्वकर्मा के साथ मारपीट की घटना से इनकार किया है। पवन कुमार ने बताया कि आजाद मंजूरी ने जो पैसा जमा किया है उसमें पूरी टीम की मेहनत लगी है। हम सभी उक्त लोगों के घर विजिट कर समझाएंगे यदि वे नहीं माने तो पैसा वापस कर दिया जाएगा।

बैठक : उपायुक्त ने की राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों की समीक्षा, कहा

किसी भी आवेदन को बिना किसी कारण लंबित नही रखें अधिकारी

30 दिनों के अंदर दाखिल खारिज के मामले का अनिवार्य रूप से निष्पादन के दिये निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। उपायुक्त शेखर जमुआर की अध्यक्षता में राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में मुख्य रूप से दाखिल खारिज, राजस्व संग्रहण, भूमि सीमांकन, सर्टिफिकेट, पीजीएमएस (सप्लाई), कृषि गणना, मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना, कनहर बराज एनओसी, कनहर पाईप लाइन, कनहर सिंचाई योजना हेतु लैंड ट्रांसफर रिपोर्ट समेत अन्य कार्यों की समीक्षा की गयी। उपायुक्त ने गहन समीक्षा करते हुए एक-एक कर विभिन्न अंचलों में किए जा रहे कार्यों एवं भेजी गयी रिपोर्ट को लेकर समीक्षा की। उपायुक्त ने अब तक विभिन्न ग्रामों में किए गए गणना की जानकारी लेते हुए कहा कि केंद्र सरकार से प्राप्त निर्देश के आलोक में किए जा रहे गणना कार्य को उत्तरदायित्व पूर्ण कराने एवं रिपोर्ट भेजने से पूर्व रिपोर्ट को वेरीफाई जरूर करें। मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने प्राथमिकता के आधार पर लाभुकों को उक्त योजना का लाभ दिलाने का निर्देश दिया एवं कोई भी आवेदन लंबित नहीं रखने का निर्देश दिया।

बैठक में लैंड ट्रांसफार्मर की समीक्षा करते हुए कनहर बराज एनओसी, कनहर पाइपलाइन योजना, कनहर सिंचाई योजना समेत अन्य योजना को लेकर एनओसी निर्गत करने में आ रही समस्याओं की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने ससमय जेजे/जीएम जमीन को चिन्हित कर ससमय लैंड रिपोर्ट भेजने हेतु सभी अंचल अधिकारी को निर्देश दिया। दाखिल खारिज संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने 30 दिनों के अंदर दाखिल खारिज के मामले का निष्पादन अनिवार्य रूप से करने का निर्देश दिया। किसी भी आवेदन को बिना किसी कारण लंबित नही रखने का निर्देश दिया गया। अंचल कार्यालय से निर्गत होने वाले विभिन्न प्रमाण पत्र को लेकर भी उपायुक्त ने प्राथमिकता के आधार पर प्रमाण पत्र निर्गत करने का निर्देश दिया गया। राजस्व विभाग से जुड़े कुछ कार्यों में पेंडेंसी को लेकर उपायुक्त ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी अंचल अधिकारी एवं आंचल कार्यालय के कर्मी को सक्रिय होकर कार्य करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि कोई भी कार्य जानबूझकर लंबित न रखें जिससे संबंधित के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करनी पड़े। इसलिए मामलों का निष्पादन तय समयसीमा एवं प्राथमिकता के आधार पर करें। इस जिला स्तरीय राजस्व विभाग की बैठक में मुख्य रूप से अपर समाहर्ता पंकज कुमार सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा राज महेश्वरम, अनुमंडल पदाधिकारी श्री बंशीधर नगर आकलोक कुमार, सभी अंचल अधिकारी, सीआई समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री मिथिलेश कर रहे हैं घृणित राजनीति : ओमप्रकाश केशरी

श्री बंशीधर महोत्सव की तिथि में बार-बार फेरबदल कर झामुमो सरकार ने हिन्दुओं की आस्था का मजाक उड़ाया है

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश केशरी ने कहा कि मंत्री मिथिलेश ठाकुर श्री बंशीधर महोत्सव के नाम पर घृणीत राजनीति कर रहे हैं। जिस तरह से मंत्री तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं इससे हिन्दू समाज एवं भाजपा परिवार आहत है।

उन्होंने कहा कि मंत्री के इशारे पर भाजपा के स्थानीय जनप्रतिनिधि भानु प्रताप शाही को उपेक्षित किया जा रहा है। इससे गढ़वा जिले के लोग काफी आक्रोशित हैं। श्री बंशीधर महोत्सव की शुरुआत पूर्व की भाजपा सरकार ने की थी लेकिन भाजपा सरकार ने किसी भी जनप्रतिनिधि एवं महोत्सव के साथ राजनीति नहीं की थी। उन्होंने कहा कि झामुमो सरकार ने हिन्दुओं की आस्था का मजाक उड़ाया है। आखिर बार बार श्री बंशीधर महोत्सव की तिथि में फेरबदल क्यों किया गया। जिला प्रशासन मंत्री के चंगुल में फंस चुका है। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी भेदभाव की राजनीति करना बंद करें।

भाजपा के जनप्रतिनिधि एवं हिन्दू समाज के साथ जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार ने भेदभाव करने का काम किया है जो बर्दाश्त करने योग्य नहीं है। उन्होंने कहा कि झामुमो के मंत्री विधायक सत्ता के मद में चूर हो गए हैं, लेकिन जनता आने वाले समय में हिसाब करेगी। बंशीधर महोत्सव एक साजिश के तहत रोका गया था। भाजपा परिवार श्री बंशीधर महोत्सव से दूरी बनाने का विचार कर रही है। हिन्दुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले मंत्री मिथिलेश ठाकुर को जनता कभी माफ नहीं करेगी।

उन्होंने कहा कि श्री बंशीधर नगर के स्थानीय जनप्रतिनिधि भानु प्रताप शाही एवं हिन्दुओं के आस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले प्रवासी गढ़वा विधायक सह मंत्री मिथिलेश ठाकुर को जनता वापस भेजने के लिए तैयार हो चुकी है। उन्होंने कहा कि श्री बंशीधर महोत्सव में स्थानीय जनप्रतिनिधि भानु प्रताप शाही के साथ भेदभाव से साबित होता है कि मंत्री के इशारे पर जिला प्रशासन संघीय ढांचे को कमजोर करने का खेल कर रहा है। उन्होंने कहा कि सत्ता के मद में चूर होकर हिन्दुओं की आस्था के साथ खेल करने वाले लोगों की कार्यप्रणाली के ऊपर भाजपा की नजर बनी हुई है। झामुमो सरकार बस कुछ दिनों की मेहमान है।

मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद तिवारी, भाजपा जिला महामंत्री संतोष दूबे, नगर मंडल अध्यक्ष उमेश कश्यप, भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे, जिला महामंत्री विकास तिवारी, गोवावल मंडल अध्यक्ष विकास तिवारी, ग्रामीण मंडल उपाध्यक्ष ओमप्रकाश पासवान, राम उनय तिवारी, प्रिंस तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची की टीम ने किया विद्यालयों का निरीक्षण

निजी विद्यालयों में पच्चीस प्रतिशत बीपीएल बच्चों को एडमिशन लेने की दी हिदायत

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची की टीम ने रंका अनुमंडल मुख्यालय स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय रंका, मध्य विद्यालय भलुआनी, नेता जी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय समर्थ विद्यालय, सरस्वती ज्ञान मंदिर, मध्य विद्यालय हुरदाग का औचक निरीक्षण कर विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति एवं सरकारी प्रावधान के तहत प्रदत सुविधाओं और सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जांच पड़ताल की गयी। इस अवसर पर रंका कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की वार्डेन मिनाक्षी कुमारी चौधरी से बालिकाओं की कम उपस्थिति के बारे पूछने पर वार्डेन ने बताया कि 10वीं, 12वीं की बालिकाएं परीक्षा देने के बाद अपने-अपने घर चली गई हैं, जो परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद जल्द ही विद्यालय आ जाएंगी। जांच टीम ने भोजन, पानी, साफ सफाई, स्वास्थ्य संबंधी बिंदुओं पर चर्चा की और सरकारी प्रावधान के अनुसार उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। वहीं मध्य विद्यालय भलुआनी हुरदाग में भी बच्चों की उपस्थिति, मध्याह्न भोजन, पानी की व्यवस्था, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता की जांच की और बेहतर ढंग से विद्यालय संचालन का निर्देश दिया।

मौके पर जेसीईआरटी रांची के सहायक निदेशक मसुदी टुडू, एसपीओ जेईपीसी रांची के अरूण केरकेट्टा, निखिल पिरामल, रंका प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी संतोष कुमार दुबे, सीआरपी देवेंद्र उपाध्यक्ष सहित अन्य लोग शामिल थे।

कार्यक्रम : जयनगरा गांव सूर्य मंदिर निर्माण समिति का किया गया गठन

कोयल नदी के तट पर सूर्य मंदिर निर्माण के लिए किया गया भूमि पूजन

भाजपा नेता अलखनाथ पांडेय सहित उपस्थित लोगों ने मंदिर निर्माण में बढ़-चढ़कर सहयोग का दिया आश्वासन

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। जयनगरा गांव में कोयल नदी के किनारे सूर्य मंदिर निर्माण को लेकर शुक्रवार की सुबह भूमि पूजन किया गया। प्रखंड क्षेत्र के खरौंधा पंचायत अंतर्गत जयनगरा गांव में पावन सलिला कोयल नदी के तट पर भगवान भास्कर के मंदिर का निर्माण कराए जाने के लिए वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पुरोहित पंडित अरविंद पांडेय के द्वारा भूमि पूजन कराया गया। सूर्य मंदिर निर्माण समिति जयनगरा के उपाध्यक्ष रवि रंजन मेहता उप मुखिया ने जानकारी देते हुए कहा कि शुक्रवार की सुबह विहितं मुहूर्त में पुरोहित पंडित अरविंद कुमार पांडेय के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सूर्य मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन कराया गया।

इस मौके पर वरीय भाजपा नेता अलखनाथ पांडेय, धनंजय तिवारी, विनोद ओझा, मुखिया ललित बैठा, कांडी उत्तरी सीट की जिला परिषद सदस्य सुषमा कुमारी के प्रतिनिधि दिनेश कुमार आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता अलखनाथ पांडेय ने मंदिर निर्माण के लिए अपना अंशदान समर्पित करते हुए कहा कि पलामू लोकसभा सीट से सांसद विष्णु दयाल राम भी मंदिर निर्माण में यथोचित सहयोग करेंगे। जबकि कांडी उत्तरी क्षेत्र से जिला परिषद सदस्य सुषमा कुमारी के प्रतिनिधि दिनेश कुमार ने कहा कि सूर्य मंदिर के सामने कोयल तट पर वे छठ घाट का निर्माण कराएंगे।

मालूम हो कि सूर्य मंदिर निर्माण के लिए रामप्रवेश मेहता एवं उनके भाई बैजनाथ मेहता ने तीन कट्ठा भूमि दान दिया है। इसी पवित्र भूमि में सूर्य मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। इस मौके पर सूर्य मंदिर के निर्विघ्न निर्माण के लिए सूर्य मंदिर निर्माण समिति जयनगरा का गठन किया गया है। इसके सभी सदस्य एवं काफी संख्या में ग्रामीण भूमि पूजन के मौके पर उपस्थित थे। इनमें शशिभूषण मेहता अध्यक्ष एवं उप मुखिया रवि रंजन मेहता उपाध्यक्ष, परीखा पासवान सचिव, राज कुमार मेहता उप सचिव, ब्रजेंद्र कुमार समिति के कोषाध्यक्ष एवं आलोक कुमार मेहता उप कोषाध्यक्ष भी उपस्थित थे।

वहीं मंदिर निर्माण निगरानी समिति के सदस्य दिलीप मेहता दुकानदार, महेश मेहता, वरुण कुमार, जय प्रकाश मेहता, बजरंगी मेहता, जय शंकर मेहता, आनंदी मेहता, विनय मेहता, अरविंद मेहता, देवेंद्र मेहता, नंदलाल मेहता एवं छठ पूजा समिति के सभी सदस्य भी उपस्थित थे।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.com

रंका में कव्वाली मुकाबला का शानदार आयोजन

मंत्री मिथिलेश ने तक्कूशाह दाता के मजार पर चादर पोशी कर क्षेत्र में अमन-चैन की दुआ मांगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। अनुमंडल मुख्यालय स्थित बाबा तक्कूशाह दाता के मजार प्रांगण में सालाना उर्स के मौके पर शानदार कव्वाली मुकाबला का आयोजन किया गया। इस मुकाबले में कुमार सत्यम आर्टिस्ट सिंगर मुंबई तथा हबीब अजमेरी नागपुर महाराष्ट्र के बीच बीती रात्रि शानदार कव्वाली का मुकाबला हुआ। दोनों कव्वाली कलाकारों ने भक्ति, देश भक्ति, श्रृंगार रस आदि में एक से बढ़कर एक कव्वाली प्रस्तुत कर लोगों का खूब मनोरंजन किया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री सह गढ़वा विधायक मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बाबा तक्कूशाह दाता के मजार पर चादर चढ़ाया और देश, राज्य, जिला एवं रंका अनुमंडल क्षेत्र में अमन-चैन सुख शांति समृद्धि के लिए दुआ मांगी।

इस अवसर पर बीस सूत्री उपाध्यक्ष नितेश कुमार सिंह, झामुमो अध्यक्ष आशीष कुमार गुप्ता, युवा अध्यक्ष दीपक कुमार सोनी, अंजुमन कमेटी के सदर शोएब खलिफा, सलीम खलिफा, परवेज खलिफा, हारून रशीद, नजीर अहमद, बीस सूत्री उपाध्यक्ष कार्तिक पाण्डेय, रंकाकला मुखिया प्रतिनिधि राजेश कुमार मद्धेशिया, डॉ इकरामुद्दीन, डॉ इस्लाम, मुमताज अली रंगसाज, फैरूदीन खलिफा, समैयुनूदीन खलिफा सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

अवैध सखुआ बोटा लदा पिकअप जब्त, पुलिस ने तीन वन माफिया को गिरफ्तार कर भेजा जेल

रंका (आजाद सिपाही)। रंका वन क्षेत्र अंतर्गत चुतरू पंचायत के बाजारटांड़ के जंगल से तीन वन माफियाओं को रंका पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा ने जानकारी देते हुए बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पता चला था कि रंका वन क्षेत्र के बरदरी-चुतरू के बीच वन माफियाओं के द्वारा निर्बाध रूप से वनों की कटाई करके शहरों की ओर कीमती लकड़ियों को बेचा जा रहा है। इस मौके के इंतजार में पुलिस लगी हुई थी। जैसे ही थाना प्रभारी दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे तो वहां सखुआ के बोटा पिकप वाहन में ले जाते माफियाओं को पकड़ लिया और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इधर वन विभाग के फारेस्टर राजीव पांडेय ने बताया कि पुलिस ने वन माफियाओं को पकड़ा है। उन्होंने बताया कि लगभग एक लाख रुपए की सखुआ का बेटा पुलिस ने बरामद किया है। वन अधिनियम के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किए गए लोगों पर न्याय संगत धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसके संबंध में अधिकारियों का मार्गदर्शन लिया जा रहा है। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों के नाम अरशद अली पिता अजमल अली, आशू दुबे पिता लाल मोहन दुबे, नूर ए आलम पिता शहाबुद्दीन अंसारी बताया जाता है।

भवनाथपुर पुलिस ने छापेमारी कर शराब चुलाई के लिए रखे 90 किलो जावा महुआ को किया नष्ट

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। भवनाथपुर थाना पुलिस की ओर से अवैध महुआ शराब चुलाई के विरुद्ध लागातार की जा रही छापेमारी अभियान से शराब के कारोबारियों में हड़कंप मचा है। गुरुवार को भी थाना प्रभारी रामेश्वर उपाध्याय के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के झगड़ाखांड़, बनसनी एवं जिरहुल में छापेमारी कर शराब बनाने के लिए रखा गया 90 किलोग्राम से अधिक जावा महुआ को नष्ट किया गया। वहीं पुलिस के आने की भनक लगते ही शराब कारोबारी भागने में सफल रहा। थाना प्रभारी रामेश्वर उपाध्याय ने शराब चुलाई करने वालों को सख्त हिदायत दी है कि यदि शराब बनाते पकड़े जाएंगे तो सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। छापेमारी में थाना प्रभारी के साथ थाना के एसआई सहदेव साह व पुलिस बल के जवान शामिल थे।

झारखण्ड सरकार
जिला मत्स्य कार्यालय, रामगढ़

मत्स्य स्पॉन के निविदा सूचना का शुद्धि पत्र

मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 470 दिनांक 06.03.2023 के आलोक में आगामी वित्तीय वर्ष 2023–24 में तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना (प्रस्तावित) के अंतर्गत रामगढ़ जिला में मत्स्य बीज उत्पादकों को मत्स्य स्पॉन आपूर्ति का अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना का विज्ञापन **PR296094 (Fish) 23-24D** द्वारा प्रकाशित की गई है। निविदा आमंत्रण सूचना हेतु प्रकाशित विज्ञापन में निविदा समिति के समक्ष उप विकास आयुक्त, रामगढ़ के स्थान पर निविदा समिति के समक्ष उपायुक्त, रामगढ़ के सभागार में खोली जायेगी। निविदा की शर्तें एवं समय यथावत रहेंगे।

ह0/–
जिला मत्स्य पदाधिकारी,
रामगढ़।

PR 296161 Fish(23-24)#D

कार्यालय, जिला उद्यान पदाधिकारी, राँची
कृषि भवन परिसर, काँके रोड,राँची
(Email Id-dhoranchi125@gmail.com)

निलामी संबंधी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राँची जिला में विभिन्न नर्सरियों/प्रोजनीबागों में वर्ष 2023–24 में लगे फलों यथा आम, लीची, अमरूद फलों की खुली डाक द्वारा निलामी कार्यालय, जिला उद्यान पदाधिकारी, राँची में की जायेगी। निलामी में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्ति ससमय नीलामी स्थल पर पहँच कर निलामी में भाग ले सकते हैं। डाक बोलने वाले को निर्धारित दर के अनुसार जमानत की राशि जमा करनी होगी। डाक के पश्चात उच्च बोली लगाने वाले की जमानत की राशि रख कर निम्न डाक बोलने वाले की राशि उसी समय वापस कर दी जायेगी। डाक लेने वालो को उक्त नर्सरी/प्रोजनीबाग में फल की देख–रेख स्वयं करना होगा। डाक लेने वाले को नर्सरी में अन्य पौधों की डाली तथा कोई भी सामान को नुकसान नहीं करना होगा। उच्च डाक लेने वाले व्यक्ति को डाक के पश्चात एक मुस्त राशि एक सप्ताह के अन्दर कार्यालय में जमा करना होगा। कम डाक आने पर अद्योहस्ताक्षरी को डाक रद्द करने का पूर्ण अधिकार होगा।

कं0	नर्सरी का नाम	तिथि	निर्धारित जमानत की राशि	समय
1	प्रोजनीबाग, सिल्ली	06.05.2023	10,000.00	01:00 अपराह्न
2	प्रखण्ड नर्सरी, सिल्ली		5000.00	01:00 अपराह्न
3	प्रखण्ड नर्सरी, काँके		5000.00	01:00 अपराह्न
4	प्रखण्ड नर्सरी, माण्डर		5000.00	01:00 अपराह्न
5	प्रखण्ड नर्सरी, ओरमांझी		5000.00	01:00 अपराह्न

जिला उद्यान पदाधिकारी,
राँची

PR 296134 Agriculture(23-24)#D

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 29 अप्रैल, 2023
www.azadsipahi.in

दो दिवसीय झारखंड मिलेट्स प्रदर्शनी सह सम्मेलन का हुआ समापन

बाजरा और मडुआ उत्पादन में अग्रणी है खूंटी जिला : प्रणव

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। मोपफी और पीएचडी चेंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से आयोजित दो दिवसीय झारखंड मिलेट्स प्रदर्शनी सह सम्मेलन का शुक्रवार को समापन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में उद्योग विभाग के संयुक्त सचिव प्रणव पाल भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि यह बड़े सम्मान की बात है कि खूंटी बाजरा और मडुआ उत्पादन में अग्रणी है। शहरी लोगों तक मोटे अनाज आधारित आहार का महत्व पहुंच रहा और मौर्य जैसे बड़े होटलों में भी आतिथियों को बाजरा आधारित व्यंजन परोस रहे

प्रदर्शनी के समापन के अवसर पर मौजूद पदाधिकारी व अन्य।

हैं। समापन के तकनीकी सत्र में मिलेट एग्रीटेक एंड स्टार्टअप मीट की आवश्यकता, उससे होने वाले लाभ और बाजरा के लिए निर्यात, रसद और सरकारी हस्तक्षेप के संबध में चर्चा की गई। तकनीकी सत्र के दौरान, पीएमएफएमई डिवीजन, एमओएफपीआई, जिला उद्योग केंद्र, एमएसएमई, जिला कृषि केंद्र, जिला विकास केंद्र, विशेषज्ञ संगठनों द्वारा प्रदान की गई महत्वपूर्ण योजनाओं पर चर्चा हुई। कार्यक्रम का समापन इंटरेक्टिव सत्र के साथ संपन्न हुआ, जहां स्थानीय उद्योगों, एफपीओ, एसएचजी, बैंकों, स्टार्टअप और किसानों के विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों ने बेहतर आउटरीच के लिए इन योजनाओं के अभिसरण के अलावा उद्योग, बागवानी और कृषि विभाग के साथ बातचीत की। कॉन्क्लेव का समापन खाद्य और कृषि पीएचडीसीसीआई की निर्देश मिली दूबे ने किया। एचडीसीसीआई के वरिष्ठ क्षेत्रिय निदेशक मंतोष कुमार ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया। वहीं, कार्यक्रम को सफल बनाने में पीएचडीसीसीआई दिल्ली की डॉ शेफाली भसीन, राहुल लाल, शिवानी कुमारी आदि ने सहयोग किया। वहीं, मुख्य अतिथि प्रणव पाल ने तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने विशेष रूप में मिलेट्स बाजार, विपणन को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। इस मौके पर डरखंड राय विश्वविद्यालय के डीन आरपी रत्न, टॉ प्रो कुमार, प्रो सुशील कुमार सिंह, डॉ अभिषेक उरांव, डॉ मनीष पीयुष और शेफ राजेंद्र उरांव आदि उपस्थित थे।

बुंडू में प्राइवेट स्कूलों की मनमानी, सरकारी निर्देशों की खुल्लमखुल्ला उड़ा रहे माखौल

आजाद सिपाही संवाददाता

बुंडू। प्राइवेट स्कूल प्रबंधक सरकारी गाइडलाइन और निर्देशों को ताक पर रखकर विद्यालय चला रहे हैं. बुंडू नगर पंचायत के गली-चौराहों में ये स्कूल कुकुरमुत्ते की तरह उग रहे हैं। कुछ प्राइवेट स्कूल बरसों से चलाए जा रहे हैं। इन विद्यालयों में बीपीएल बच्चों के नामांकन में भी घोर लापरवाही बरती जा रही है। नामांकन और मासिक फीस में भी अनियमितता की शिकायत मिल रही है। एक-दो विद्यालय को छोड़कर सभी विद्यालयों में सरकारी नियम कानूनों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। अनुमानतः लगभग 50 से अधिक विद्यालय संचालित हो रहे हैं, लेकिन एक भी विद्यालय का नगर पंचायत से रजिस्टर्ड नहीं है। इन प्राइवेट स्कूलों में स्कूली ड्रेस, किताब-कॉपी वार्षिक नामांकन में

भी मुंह मांगी रकम वसूली जा रही है। पुराने-जर्जर बसों का रंग-रोगन करवाकर कम कीमतों में खरीद कर स्कूल के कार्यों में लगा दिया गया है। उक्त विद्यालय में कार्यरत शिक्षक सरकारी मानकों को दरकिनार कर नियुक्त हो जाते हैं जिनका वेतन मजदूरों के वेतन से भी कम रखा जाता है। इस विद्यालय का रिजल्ट हर वर्ष 100 फीसदी से भी अधिक होता है। जिस जगह विद्यालय का संचालन होता है उनके भवन जीर्ण शीर्ण अवस्था में है। ना खेल का मैदान है और ना ही बच्चों के गुणात्मक शिक्षा का प्रावधान है। मजबूरन लोग बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए इन प्राइवेट स्कूलों में नामांकन करा दे रहे है। इससे सरकारी राजस्व की भी हानी हो रही है। कुछ विद्यालय दिल्ली बोर्ड ओ(सीबीएसई) का बैनर लगाकर अभिभावकों को दिग्भ्रमित कर रहे हैं। जिससे बच्चों का भविष्य अंधकार में डूबता चला जा रहा है। इन प्राइवेट विद्यालयों में मासिक फीस जमा नहीं करने से छात्र-छात्राओं को परीक्षा में बैठने तक नहीं दिया जाता है। अगर फीस माफ करने की बात की जाती है तो विद्यालय प्रबंधक कड़ाई से पेश आते हैं। मजबूरन अभिभावक को उधार मांग कर भी फीस चुकानी पड़ती है। बच्चों को फीस लाने के लिए मानसिक रुप से प्रताड़ित किया जाता है। उक्त विद्यालय के क्लास रूम में मेज-कुर्सी और ब्लैकबोर्ड सभी जीर्ण शीर्ण हालत में है।

हम सभी को पर्यावरण संरक्षण के प्रति सतर्क रहना होगा : एलिस ओड़ेया

किताहातू गांव में पर्यावरण संरक्षण सह स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। तेजस्विनी परियोजना मुरहू द्वारा शुक्रवार को किताहातु गांव में पर्यावरण संरक्षण सह स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड प्रमुख एलिस ओडेया और प्रखंड विकास पदाधिकारी मिथिलेश कुमार सिंह ने संयक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। स्वास्थ्य जांच शिविर में दो सौ से अधिक महिला-पुरुषों के स्वास्थ्य की जांच कर निःशुल्क दवा का वितरण किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में तेजस्विनी क्लब की किशोरियों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया और अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकरा स्वागत किया गया। प्रखंड प्रमुख एलिस गुड़िया ने कहा कि हम सभी को पर्यावरण संरक्षण के प्रति सतर्क रहना होगा। जल संरक्षण की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि बारिश के पानी के संरक्षण के लिए सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन योजनाओं के माध्यम से जल संरक्षण के लिए डोभा, तालाब आदि का निर्माण कर भूगर्भ जल स्तर को बढ़ाया जा सकता हैं। प्रखंड विकास पदाधिकारी मिथिलेश कुमार सिंह ने तेजस्विनी परियोजना के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य, तभी पूरा होगा, जब हम सभी एकजुट होकर पर्यावरण का संरक्षण करेंगे। उन्होंने पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए लोगों से अधिक से अधिक पौधा रोपण करने की अपील की। जिला परिषद सदस्य दयामनी मुंडू ने कहा कि हम सभी का दायित्व है कि नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं। साथ ही डॉक्टर की सलाह का पालन करें। उन्होंने कहा कि अपने आसपास के पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमेशा सतर्क रहें। मुरहू प्रखंड के उप प्रमुख अरुण कुमार साबू ने कहा कि हम सभी ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति सतर्क और जागरुक रहना होगा। सभी को प्रत्येक साल कम से कम दो-दो पेड़ लगाना चाहिए। इससे हमारा पर्यावरण संरक्षित एवं संवबिर्द्धत रहेगा। तेजस्विनी परियोजना के जोनल प्रशिक्षण विशेषज्ञ श्रीकृष्ण यादव ने कहा कि हम सभी को अपने पर्यावरण के प्रति जागरुक होने की आवश्यकता है। हमारा पर्यावरण संरक्षित रहेगा, तभी हम स्वस्थ रहेंगे। उन्होंने कहा कि भूगर्भीय जल स्तर सही रखने के लिए बारिश के पानी को विभिन्न माध्यमों से संग्रहित करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान तेजस्विनी क्लब की किशोरियों द्वारा नशापान संबंधित नाटक प्रस्तुत कर लोगों को नशा का त्याग करने के प्रति जागरुक किया गया। कार्यक्रम में किताहातु मुखिया, जिला परिषद सदस्य, प्रखंड समन्वयक दिनेश कुमार, कालूराम शर्मा, मेडिकल टीम, परियोजना कर्मी सहित अन्य उपस्थित थे।

खलारी, मैकलुस्कीगंज में एक्सप्रेस ट्रेनों का सुनिश्चित करायेंगे ठहराव : समरीलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

मैकलुस्कीगंज। कांके विधायक समरीलाल ने खलारी के लोगों को आश्वस्त किया कि खलारी व मैकलुस्कीगंज में एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित कराएंगे। समरीलाल मैकलुस्कीगंज स्थित टूरिस्ट इंफार्मेशन सेंटर परिसर में शुक्रवार को कार्यकर्ताओं के साथ बैठक सह मिलन समारोह में क्षेत्र की समस्याओं पर बोल रहे थे। मैकलुस्कीगंज में कार्यकर्ताओं संग समस्याओं पर चर्चा किया। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता सह समाजसेवी सुरेंद्रनाथ पांडेय भी उपस्थित थे। कार्यकर्ताओं ने खलारी प्रखंड की कई जनसमस्याओं को विधायक को

अवगत कराया, जिसमें खलारी स्टेशन पर गरीब रथ एक्सप्रेस का ठहराव शुरू कराने और मैकलुस्कीगंज स्टेशन पर पलामू व शक्तिपुंज एक्सप्रेस का ठहराव पुनः सुनिश्चित कराना प्रमुख था। इस पर विधायक समरीलाल ने कहा कि वे खलारी प्रखंड की जनता की समस्या के लिए हमेशा से तत्पर रहे हैं। एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित करने के लिए सांसद संजय सेठ से वार्ता कर रेलवे मंत्री से मिलने का समय लिया जाएगा। इस क्षेत्र के प्रमुख पांच कार्यकर्ता के साथ वे दिल्ली जाएंगे और सांसद के सहयोग से रेलवे मंत्री से मिलकर खलारी, मैकलुस्कीगंज स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित करने का आग्रह किया जाएगा। इस मौके पर जिला ग्रामीण अध्यक्ष सुरेंद्र महतो, जिला महामंत्री प्रीतम साहू, मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा, महामंत्री अनिल गंझू, सांसद प्रतिनिधि फुलेश्वर महतो, विधायक प्रतिनिधि श्यामसुंदर सिंह, अरविंद सिंह, आनंद सिंह, शत्रुंजय सिंह, नागदेव सिंह, जीतेंद्रनाथ पांडेय, शशिप्रसाद साहू, रामसूरत यादव, कृष्णा चौहान, दिलीप पासवान, जीतेंद्र भारती, मनोज साहू, चतुर्गुण भुइयां, छोटू मुंडा, रतनलाल, रवीन्द्र पासवान, प्रदीपकुमार सिंह आदि मौजूद थे।

दो वर्षों बाद उयुर गांव में आई बिजली, लोगों में हर्ष

खूंटी (आजाद सिपाही)। तोरपा प्रखंड के उयुर गांव में दो वर्षों के बाद शुक्रवार को बिजली की रोशनी पहुंची, जिससे लोग खुशी से झूम उठे। बतातें चलें कि उयुर गांव का विद्युत ट्रांसफॉर्मर दो साल से खराब होने के कारण पूरे गांव में बिजली आपूर्ति ठप थी। गांव के लोगों ने कई बार विभाग के अभियंता और अन्य अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। पर खराब ट्रांसफॉर्मर को बदला नहीं गया। बाद में इसकी जानकारी केंद्रीय मंत्री सह खूंटी के सांसद अर्जुन मुंडा और तोरपा विधायक कोचे मुंडा को दी गई। उनके प्रयास से शीघ्र ही गांव में नया ट्रांसफॉर्मर लग गया। तोरपा प्रखंड के उप प्रमुख संतोष कर, सांसद प्रतिनिधि और भाजपा रनिया मंडल के अध्यक्ष निखिल कंडुलना, सांसद प्रतिनिधि सूचना विभाग दीपक तिग्गा, एसटी मोर्चा प्रखण्ड अध्यक्ष सनिका धान, मीडिया प्रभारी अजित कुमार रॉय, मजदूर राजमिस्त्री संघ के धर्मेंद्र मांझी, वार्ड सदस्य रूपा आईन्द ने शुक्रवार को संयुक्त रूप से फीता काटकर ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। मौके ग्रामीणों ने विभिन्न प्रकार की समस्याओं से भाजपा नेताओं को अवगत कराया।

तमाड़ में जनहित कार्य नहीं होने से लोगों में नाराजगी

तमाड़/रड़गांव (आजाद सिपाही)। तमाड़ प्रखंड में सरकार की ओर से जगह-जगह जनता दरबार लगाकर विभिन्न योजनाओं का आवेदन तो जमा कराया गया, लेकिन योजनाओं का लाभ अभी तक किसी को नहीं मिला। जनता तमाड़ अंचल के चक्कर लगाकर थक चुकी हैं। झारखंड सरकार द्वारा योजना तो बहुत निकाला गया, लेकिन जनता को कुछ भी लाभ नहीं मिल रहा है। जनता दरबार में राशन कार्ड में नाम जोड़ने का आवेदन लगभग 300 लोगों ने दिया गया था। मगर अभी तक एक भी नाम नहीं जोड़ा गया है। पेंशन की भी यही स्थिति है। इससे जनता में काफी नाराजगी है।

स्लरी उठाव रोकने को लेकर ग्राम सभा में बनेगी रणनीति, 12वें दिन धरना स्थगित

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी की महिला जनप्रतिनिधियों ने सीओ के साथ वार्ता के बाद 12वें दिन धरना स्थगित कर दिया। मालूम हो कि खलारी मौजा से स्लरी उठाव के विरोध में जिप सदस्य सरस्वती देवी, खलारी पंचायत की मुखिया तेजी किस्पोट्टा व पंसस किरण तिर्की समेत अन्य ग्रामीणों के साथ 17 अप्रैल से खलारी अंचल कार्यालय के समक्ष धरना पर बैठी थी। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि खलारी सीमेंट प्रबंधन द्वारा स्लरी का उठाव गैरकानूनी है। इस बीच सीओ के निर्देश पर सीमेंट प्रबंधन से वार्ता भी हुआ, पर प्रबंधन के दलीलों से जनप्रतिनिधि संतुष्ट नहीं हुए। शुक्रवार को सीओ शिशुपाल आर्य ने

फिर से दोहराया कि तत्काल प्रभाव से स्लरी उठाव को बंद करने का आदेश खलारी थाना प्रभारी को दे दिया दिया गया है। इधर, धरना स्थगित की घोषणा के बाद निर्णय लिया गया कि आगे की रणनीति ग्राम सभा में तय की जाएगी। स्लरी खनन व उठाव को लेकर ग्रामसभा के निर्णय से राज्यपाल, मुख्यमंत्री, डीसी, जिला खनन पदाधिकारी सहित संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। वार्ता में सरस्वती देवी, तेजी किस्पोट्टा, किरण तिर्की, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अनिल पासवान, झामुमो वरिष्ठ नेता सागर गोप, रामप्रीत यादव, पप्पू सिंह, शंभू दास शामिल थे। वहीं धरना के अंतिम दिन सुषमा देवी, बेबी देवी, गंगी देवी, अख्तर और एनारूल अंसारी आदि मौजूद थे।

तमाड़ में उपेक्षा की शिकार भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति

तमाड़ (आजाद सिपाही)। डोरेया मोड़ में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा उपेक्षा का शिकार है। मूर्ति के चारों ओर गंदगी का अंबार लगा हुआ है। लोग शौच भी करते हैं। दोनों तरफ होटल का कचरा फेंका जाता है। प्रति वर्ष यहां भगवान बिरसा के नाम पर मेला लगता है। जन्म और मृत्य दिवस पर लोग जुटते है और माला पहनाकर उन्हें याद करते है। पर उसके बाद सभी भूल जाते हैं। आदिवासी इलाकों में भगवान बिरसा मुंडा को अपमानित किया जा रहा है। कुछ दिन पहले ही विजयगिरी में भगवान बिरसा की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने का मामला सामने आया था।

ट्रैक्टर के पलटने से मुरहू के मुखिया के भाई सहित दो की मौत, दो अन्य घायल

खूंटी (आजाद सिपाही)। जिले के मुरहू और तोरपा थाना के सीमावर्ती क्षेत्र इतिलपीड़ी गांव के पास शुक्रवार को एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में ट्रैक्टर पर सवार मुरहू पंचायत की मुखिया ज्योति डोडराय के भाई व सोमवार बाजार निवासी दीपक डोडराय (29) और गोस्नर भेंगरा (27) की दबने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि इसी हादसे में याकूब और बसंत नामक दो अन्य युवक गंभीर रूप से हैं। दोनों को मूरहू में प्राथमिक उपचार के बाद खूंटी सदर अस्पताल भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार मुरहू सोमवार बाजार के सभी युवक ट्रैक्टर में खपड़ा लादकर हाबो गांव गए थे। वहां खपड़ा खाली कर वापस लौट रहे थे, तभी ढलान में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया।

खूंटी के पत्रकार दीपक घोष को मातृशोक

खूंटी (आजाद सिपाही)। खूंटी के पत्रकार दीपक घोष और फिल्म-निमार्ता निदेशक तपन घोष की मां 75 वर्षीय पुष्पा रानी घोष का शुक्रवार की देर शाम जमशेदपुर में निधन हो गया। पुष्पा रानी घोष कैंसर की बीमारी से पीड़ित थी। उनका इलाज टीएमएच जमशेदपुर में कराया जा रहा था। दीपक घोष ने यह जानकारी देते हुए बताया कि जमशेदपुर में उनके बहन के घर पर उनकी मां ने अंतिम सांस ली। बताया कि शव को जमशेदपुर से खूंटी लाया जा रहा है। खूंटी के तजना मुक्तिधाम में शनिवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा।

तमाड़ में हुई एकल अभियान संघ की बैठक

तमाड़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड के रायडीह राधारानी मंदिर परिसर में शुक्रवार को एकल अभियान तमाड़ संच की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता संच प्रमुख जय सिंह मुंडा और संचालन संच व्यास कथाकार प्रमुख बुधनलाल स्वांसी ने किया। बैठक में भारतीय संस्कृति पर आधारित तिलक चंदन के महत्व विषय पर चर्चा की गयी। अपने संबोधन में एकल अभियान तमाड़ संच के संरक्षक लक्ष्मण सिंह मुंडा ने कहा कि भारतीय संस्कृति खासकर हिंदु समाज में तिलक चंदन का खास महत्व है। हर शुभ कार्य में भारतीय समाज तिलक चंदन माथे पर लगाता है। तिलक चंदन मनुष्य को शीतलता प्रदान करता है। तिलक चंदन पाप-पीड़ा नाशक और लक्ष्मी निवास का प्रतीक चिन्ह है। यह सरना सनातन का पहचान चिह्न है। इसलिए हर भारतीय को प्रतिदिन चंदन का तिलक लगाना चाहिए। बैठक में रामकृष्ण सिंह, जय सिंह मुंडा, मंगल स्वांसी, बुधनलाल स्वांसी, राम सिंह मुंडा, भरत पुरान, नंदिता देवी, कैकयी देवी, सरस्वती देवी, सविता देवी, कल्याणी देवी, नवमी कुमारी, सावित्री देवी आदि थे।

राहे प्रखंड में विधायक ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

इस भीषण गर्मी में कहीं भी कोई चापानल खराब नहीं मिलना चाहिए : सुदेश महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

राहे। प्रखंड सभागार में विधायक सुदेश महतो ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। जिसमें मनरेगा, 15वें वित्त, प्रधानमंत्री आवास योजना, कल्याण, शिक्षा, पशुपालन, पेंशन, म्यूटेशन और पेयजल आदि विभागों के क्रियान्वयन की समीक्षा की। पेयजल समस्या को लेकर विधायक ने विभाग के अभियंता से कहा कि इस गर्मी में एक भी चापानल खराब नहीं मिलनी चाहिये। पेयजल पर विशेष ध्यान दें। विधायक ने कहा कि समीक्षा

अधिकारी के साथ बैठक करते सिल्ली विधायक सुदेश महतो।

बैठक का उद्देश्य बेहतर व्यवस्था बनने और योजनाओं को गति देना है। विभाग से समन्वय स्थापित कर ग्रामसभा को मजबूत करना है। कर्मचारियों में दायित्व का बोध कराना है। इस दौरान लोगों ने धान बेचने के बाद भी दूसरी किस्त नहीं आने की समस्या रखी। म्यूटेशन की समस्या को भी रखा। सोलर जलमीनार मरम्मती में गड़बड़ी होने की भी जानकारी दी। इस पर विधायक ने अधिकारियों से जनता के बीच विश्वास कायम रखते हुए उनकी समस्याओं का समाधान करने को कहा। इस मौके पर प्रमुख लीलमनी देवी, बीडीओ हारून रशीद, सीओ महेंद्र छोटन उरांव, उप प्रमुख उमेश महतो, प्रभारी संजय, रंग बहादुर महतो, प्रकाश सिन्हा, सुभाष महतो, मनोज मेहता, प्रखंड के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

युवा मोर्चा की बैठक में मन की बात कार्यक्रम को लेकर चर्चा

खूंटी (आजाद सिपाही)। भाजयुमो गोविंदपुर मंडल की बैठक शुक्रवार जरियागढ़ में हुई। जिसकी अध्यक्षता भाजयुमो के मंडल अध्यक्ष विनय गुप्ता ने की। इसमें मंडल सशक्तीकरण के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 100वें एपिसोड के सफल आयोजन को लेकर चर्चा की गयी। बैठक में कार्यक्रम के प्रभारी और मोर्चा के खूंटी जिला महामंत्री दीपक तिग्गा ने कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम के 100वें एपिसोड को बपने बूथ में अधिक से अधिक संख्या में सुनने की अपील की। युवा मोर्चे के आगामी कार्यक्रमों के बारे में जिला महामंत्री ने कहा कि भाजयुमो का एक-एक समर्पित कार्यकर्ता युवा मोर्चा के सभी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कराएं और मंडल में युवा मोर्चा को सशक्त करने की दिशा में कार्य करें। इस मौके पर जगरनाथ साहू, मधुसूदन साहू, अजय महतो, बिंदेश्वर सिंह, निखिल साहू, पिंटू, उग्रसेन साहू, संजीत राम, शिवेश्वर साहू अदि थे।

बंशीधर महोत्सव के नाम पर तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले विधायक भानू अपनी जिम्मेदारियों से भाग रहे हैं

झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दूबे ने विधायक भानु पर लगाया हिंदू-मुस्लिम करके वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

बंशीधर नगर। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दूबे ने कहा कि राजकीय बंशीधर महोत्सव के नाम पर तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले भवनाथपुर के विधायक भानू प्रताप शाही अपनी जिम्मेदारियों से भाग रहे हैं। महोत्सव में आने वाले अतिथियों का स्वागत करने के बजाय जिस तरह से भगवान के नाम पर राजनीति और भगवान का अपमान कर रहे हैं उससे विधायक का 2024 में पतन तय है। वे यहां नवनिर्मित सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बंशीधर महोत्सव को लेकर जिस तरह से भानू प्रताप शाही राजनीति कर रहे है उससे साफ पता चलता है कि वे बौखलाहट में है।

श्री दूबे ने कहा कि भाजपा में जाते ही विधायक भानू अपने आप को सबसे बड़ा सनातनी साबित करने में लगे हुये हैं। इफ्तार का विरोध करने वाले विधायक का फोटो आजकल वायरल हुआ था जो नसंमो में रहते इफ्तार पार्टी करते देखे गये। उन्होंने कहा कि हिन्दू-मुस्लिम करके वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। लेकिन जनता सब जानती है।

श्री दूबे ने कहा कि बंशीधर महोत्सव में स्थानीय विधायक होने के नाते उन्हें अपनी जिम्मेदारियों को निभाना चाहिये था। महोत्सव में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिये था। किंतु उन्होंने ऐसा नहीं किया उल्टे मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर पर गंदी राजनीति करने का आरोप लगा दिया। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व भी हुये दो महोत्सव में इनका कुछ योगदान नहीं रहा था। राजकीय महोत्सव का दर्जा दिलाने या मंदिर के विकास के लिये भी विधायक ने कुछ नहीं किया। मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने राजकीय महोत्सव का दर्जा दिलवाकर बड़ा काम करने का काम किया है। उन्होंने विधायक द्वारा मंत्री पर लगाये गये आरोपों पर कहा कि मिथिलेश ठाकुर भानु प्रताप शाही से तजुर्बा, व्यवहार, शिक्षा, संस्कार हर मामले में काफी आगे हैं।

वहीं गढ़वा जिला बीस सूत्री के उपाध्यक्ष नितेश सिंह ने विधायक भानू पर हमला बोलते हुये कहा कि बंशीधर महोत्सव से विधायक भाग रहे हैं। जिससे साफ पता चलता है कि नेचर और सिग्नेचर कभी नहीं बदल सकता। उन्होंने कहा कि भानू प्रताप शाही माओवादी की उपज हैं। उन्हें भागने और भगाने का काफी अनुभव है। हम सब उनसे आग्रह करते हैं कि अब राजकीय महोत्सव है। जिलेवासी के लिये यह धार्मिक और भावनात्मक विषय है। इसमें भाग लेकर सफल बनाने में योगदान करें। क्योंकि यह आपके क्षेत्र में आयोजित हो रहा है। मौके पर अन्य लोग उपस्थित थे।

रातू गोविंदनगर से स्कॉर्पियो की चोरी

रातू (आजाद सिपाही)। रातू थाना क्षेत्र गोबिन्द नगर निवासी उमेश उपाध्याय के घर के बाहर खड़ी एक काले रंग की स्कार्पियो जेएच 01 ईएन- 0723 को अज्ञात चोरों ने गुरुवार की रात चोरी कर ली । उक्त स्कॉर्पियो खलारी थाना क्षेत्र के शिवपुरी केडी निवासी महेन्द्र सिंह बेदी के पुत्र परमजीत सिंह बेदी की थी । उमेश उपाध्याय और परमजीत सिंह दोनों मित्र है । पिछले चार दिन पहले उमेश उपाध्याय अपने दोस्त से स्कार्पियो लेकर गोबिन्द नगर आए थे । बीती रात रोजाना की तरह वे स्कार्पियो को खड़ी कर सो गए । सुबह सोकर उठने पर स्कार्पियो को गायब पाया। मामले को लेकर परमजीत सिंह बेदी ने व रातू थाना में अज्ञात चोरो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

भाजपा नेता स्वामी देवेंद्र प्रकाश ने जनसंपर्क अभियान चलाकर ग्रामीणों से केंद्र की योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। भाजपा के वरीय नेता स्वामी देवेंद्र प्रकाश ने शुक्रवार को क्षेत्र में जनसंपर्क चलाया। इस क्रम में उन्होंने चकमे, बंसरी, ठाकुरगांव, उरुगुट्ठु, पिठोरिया आदि गांवों में ग्रामीणों से मिलकर केंद्र सरकार के कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने की बात कही। उन्होंने ग्रामीणों से उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना, जनधन योजना, प्रधानमंत्री अन्न योजना का लाभ लेने की बात कही। साथ ही स्वामी देवेन्द्र प्रकाश ने कहा कि झारखंड सरकार केवल घोषणाओं की सरकार बन कर रह गई है। मौके पर उदय कुमार, सुभाष पूरी, मणिकांत, मनबहाल, अर्जुन महतो, अमृत महतो, रामप्रवेश साहू समेत अन्य पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

वज्रपात से एक ग्रामीण की मौत, एक घायल

चान्हो (आजाद सिपाही)। प्रखंड में अलग-अलग जगह में वज्रपात की घटनाओं में 50 वर्षीय कैलाश गोप की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया। यहां बढाईया गांव से कुछ दूर स्थित पत्थर खादान के निकट वज्रपात से गांव के ही किसान 50 वर्षीय कैलाश गोप की मौत हो गयी। घटना अपराह्न चार बजे की है। बताया जा रहा है कि तब कैलाश गोप पत्थर खदान के आसपास खेतों में अपने पशुओं को चराने के लिए गया था, तभी अचानक तेज बारिश शुरू हो गई और वह खादान से सटे ही बने एक घर बचने लगा। इसी क्रम में वज्रपात हुई जिसकी चपेट में वह आ गया। वह बिजुपाड़ा चौक में लगने वाले डेली मार्किट में सब्जी बेचा करता था। वही दूसरी ओर करीब चार बजे ही प्रखंड के रघुनाथपुर गांव में 35 वर्षीय दासो उरांव गेंहू की मिसाई का काम कर रहा था इसी दौरान अचानक हल्की बारिश के बाद वज्रपात हुई और वह चपेट में आ गया। आसपास के लोगों ने आनन फानन में उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया जहां से उसे रिम्स रेफर किया गया।

इटकी में दो क्विंटल डोडा जब्त

इटकी (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के रांची-गुमला राष्ट्रीय राजमार्ग 23 से सटे चचगुरा महरा पतरा स्थित एक मकान से पुलिस ने प्लास्टिक के 15 बोरों में बंद दो क्विंटल डोडा जब्त किया है। बाजार में इसकी कीमत करीब एक लाख रुपये मानी जा रही है। इस सिलसिले में किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है। थाना प्रभारी रजनी रंजन के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर गांव के अनिल कुमार के नवनिर्मित मकान में डीएसपी रजत मणिक बाखला के नेतृत्व छापामारी की गयी। इस दौरान मकान की चहारदिवारी में प्लास्टिक बोरे में बंद डोडा बरामद किया गया। मकान मालिक अनिल कुमार ने पुलिस को जानकारी दी कि पलामू के सत्येंद्र प्रसाद व जितेंद्र प्रसाद ने मुरही व सोया बड़ी का व्यापार किये जाने के नाम पर मकान को किराये पर लिया था। छापामारी के दौरान उक्त दोनों व्यक्ति मकान में नहीं मिले। गिरफ्तारी के लिए पुलिस की छापामारी व खोज जारी है।

कार्यक्रम : सर जेसी अकादमी में सांसद संजय सेठ ने किया उच्च तकनीक डिजिटलाईजेशन सिस्टम का अनावरण, कहा

यहां के बच्चे भी लोरेटो जैसे विद्यालय के विद्यार्थियों से किसी मामले में कम नहीं

स्कूल के सभी क्लास रूम में लगे डिजिटल स्मार्ट क्लास की कक्षा संचालन देख अतिथि हुए काफी प्रभावित

आजाद सिपाही संवाददाता

बुढ़मू। सर जेसी अकादमी स्कूल निलय कालेज स्थित ठाकुरगांव में स्कूल उच्च तकनीक शिक्षा हेतु डिजिटलाईजेशन सिस्टम का अनावरण शुक्रवार को किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि रांची लोकसभा क्षेत्र के सांसद संजय सेठ, पूर्व जिला शिक्षा पदाधिकारी रांची कमला सिंह उपस्थित हुए। इस दौरान स्कूल के शिक्षकों के द्वारा अतिथियों का स्वागत बुके देकर किया गया। स्कूल के संयोजक अखिलेश चतुर्वेदी ने स्कूल में व्यवस्थित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सुविधाओं से अतिथियों को अवगत कराया। साथ ही छात्रों ने अपने कला व प्रशिक्षण को भी प्रदर्शित किया। जिससे प्रभावित होकर अतिथियों ने पुरस्कार देकर छात्रों का मनोबल को बढ़ाया। उसके बाद कम्प्यूटर लैब एवं साइंस लैब का उद्घाटन फीता काटकर सांसद एवं अन्य अतिथियों के द्वारा किया गया। साथ ही स्कूल के सभी क्लास रूम में लगे डिजिटल स्मार्ट क्लास की कक्षा संचालन देख काफी मंत्रमुग्ध हुए। वहीं छोटे बच्चों के लिए 14 क्लास रूम में स्मार्ट टीवी और शिक्षकों के लिए 14 टैब के कनेक्टिविटी से प्रशिक्षण देने की सुविधाओं को दिखाया गया। इस दौरान श्री सेठ ने विद्यार्थियों की बातों से प्रभावित होकर कहा कि यहां के बच्चे भी लैरेटो जैसे विद्यालय के विद्यार्थियों से किसी मामले में कम नहीं हैं।

मौके पर सांसद संजय सेठ, रांची के पूर्व जिला शिक्षा पदाधिकारी कमला सिंह, स्कूल के निदेशक मानस कोकिला शिव कुमारी देवी, ठाकुरगांव के थाना प्रभारी कृष्णा कुमार, जिला परिषद सदस्य मनोज वाजपेयी, रांची जिला परिषद की पूर्व उपाध्यक्ष पार्वती देवी, गुरूगाई मुखिया जयंती देवी, ठाकुरगांव मुखिया सचिन पाहन, समाजसेवी गोपाल तिवारी, उप प्राचार्य मोहम्मद रजा, कमल मोदी समेत अभिभावक उपस्थित थे।

बेड़ो में गायत्री महायज्ञ में जलाये गये हजारों दीप

अज्ञानता से प्रकाश की ओर चलने की दी गयी प्रेरणा

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। महादानी मैदान में अखिल विश्व गायत्री परिवार,प्रज्ञा मंडल बेड़ो के तत्वाधान में चल रहे चार दिवसीय 24 कुंडीय नव चेतना जागरण गायत्री महायज्ञ के तीसरे दिन शुक्रवार को वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पण्डाल में बने 24 कुण्ड में वैदिक रीति से कई संस्कार,अनुष्ठान व हवन पूजन किया गया। वही रात्रि में दीपोत्सव मनाया गया। हजारों दीप ने प्रज्वलित होकर तिमिर रूपी अज्ञानता से ज्ञान के प्रकाश की ओर चलने की प्रेरणा दी। मुख्य अतिथि के रुप में जिप सदस्य पार्वती कुमारी व थाना प्रभारी मनीष कुमार गुप्ता वेद माता गायत्री की आरती में शामिल होकर विश्व कल्याण की प्रार्थना की। कथावाचक पंडित परमेश्वर दर्शनाचार्य वर्मा ने कहा, जिसने समय को पहचान लिया वही बलवान है।समय मूल्यवान है,बलवान है। जो समय बीत जाता वह वापस नहीं आता। समय का उपयोग सकारात्मक सोच और सकारात्मक कार्यों में ही लगाना चाहिए। वेद माता गायत्री से बड़ा कोई मंत्र नहीं। गायत्री माता के मंत्र जाप करने से सुख शांति और समृद्धि में वृद्धि होती है।वही परमेश्वर दर्शनाचार्य वर्मा के नेतृत्व में आये दल के विनोद शुक्ला, नागेश शास्त्री,हुकुम चंद ने महायज्ञ में भाग ले रहे साधकों समेत उपस्थित श्रद्धालुओं को भजन कीर्तन से झुमाया। साथ ही भंडारा का आयोजन किया गया। आयोजन को सफल बनाने में संयोजक व व्यवस्थापक रमेश प्रसाद गुप्ता राजेश्वर सिंह, जगदीश प्रसाद, विश्वनाथ गोप, जगरनाथ भगत, अंकित सोनी, शिवेन्द्र सौरभ फौजदार पांडेय, विजय कुमार, लक्ष्मण प्रसाद राजेश प्रसाद, करुणानिधि, मनोज बड़ाईक, अंजू देवी, कमला देवी, चंपू देवी, केशव सहित ग्रामवासी लगे हुए हैं।

लापुंग के सापुकेरा पंचायत में पेयजल की समस्या से परेशान हैं ग्रामीण

छह जलमीनार बने पर गर्मी से पूर्व तोड़ दिये दम

आजाद सिपाही संवाददाता

लापुंग। लापुंग के सापुकेरा पंचायत में गर्मी के दिनों में पेय जल की विकट समस्या उत्पन्न हो गयी है। सापुकेरा पंचायत में पूर्व मुखिया के कार्यकाल में छह जलमीनार बने उसमें मात्र एक जलमीनार चालू है और बाकी पांच खराब पड़े हैं। एक जल मीनार 3.80 लाख की लागत से बनी एवं मात्र चार-पांच वर्ष में ही दम तोड़ दिया। सापुकेरा पंचायत के हॉस्पिटल के सामने खराब जलमीनार बच्चों का झूला बन गया है, बच्चे इसमें झूला झूल रहे हैं। सापुकेरा पंचायत के अलावे लापुंग प्रखण्ड के और 10 पंचायत हुलसु, महुगांव, बकाकेरा, दानेकेरा, मालगो, ककरिया, दोलैचा, देवगांव, लतरातू, दाढ़ी सभी पंचायत में पेयजल के लिए लगे मीनार कुछ खराब कुछ चालू हैं। इसे देखने वाला कोई नहीं है। सापुकेरा मुखिया सविता उरांव ने कहा कि खराब पड़े जलमीनार की मरम्मत की जा सकती है लेकिन मुखिया चुनाव हुए एक वर्ष बीत जाने के बाद भी मुखिया को कोई फंड न वित्तीय पावर ही मिला है। मुखिया बने लगभग एक वर्ष हो गये। अभी तक कागज को सत्यापित करने का एकमात्र अधिकार मिला और कुछ नहीं मिला। जिससे मुखिया खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। वर्तमान सरकार जनप्रतिनिधियों का अधिक का शोषण कर रही है। लापुंग प्रखण्ड मुख्यालय में चार प्याऊ बने पर एक प्याऊ को छोड़ सभी ने उद्घाटन के पश्चात दम तोड़ दिया। प्रखंड क्षेत्र में शुद्ध पेय जल की कमी खल रही है।

वज्रपात से तीन मवेशियों की मौत

लापुंग (आजाद सिपाही)। लापुंग प्रखंड के कोयनारा ऊपर टोला में शुक्रवार को लगभग चार बजे के आसपास हल्की बारिश के साथ हुई वज्रपात में चरीया उराईन पति स्व. चरवा उरांव के दो बैल व एक गाय की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार दोपहर बाद खेत में मवेशी चर रहे थे इसी दौरान हल्की बारिश के साथ मेघ गर्जन हुई इस दौरान तीनों मवेशी एक पेड़ के नीचे बचने लगे इस दौरान वज्रपात की चपेट में आकर तीनों मवेशी की मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मुखिया धुचला मुंडा, वन समिति अध्यक्ष भीखराम बड़ाईक व समाजसेवी सत्यनारायण महतो ने पहुंचकर पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम : बेड़ो के नेहालु में गड्ढा खोदो अभियान का हुआ शुभारंभ, मुखिया बीरेंद्र भगत ने कहा

बिरसा हरित ग्राम योजना ग्रामीणों को आर्थिक रूप से मजबूत बनायेगी

कार्यक्रम का शुभारंभ बीडीओ और पंचायत के मुखिया ने किया

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड के नेहालु पंचायत के रोगो गांव में शुक्रवार को 11 लाभुकों के जमीन में बिरसा हरित ग्राम योजना अंतर्गत के गड्ढा खोदो अभियान के अंतर्गत गड्ढा खुदाई कर योजना का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बीडीओ डा प्रवीण कुमार व पंचायत के मुखिया बीरेंद्र भगत के द्वारा किया गया। मौके पर बीडीओ ने कहा की आम बागवानी किसान को स्वरोजगार से जोड़कर आर्थिक रूप से मजबूत बनाती है। मनरेगा के तहत होने वाले बिरसा हरित क्रांति योजना के तहत आम बागवानी का लाभ लाभुक किसान अधिक से अधिक उठाएं। जिससे प्रखंड क्षेत्र में रोजगार सृजन के साथ पलायन पर रोक लग सके। वही मुखिया बीरेंद्र भगत ने किसानों व ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा किसानों को आत्मनिर्भर बनाने तथा हमेशा के लिए आय का साधन उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा मनरेगा से यह योजना शुरू की गई है। मुखिया ने बताया कि पूरे पंचायत के गांव में 50 एकड़ में आम बागवानी के तहत पौधे लगाएं जायंगे। जिसमें आज रोगो गांव में 12 एकड़ में 11 किसानों जिनमें उमेश उरांव, बृजमोहन बड़ाईक,बिजय बड़ाईक, इग्नासुस तिर्की,बंधु भगत,शिवराज कोया,सुबोध भगत

बिसु उरांव, जेवियर कुजूर, दिलीप खलखो, धनो भगत के जमीन में गढ्ढा खुदाई की शुरूआत हुई है।जो किसान व ग्रामीणों को स्वरोजगार से जोड़कर आर्थिक रूप से मजबूत बनाएगी। उन्होंने कहा कि मनरेगा के तहत होने वाले बिरसा हरित क्रांति योजना के तहत आम बागवानी का लाभ किसान अधिक से अधिक उठाएं। जिससे प्रखंड क्षेत्र में रोजगार के सृजन के साथ साथ पलायन पर रोक लग सके। उन्होंने कहा तीन साल तक लाभुक सभी पौधा की देख भाल कर लेते हैं तो निश्चित तौर पर यह योजना लाभुकों को जिंदगी भर खुशहाली देगी। मौके पर बीपीओ संजय तिर्की करमू गोप, सुरेश लिंडा, वार्ड सदस्य बबलू लोहरा, उमेश उरांव, उपमुखिया जितया उरांव, ग्राम प्रधान सुरजा मुंडा,राधा भगताईन, मनोहर कुजूर सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

सीआइटी में ग्रीन टेक्नोलॉजी पर एक दिवसीय एक्सपर्ट लेक्चर का आयोजन

नामकुम (आजाद सिपाही)। सीआईटी में ग्रीन टेक्नोलॉजी फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट एवं रिन्यूअल एनर्जी विथ स्पेशल रिफ्रेंस टू सोलर पावर विषय पर एक दिवसीय एक्सपर्ट लेक्चर का आयोजन हुआ। विशेषज्ञ के रूप में विख्यात पर्यवारणविद् एवं वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा के पूर्व कुलपति डॉ एसपी सिंह व सहाय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस रांची के निदेशक अतुल कुमार ने अपना व्याखान दिया। कार्यक्रम में इंजीनियरिंग के सभी ब्रांच के अलावा प्रबंधन के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के एमबीए डिपार्टमेंट के तत्वाधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये डॉ एस पी सिंह ने कहा कि हरित प्रौद्योगिकी लोगों को प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को दूर करने की ओर आशान्वित करता है। उन्होंने अक्षय ऊर्जा के स्रोतों के संरक्षण व संवर्धन पर जोर दिया। वहीं, पर्यावरणविद अतुल कुमार ने नवीनीकरण ऊर्जा के सिद्धांत एवं सौर ऊर्जा के लाभ और उपयोगिता के बारे में चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान एमबीए विभागाध्यक्ष डॉ शालिनी सिंह, डॉ ए भट्टाचार्य, डॉ रणवीर कुमार समेत सभी विभागों के शिक्षक मौजूद थे।

टाटीसिलवे के टाटी ग्राम में सात दिवसीय मंडा पूजा का एक मई को होगा समापन

नामकुम (आजाद सिपाही)। टाटीसिलवे क्षेत्र के टाटी ग्राम में 7 दिवसीय मंडा पूजा का समापन एक मई को किया जायेगा। इससे पहले 30 अप्रैल को फूलखूंदी, लोटन सेवा एवं रात्रि में जागरण का आयोजन किया गया है। वहीं, एक मई को भोक्ता झूलन के साथ मंडा पूजा का समापन होगा। इससे पूर्व सभी भोक्ता व सोक्ता धधकते अंगारों पर भगवान शिव की अराधना करते हुये नग्न पांव चलेंगे। यह जानकारी भाजपा का डिस्प्ले मंडल महामंत्री अमित कुमार मिश्रा ने दी।

बेड़ो के तुको में तीन दिवसीय मंडा पूजा समारोह लोटन सेवा के साथ शुरू

बेड़ो (आजाद सिपाही)। नवजागरण मंडा पूजा महासमिति तुको के तत्वावधान में शुक्रवार की सुबह वार्षिक मंडा पूजा समारोह धार्मिक अनुष्ठान लोटन सेवा के साथ शुरू हो गया। जिसमें 45 पुरुष भोक्ता व 45 महिला सोगताईन भाग ले रहे हैं। वहीं धार्मिक अनुष्ठान पुजारी युगल दास गोस्वामी व पाट भोक्ता वरुण महतो की अगुवाई में किया गया। लोटन सेवा के तहत शिवभक्तों ने नंगे बदन तपती जमीन पर लोटकर अपनी भक्ति व आस्था का परिचय दिया। वहीं भोक्ताओं ने भगवान शिव व माता पार्वती के प्रति अपनी आस्था जतायी। शनिवार को शिवभक्त दहकते अंगारों पर चलकर अपनी भक्ति, आस्था व शक्ति का परिचय देंगे। साथ ही रात्रि में पश्चिम बंगाल की टीम के द्वारा छऊ नृत्य का आयोजन किया गया है। वहीं रविवार को झूलन के दौरान झूलते हुए शिवभक्तों द्वारा श्रद्धालुओं के बीच आस्था के फूल बरसाये जाएंगे। जिसे पाने की ललक श्रद्धालु महिलाओं के बीच होगी।वहीं शाम में पड़हा जतरा व रात्रि में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। साथ ही समारोह को सफल बनाने में समिति के गोवर्धन बैठा, शक्ति राम, मनीष राम, बाल किशुन मोची, बलराम सिंह, सतीश सिंह, सत्येंद्र साहू, योगेंद्र नाथ पांडे, शंभू बैठा, सुशील कुमार साहू, उमेश लाल, महादेव मोची, गौतम ताम्रकार, कुलदीप साहू, प्रदीप साहू, विकास कुमार साहू, संदीप लाल, अभिषेक पांडेय, अमित पांडेय, भागवत ताम्रकार, आदित्य ताम्रकार, शाखो उरांव, मोहन उरांव, राजा लाल, प्रमोद बैठा, बड़का मोची, राजेश राम व विजय राम समेत सभी गांव के लोग जुटे हैं।

बेड़ो के पुरियो में तीन दिवसीय मंडा पूजा को लेकर मंडा पूजा समिति की हुई बैठक

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के पुरियो में तीन दिवसीय मंडा पूजा को लेकर शुक्रवार को एक बैठक मंडा पूजा समिति के सदस्यों की हुई। जिसमें 30 अप्रैल रविवार को रात्रि जागरण, फुलखुंदी,व रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम 1 मई सोमवार को झूलन सह जतरा एवं दिनांक 2 मई मंगलवार को विसर्जन खूंटा पूजा के साथ मंडा पूजा का समापन किया जायेगा। वहीं समिति में सर्वसम्मति से अध्यक्ष सुखलाल तिर्की,उपाध्यक्ष सरोज गोप, सचिव विनोद मिंज,उपसचिव अर्जुन महतो, कोषाध्यक्ष जगना महतो,अशोक महतो, सहकोषाध्यक्ष जितेंद्र गिरी, उपाध्यक्ष जनार्दन भगत व संरक्षक के पद पर वशिष्ठ गिरी,नीरज कुजूर,सुरेश महतो,आनंद साहू,बसंत महतो, सुदर्शन महतो,अशोक महतो, केदार महतो,शुकुल महतो,दिनेश महतो,ईश्वर महतो,केश्वर महतो, राम साहू,कुबा पाहन,महेश प्रजापति, शंभूनाथ मिश्रा,बिरसा उरांव,संजय उरांव,प्रेम बैठा,बंशी बैठा, जयराम कच्छप,बिदेश्वर महतो, बासुदेव महतो, कलिंद्र गोप,शिवनाथ गोप,कृष्णा उरांव, संजय कच्छप, चारो उरांव सदस्य जितेंद्र भगत, सूरज वर्मा, कलिंद्र वर्मा, प्रकाश साहू व रामपूजन महतो आदि चुने गए। उक्त जानकारी मुखिया नीरज कुजूर ने दी।

सुशील यादव बनाये गये रांची जिला कांग्रेस के सचिव, कांग्रेस नेता-कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। सिकिदिरी के चाडू निवासी सुशील यादव को जिला कांग्रेस कमेटी का सचिव बनाया गया है। शुक्रवार को रांची जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डा. राकेश किरण महतो ने इस बाबत सुशील यादव को पत्र सौंपा है। मौके पर डा. राकेश किरण महतो ने कहा कि सुशील यादव के नेतृत्व क्षमता और अनुभव का लाभ पार्टी को मिलेगा। यादव को सचिव बनाए जाने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, खिजरी विधायक राजेश कच्छप, अशोक गुप्ता, तुलसी खरवार, रमेश उरांव, प्रेमनाथ मुंडा, रशीद अंसारी, फारूक खान, प्रकाश यादव, अजगुत करमाली, सफीउल्लाह अंसारी सहित पार्टी के कई कार्यकर्ताओं ने बधाई दी है।

योजनाओं की गुणवत्ता पर रहेगी पैनी नजर

जब तक चुनाव नहीं होता हम सभी की जवाबदेही सबसे ज्यादा : महापौर

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम की महापौर अरुणा शंकर ने अपने कार्यकाल के अंतिम दिन शुक्रवार को कार्यालय में कई योजनाओं का शिलान्यास करने के साथ ही चौक-चौराहों के नामों के शीलापट का अनावरण एवं उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि आज हम सभी का सत्र 18-23 कार्यकाल का अंतिम दिन है। अब तक हम सभी लोग मिलकर हर योजनाओं को बनाते थे। मैं अपनी निगरानी में क्रियान्वयन कराती थी, ताकि बेहतर काम हो सके। अब मैं प्रहरी के रूप में हर योजनाओं पर पैनी नजर रखूंगी, ताकि मेरे कार्यकाल में बनाई गई हर योजनाएं धरातल पर सही ढंग से उतर सके। महापौर ने कहा कि हमारे निगम कर्मियों की टीम काफी ऊर्जावान एवं संवेदनशील है। झारखंड का शानदार प्रदर्शन करने वाली टीम है तभी हम सभी जीरो से 2022 में भारत सरकार स्वच्छता सर्वेक्षण में नंबर वन हो पाए। आशा है इन सब की देख-रेख में हमारी सारी बनाई गई योजनाएं अच्छे ढंग से मूर्त रूप लेगी। महापौर ने कहा कि हमारे सारे पार्षद, उप महापौर मेरे छोटे भाई मंगल सिंह ने अपने-अपने क्षेत्र में उम्दा प्रदर्शन किया। हर क्षेत्र में काम हुआ है। मैं उनका सम्मान करती हूं और हम सब मिलकर जनहित के सभी योजनाओं का क्रियान्वयन करते रहेंगे, क्योंकि हम सब हारे नहीं, बल्कि जीते हुए प्रतिनिधि है। महापौर ने अपने सभी जिला एवं निगम प्रशासनिक पदाधिकारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आज उन लोगों के मार्गदर्शन एवं साथ की वजह से निगम में ऐतिहासिक बदलाव हुआ है। समय-समय पर उनके मार्गदर्शन की वजह से मैं बेदाग रही। महापौर ने कहा कि जो योजनाएं स्वीकृत है जिसका चंद दिनों में टेंडर होगा उसमें वेंडर जोन, सब्जी एवं फल मार्केट, मीट मार्केट, सभी तालाबों का जीर्णोद्धार, कच्चारोवा डैम वाटर पार्क, सड़कों का चौड़ीकरण, शहरी जलापूर्ति योजना, कोयल में बांध बनवाना प्रमुख है। इस दनि महापौर ने शहीद चौक, जगदेव शर्मा चौक, भारत माता चौक, गांधी उद्यान का उद्घाटन भी किया। साथ ही महाराजा अग्रसेन चौक, महाराजा जरासंध चौक, स्वर्गीय हवलदारी राम हलदर चौक एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश रहे बाबू बैजनाथ सिंह मार्ग के शिलापट का अनावरण कर उस मार्ग एवं चौक का नामकरण किया। कहा कि यह शुभ काम मेरे हाथों से करना लिखा था जिसे करके मैं गौरवांवित हूं। इस मौके पर हुसैनाबाद विधायक कमलेश सिंह सहित कई गणमान्य मौजूद थे।

शहर के कई चौराहों के नाम करण का उद्घाटन करती महापौर अरुणा शंकर। इस दौरान मौके पर मौजूद अन्य गणमान्य सदस्य।

जनसेवा जारी रहेगी: शशि कुमार

नगर पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का कार्यकाल हुआ समाप्त

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। नगर पंचायत के अध्यक्ष शशि कुमार व उपाध्यक्ष गयासुद्दीन सिद्दीकी का कार्यकाल शुक्रवार को समाप्त हो गया। इसके बावजूद हुसैनाबाद नगर पंचायत के लोगों की सेवा करते रहने का उन्होंने भरोसा दिलाया है। इस संबंध में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि अपने कार्यकाल में शहर को व्यवस्थित करने का पूरा प्रयास किया है। हर गली व मुहल्लों को जोड़ने के लिए

कई महत्वपूर्ण सड़को का निर्माण किया गया। इसके अलावे उपलब्ध संसाधनों के अनुसार सभी वार्डो में जन सुविधाओं का विस्तार किया गया। शहर के सुंदरीकरण के लिए भी महत्वपूर्ण कार्य किये गए। अब नगर पंचायत का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। सरकारी दिशा-निर्देश के आलोक में कार्य जारी रहेगा। पर हमलोग शहर के लोगों के लिए उनके हर सुख-दुख में साथ रहेंगे। उन्होंने कहा कि किसी तरह से आवश्यकता होने पर हमसे संपर्क करें। शहर वाशियों की सेवा के लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगे। कहा कि यदि सरकार निर्धारित समय पर चुनाव करा लेती तो यह विकास कार्य शहर के प्रतिनिधियों द्वारा जारी रहता। अब किसी भी कार्य के लिए सरकारी कर्मियों पर निर्भरता रहना होगा।

लक्ष्मी नारायण महायज्ञ को लेकर बेनिखुर्द गांव से निकली भव्य कलश यात्रा

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। प्रखंड के बेनी खुर्द गांव में शुक्रवार को श्री सांबसदा शिव बागेश्वर महादेव प्राण प्रतिष्ठा सह श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ को लेकर भव्य कलशयात्रा का आयोजन किया गया। परंपरागत ढोल बाजे लेकर जयकारा लगाते हुए भक्त शंकरनगर, नोनियाबीघा, जपला-पथ पहुंचे। इसके बाद मुख्य शहर होते हुए देवरी सोन नदीं पहुंचे, जहां विष्णुचित्त स्वामी जी महाराज के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जलभरी की प्रक्रिया पूरी की गयी। भाजपा नेता विनोद कुमार सिंह, समिति के अध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह व समिति के सचिव रविंद्र कुमार सिंह उर्फ बबलू सिंह ने बताया कि यह महानुष्ठान पूज्य श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज के सानिध्य में पूरी की जाएगी। शनिवार को पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश, रविवार को हवन, एक मई को मंदिर संस्कार, दो मई को देव स्नपन व तीन मई को भगवान बागेश्वर महादेव का प्राण प्रतिष्ठा के साथ भंडारा होगा।

कलश यात्रा में शामिल हुए विधायक डॉ शशिभूषण मेहता

पांकी/पलामू (आजाद सिपाही)। पांकी प्रखंड अंतर्गत केल्हवा पंचायत के ग्राम होटवार में शुक्रवार से पांच दिवसीय हनुमान प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ की शुरूवात कलश यात्रा से की गई। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता भी शामिल हुए। यह यज्ञ तीन मई तक चलेगा। होटवार से निकली कलश यात्रा खांखर होते हुए अमानत नदी पहुंची, जहां से जल उठाकर वापस यज्ञशाला पंहुची। मौके पर विधायक प्रतिनिधि सुनील प्रसाद गुप्ता, रोशन सिंह, मुखिया बसारत हुसैन, प्रो बच्चन ठाकुर, समाजसेवी निरंजन यादव, यज्ञ कमेटी के अध्यक्ष नागेंद्र यादव, सचिव दुलारी प्रजापति, कोषाध्यक्ष नंदलाल कुमार यादव, उपसचिव धरमु रजक, उपाध्याय निरंजन कुमार प्रजापति, मंत्री अरुण यादव, महामंत्री उदय यादव, चंदन सोनी, सुनील तिवारी और कार्तिक सिंह सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

धनुष से टूटे दिल के जख्मों पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लगाया मरहम : अविनाश

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। दीप्ति कुमारी एक ऐसा गुमनाम चेहरा जो बड़े हस्ताक्षर को अपने उंगलियों से निशाना लगाना सिखाई और पद्मश्री मिला। दीप्ति आज खुद मुफलशी की जिंदगी गुजार रही है। अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी गेम के लिये चार लाख रुपये कर्ज लेकर धनुष खरीदी पर वह भी टूट गयी, जिससे उसके सपने बिखर गए। घर वापसी की तो मां दिल का दौरान पड़ने से मेडिका अस्पताल में मिली। घर चलाने के लिए अरगोड़ा चाय की दुकान पर गई तो रांची नगर निगम द्वारा अतिक्रमण मुक्त में दुकान भी हटा दिया गया इस बात की जानकारी जब माटी कला बोर्ड के सदस्य सह झामुमो नेता अविनाश देव को हुई तो राज्य के पेयजल स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर से मिलकर दीप्ति की समस्याओं से अवगत कराया। तब मंत्री ने दीप्ति को हर संभव मदद का भरोषा दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कुमारी दीप्ति प्रजापति की मुलाकात करवायी। मुख्यमंत्री ने उसकी सभी समस्याओं को जाना और समझा। वहां मंत्री हफिजूल हसन भी मौजूद रहे। जहां दीप्ति को मुख्यमंत्री का आशीर्वाद मिला। उन्होंने कहा कि धनुष भी मिलेगा और नौकरी भी देंगे। तुम बस राज्य का नाम रौशन करो। अनिवाश देव ने कहा कि इस कार्य के लिए मंत्री मिथिलेश ठाकुर, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आजीवन आभारी बना रहूंगा। जिन्होंने गरीब बेटी के जख्मी दिल पर मरहम लगाने का काम किया।

पर्यावरण को संतुलित करने के लिए सभी को करना होगा पौधरोपण: कौशल किशोर

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के बाईपास रोड स्थित पर्यावरण भवन के ऊपरी तल व दो नंबर टाउन टीवीएस शोरूम रोड के समीप निजी भूमि पर विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने अपनी पांच वर्षीय पोती अनुषा के नाम पर पौधरोपण कर जन्मदिन मनाया। उपस्थित लोगों को पर्यावरण धर्म के आठ मूल मंत्रों की शपथ दिलाई। कहा कि पर्यावरण धर्म के तहत लोगों को अपने जन्मदिन या जीवन के किसी भी महत्वपूर्ण अवसर को यादगार बनाने के लिए पौधा लगाकर उसे बच्चों की तरह बचाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर पलामू प्रमंडल को प्रकृति की ब्लैक शैडो जोन से मुक्ति दिलाना है तो सभी लोगों को अपने धर्म के साथ पर्यावरण धर्म को भी अपनाना होगा।

नहीं तो वो दिन अब दूर नहीं जैसे दक्षिण अफ्रीका की राजधानी शहर केप टाउन जैसे दुनिया का पहला जल मुक्त शहर वहां का सरकार ने घोषित कर दिया है। वहीं, अनुषा की दादी और संस्था की प्रधान सचिव सह डाली बाजार पंचायत के मुखिया पूनम जायसवाल ने कहा कि सभी माता-पिता को अपने बच्चों को बचपन से ही उनके जन्मदिन पर पौधा लगाने और बचाने की शिक्षा और संस्कार देनी चाहिए। वहीं, अनुषा के जन्म दिन पर पिता छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार,बड़े पिता प्रो अरुण कुमार, बड़ी मम्मी कोमल जायसवाल, दादा सत्येंद्र प्रसाद,सुचित कुमार,दादी गीता देवी, अल्पना देवी, शिक्षक ज्योति जायसवाल आदि मौजूद थीं।

ट्रेलर के धक्के से घायल अधेड़ की इलाज के दौरान मौत

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के ममरखा एचपी पेट्रोल पंप स्थित एनएच 98 पर हाइवा की चपेट में आने से घायल बाइक सवार अधेड़ व्यक्ति की इलाज के दौरान औरंगाबाद सदर अस्पताल में मौत हो गई। बतातें चलें कि शुक्रवार की दोपहर एक तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आने से बिहार के औरंगाबाद जिले के खैरा थाना क्षेत्र के एनटीपीसी केरका गांव निवासी यमुना राय (42) गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके कमर के नीचे का भाग बुरी तरह छतिग्रस्त हो गया था। वहीं एसआई अनूप कुमार के नेतृत्व में गश्त कर रही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घायल को सीएचसी पहुंचाया था जहां से सीएचसी प्रभारी राजेश कुमार ने तुरंत औरंगाबाद रेफर कर दिया। बताया कि घटना में घायल व्यक्ति के कमर से नीचे का भाग बुरी तरह कुचल जाने के बाद भी वह अपना नाम-पता बताया। जिसकी सूचना पुलिस ने उसके परिजनों को दी। इस संबंध में थाना प्रभारी सुदामा कुमार दास ने बताया कि घटना के बाद कटैया के समीप सड़क किनारे ट्रेलर को खड़ी कर चालक फरार हो गया है, जिसे जब्त कर थाने लाया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

मार्च महीने में ही सूख गये कुएं, 600-700 रुपये खर्च कर कुएं में डलवाना पड़ रहा टैंकर से पानी

मैथन डॉक्टर्स कॉलोनी में पानी के लिए मचा हाहाकार

कॉलोनी से महज 200 मीटर की दूरी पर है वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, फिर भी पानी की किल्लत

आजाद सिपाही संवाददाता

कॉलोनी में 150 घर, सभी लोग कुएं के पानी पर हैं निर्भर

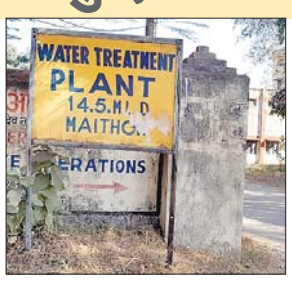

चिरकुंडा। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से महज 200 मीटर की दूरी पर स्थित मैथन के वीआइपी इलाका डॉक्टर्स कॉलोनी वनमेढ़ा में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। जबकि इस वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से पूरे निरसा विधानसभा क्षेत्र में जलापूर्ति की जाती है। करीब 150 घरों की कॉलोनी के लोग पानी के लिए कुआं पर निर्भर हैं। यहां प्रायः सभी घरों में कुआं है, लेकिन गर्मी शुरू होते ही जलस्तर नीचे चले जाने से कुआं सूखने लगते हैं। इस साल तो मार्च के अंत तक कॉलोनी के सभी कुएं सूख गए। तब से लोग पानी के लिए त्राहिमाम कर रहे हैं। कहा जा रहा है की ड्राई एरिया होने के कारण यहां चापाकल सफल नहीं है। कुछ लोगों ने डीप बोरिंग तो कराई थी, लेकिन पर्याप्त पानी नहीं निकलने की वजह से वह भी बेकार साबित हुई। भीषण पेयजल संकट से जूझ रहे लोगों को 600 से 700 रुपए खर्च कर टैंकर से अपने कुएं में पानी डलवाना पड़ रहा है। हर चार-पांच दिन पर कुएं में पानी डलवाने का सिलसिला जारी है। इसके साथ ही पीने के लिए अलग से 30-35 रुपये प्रति जार खरीदना पड़ रहा है। जो लोग टैंकर व जार का पानी खरीदने में सक्षम नहीं हैं, वे पीएचइडी कैंपस व डीवीसी कॉलोनी से पानी लाकर काम चला रहे हैं। कॉलोनी के लोगों ने बताया कि पेयजल संकट दूर करने के लिए सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, मुखिया सहित संबंधित अधिकारियों से कई बार गुहार लगाई गयी। सभी ने आश्वासन भी दिया कि जल्द ही पाइपलाइन से पेयजलापूर्ति शुरू होगी, लेकिन आजतक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इस संबंध में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारी कुछ बोलने के लिए तैयार नहीं हैं।

कॉलोनी में मेगा ग्रामीण जलापूर्ति योजना के तहत मिलना था पानी

विभागीय सूत्रों की मानें तो कॉलोनी में मेगा ग्रामीण जलापूर्ति योजना के तहत जलापूर्ति करनी थी। इसके लिए वर्ष 2018 में टहल कंसल्टेंट कंपनी को टेंडर भी मिल गया था। कंपनी को वर्ष 2020 तक का काम पूरा करना था, लेकिन बीच में ही काम छोड़ कर भाग गई। सरकार ने 2022 में कंपनी को ब्लैकलिस्टेड कर दिया, जिसके कारण पेयजलापूर्ति योजना धरातल पर उतरने से पहले ही समाप्त हो गयी।

20 सूत्री उपाध्यक्ष ने गरबुडीह में लगाया जनता दरबार, लोगों की समस्याओं का किया निराकरण

आजाद सिपाही संवाददाता

जनता दरबाद में लोगों की समस्याएं सुनते ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह।

धनबाद। जिला 20 सूत्री कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह की ने शुक्रवार को धनबाद सदर प्रखंड के गरबुडीह में जनता दरबार लगाया। जिसमें सैकड़ों पुरुषों एवं महिलाओं ने अपनी-अपनी समस्याओं को रखा। इससे पूर्व गरबूडीह प्रखंड 20 सूत्री कार्यालय का उद्घाटन उपाध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने किया। इस अवसर पर मौके पर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह भी उपस्थित थे। साथ ही जिला के सदस्य जोगिंदर सिंह जोगी, लक्ष्मण तिवारी, राजू प्रमाणिक भी उपस्थित रहे। धनबाद सदर प्रखंड 20 सूत्री के अध्यक्ष जितेश कुमार सिंह ने आगंतुकों का स्वागत किया और बुके देकर सभी को सम्मानित किया। उद्घाटन के अवसर पर धनबाद सदर प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचल अधिकारी भी उपस्थित रहे। जनता दरबार में अंबेडकर आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत घर दिलाने का आवेदन प्राप्त हुए। जनता दरबार में पहुंचे कई बुजुर्ग और विधवा महिलाओं ने भी पेंशन के लिए आवेदन दिया। साथ ही कुछ दाखिल खारिज की भी समस्याएं सामने आई। इस दौरान पानी कनेक्शन देने की भी मांग की गई। जिला उपाध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने सभी आवेदन को प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचल अधिकारी को फॉरवर्ड करते हुए उनकी जांच कर पूरा करने का आवश्यक निर्देश दिया। साथ ही जल्द से जल्द लाभुकों को न्याय दिलाने की बात कही। ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने प्रखंड कार्यालय में पानी की समस्या पर चिंता जताई और कार्यालय से ही उप विकास आयुक्त से उसका निराकरण करने की मांग भी की है।

राहगीरों के साथ बीसीसीएल कर्मियों को भी मिलेगी राहत : शशि प्रसाद

कतरास की संकल्प महिला समिति ने किया पनशाला का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

बाघमारा/कतरास। बीसीसीएल दीक्षा महिला मंडल के निर्देश पर संकल्प महिला समिति कतरास क्षेत्र की ओर से शुक्रवार को अंगारपथरा डिस्पेंसरी के निकट पनशाला का उद्घाटन किया गया। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित शशि प्रसाद ने कहा कि पनशाला खुल जाने से राहगीरों के साथ ही बीसीसीएल कर्मियों को भी इसका लाभ मिलेगा। इस मौके पर रेखा कुमार, पिंकी गुप्ता, आशा सांडिल्या, शिखा दास, कंचन सिंह, नीलू सिंह, नंदिनी शर्मा, रेनू सिंह, महाप्रबंधक एमएस दूत, अपर महाप्रबंधक सुधाकर प्रसाद, क्षेत्रीय प्रबंधक विद्युत एवं यांत्रिक एस के सांडिल्या, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक राणा संतोष सिंह, क्षेत्रीय पर्यावरण प्रबंधक रितेश रंजन सिंह, अभियंता देवेश दत्त शुक्ला, शेरबहादुर सिंह और रामरुप गोप उपस्थित थे।

बस-बाइक की भिड़ंत में दो युवकों की मौत

मृतक दोनों सगे भाई, छोटे वाले की 2 मई को होनी थी शादी

आजाद सिपाही संवाददाता

दुर्घटनाग्रस्त बस और बाइक।

चतरोचट्टी। गोमिया-विष्णुगढ मुख्य सडक अंतर्गत बनासो के गरहमुर्गी के पास शुक्रवार की दोपहर बस और बाइक के बीच हुई टक्कर में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गयी। सब्बी बस हजारीबाग से गोमिया की ओर जा रही थी। तभी विपरीत दिशा से आ रही बाइक बस से टकरा गई। मृतकों की पहचान बिरजू सिंह (25) और महादेव सिंह (22) के रूप में हुई है। दोनों सगे भाई बताए जा रहे हैं। उनके पिता महेर सिंह का पहले ही निधन हो चुका है। दोनों चतरोचट्टी थाना अंतर्गत बडकी चिदरी पंचायत के माघा गांव के रहने वाले थे। जानकारी के मुताबिक दो मई को महादेव सिंह की शादी होने वाली थी। दोनों भाई शादी के सामान खरीदने बनासो बाजार जा रहे थे। बड़े भाई बिरजू सिंह की शादी पिछले साल ही हुई थी। उसका दो महीने का एक बच्चा भी है। उधर घटना से नाराज लोगों ने सड़क जाम कर विरोध जताया। इसकी सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर थाने ले गई। बतातें चलें कि जहां दुर्घटना हुई है वहां अक्सर इस तरह के वारदात होते रहते हैं। एक पखवाड़ा पहले भी इसी जगह एक बाइक सवार की सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी थी। लतातार हो रही घटनाओं से नाराज लोगों ने सड़क जाम कर दिया था। तब विष्णुगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मान मनौल कर जाम हटवाया।

खनन पदाधिकारी ने पकड़ा अवैध कोयला लदा हाइवा, चालक सहित दो पर दर्ज हुई प्राथमिकी

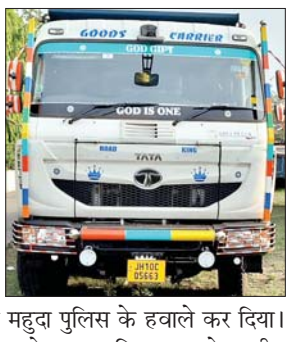

महुदा (आजाद सिपाही)। महुदा थाना क्षेत्र अंतर्गत राजगंज महुदा फोरलेन में तारगा के समीप शुक्रवार को जिला खनन पदाधिकारी की ओर से जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना परिवहन चालान के अवैध कोयला का परिवहन करने के आरोप में कोयला लदे एक हाइवा को जब्त किया। खनन पदाधिकारी ने लदे हाइवा एवं चालक को पकड़कर महुदा पुलिस के हवाले कर दिया। जिला खनन पदाधिकारी राहूल कुमार ने बताया कि तारगा के समीप फोरलेन में औचक जांच अभियान स्थानीय पुलिस के सहयोग से लगाया गया था। तभी अवैध कोयला लदे एक हाईवा को पकड़ा गया जो बोकारो की ओर जा रहा था। कागजात की जांच के दौरान फर्जी पाया गया। इस दौरान चालक अजीम खान से पूछताछ करने पर बताया कि यह कोयला किसी माधव सिंह का है जो निरसा इलाकों से लोड कर बंगाल भेजा जा रहा था। कागजात जांच करने पर पता चला कि माईनिंग चलान नहीं था एवं जीएसटी पर्ची सालासार इंटरप्राईजेज का लगाया गया था जो फर्जी है। इस संबंध में खनन पदाधिकारी ने महुदा थाना में कोयला व्यापारी माधव सिंह,ट्रक मालिक फरीद खान एवं चालक अजीम खान पर कोयला चोरी का मामला दर्ज कराया है।

ढोरी क्षेत्र 60 लाख टन कोयला उत्पादन के लिए कटिबद्ध : जीएम

करगली/बेरमो (आजाद सिपाही)। सीसीएल ढोरी के जीएम मनोज कुमार अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष 2023-24 में ढोरी क्षेत्र को 55 लाख टन का लक्ष्य दिया गया है। पर हम लोग 60 लाख टन करने के लिए कटिबद्ध है। पूर्व मुख्यमंत्री सुदेश महतो से सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी और विस्थापित नेता काशीनाथ सिंह के सामने पिछरी खदान को खोलने के लिए सहयोग मांगा गया है। पिछरी खदान अगले 4-5 महीने में खुल जाएगा। पिछरी खदान के खुल जाने से हम लोग 60 लाख टन का लक्ष्य हासिल कर पाएंगे। अंगवाली छोटा माइंस है पर उसे भी खोलने का जल्द प्रयास किया जाएगा। इस वर्ष लक्ष्य को हासिल करने के लिए पिछरी खदान का खुलना आवश्यक है। क्योंकि मुख्य तीन माइंस अब हम लोगों के पास बची है। गिरिडीह में कबरीबांध खुल जाने से गिरिडीह को अलग क्षेत्र बना कर जीएम बहाल कर दिया गया है। इस वर्ष उत्पादन एएडीओसीएम(अमलो) से 36 लाख टन, एसडीओसीएम(कल्याणी) 20 लाख टन और एक लाख टन से कुछ ज्यादा खास ढोरी अंडरग्राउंड माइंस से हो पाएगा। इस कारण ढोरी क्षेत्र का विस्तार करने की आवश्यकता है। अमलो अभी 3 मिलियन का माइंस है इसका अगले 4 महीने के अंदर विस्तार कर 42 लाख करने का लक्ष्य है। अगले वर्ष के लिए 5 मिलियन का पीआर बन चुका है।

बंद अंगवाली खदान में सीआइएसएफ-पुलिस की छापामारी, तीन सुरंगों को किया बंद

आजाद सिपाही संवाददाता

करगली/बेरमो। पेटरवार पुलिस, सीआइएसएफ व ढोरी सुरक्षा विभाग ने संयुक्त रूप से सीसीएल ढोरी क्षेत्र के बंद अंगवाली कोलियरी में शुक्रवार को छापामारी कर यहां तस्करों द्वारा बनाये गए तीन सुरंगों को जेसीबी मशीन से भरवा दिया गया। छापामारी का नेतृत्व कर रहे सीसीएल ढोरी सुरक्षा पदाधिकारी सीताराम उईके ने कहा कि अवैध कोयला खनन को बंद करने एवं सुरंगों को भरने के लिए लगातार अभियान चलाया जायेगा। पेटरवार थाना क्षेत्र की अंगवाली एवं पिछरी बंद खदान में दर्जनों सुरंग बनाकर कोयला चोरों द्वारा कोयला खनन किया जाता है, जिससे सीसीएल को लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है। मौके पर पेटरवार थाना के एएसआइ विशेश्वर महतो, सत्यनारायण उरॉव व चंद्रकांत सिंह, सीआइएसएफ के इंस्पेक्टर एके सिंह, एएसआई सुनील किंडो, पवन कुमार, धीरेन कुमार राय, रंजीत कुमार, राकेश मग, मिरना दास, सुरक्षा इंचार्ज उमाशंकर महतो, मानिक दिगार, भोला मिश्रा, भूपेंद्र, लखन तुरी, जितेंद्र रजक, प्रमोद महतो, पुनीता, शिवानी आदि शामिल थे।

बेरमो विधायक ने किया चबूतरा व शेड का उद्घाटन

बेरमो क्षेत्र में निरंतर जारी रहेगा विकास कार्य : कुमार जयमंगल

आजाद सिपाही संवाददाता

चबूतरा और शेड का उद्घाटन करते बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह व अन्य

बोकारो थर्मल। गोविंदपुर डी पंचायत जीएम कॉलोनी स्थित सर्वोदय ग्राउंड में शुक्रवार को बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह ने चबूतरा व शेड का उद्घाटन किया। बतातें चलें कि 3.50 लाख रुपए की लागत से बने चबूतरा व शेड का शिलान्यास नौ जनवरी 2023 को हुआ था। जिसका उद्घाटन महागठबंधन के सभी सदस्यों ने मिलकर किया। इस मौके पर विधायक ने कहा कि बेरमो विधानसभा की जनता ने जो आशीर्वाद एवं जिम्मेदारी दी है उसे पूरी ईमानदारी के साथ निर्वाहन कर रहा हूं। जनता की समस्याओं को दूर करते का हर संभव प्रयास करूंगा। विधानसभा के विकास के लिए समर्पित भाव से निरंतर सेवा जारी रहेगा।
इस मौके पर बीटीपीएस थाना के एसआई अमित सिंह, कांग्रेस नेता जोगेंद्र गिरी, प्रमोद सिंह, अरुण सिंह, उप प्रमुख बिनोद साहू, प्रखंड अध्यक्ष छेदी नोनिया, मुखिया बबलू सिंह, चंदना मिश्रा, सुषमा कुमारी, बिजय नैयर, महेश कुमार, श्रीभगवान यादव, राजेश दूबे, ए कार्तिक, मनोज पाठक और जशपाल सिंह आदि उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–03/2023–24

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक **11.05.2023** को 1.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक **12.05.2023** का 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक **12.05.2023** को 3.30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिकी का स्थान : 1) अधीक्षण अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा। 2) कार्यपालक अभियन्ता,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची, कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय
8. कार्य की विवरणी :

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू०)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू०)	अग्रधन की राशि (रू०)	कार्य समाप्ति की अवधि।
1	Repair work for ExteriorSurface of Building and Boundary wall at Jharkhand Kala Mandir,Hotwar,Ranchi	24,40,200.00	5000.00	50,000.00	Three Months
2	Renovation work for water proofing of the Roof at State Museum Hotwar,Ranchi	24,37,400.00	5000.00	50,000.00	Three Months

नोट : निविदा की शर्तें www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

PR 296139 Building(23-24)#D

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची।
सर्वसाधारण के लिए सूचना।

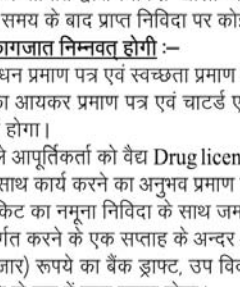

नाम–बबीता कुमारी, उम्र–23 वर्ष, रंग–सॉवला, उचाँई–5 फिट 6 ईंच,
पहनावा–लाल रंग का सूट पहनी हुई है।,

उपरोक्त लापता महिला बबीता कुमारी, पे0–ब्रज बिहारी महली, सा0–बंझिल, थाना–माण्डर, जिला–राँची, जो दिनांक–05.04.2023 को बगैर बताए कहीं चली गई जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में खलारी थाना सनहा संख्या–28/2023 दिनांक–09.04.2023 दर्ज कर खोजबिन की जा रही है। इनकी खोजबीन हेतु जनता का सहयोग अपेक्षित है। उपरोक्त सूचना की सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जन साधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती हैं तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

पुलिस उपाधीक्षक ,खलारी, राँची। –9431742777
थाना प्रभारी, माण्डर, राँची। –9431706187

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची।

PR 296179 Police(23-24)D

कार्यालय, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, सिमडेगा

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

सिमडेगा जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA) के तहत योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु जॉब कार्ड के पिछले पृष्ठ पर लोकहित में जानकारी मुद्रण हेतु जॉब कार्ड की छपाई, 7 रजिस्टर की छपाई एवं मेडिकल किट यथा (4" Bandage-2 pcs, Cotton- 2 pcs, Povidine Qidine Cream-1 pc, Savlon-1 pc, Cetrizine -1 Strip, Diciofenace Tab- 1 Strip, Paracetamol Tab-1 Strip, Dompendom Tab-1Strip, ORS Satches - 5 Pcs, Bandaid Strip-10 pcs, Soap 10 gm-1pc, Ciproloxacin Tab-1 Strip, Surgical Knife-1 pc) की आपूर्ति करने के लिए अनुभवी प्रतिष्ठित संस्थान से मोहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता दिनांक 08.05.2023 को पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 5.00 बजे तक जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, सिमडेगा के कार्यालय में निविदा पेटी पर निविदा डाल सकते है। दिनांक 08.05.2023 को अपराह्न 5.00 बजे उप विकास आयुक्त–सह–जिला कार्यक्रम समन्वयक, सिमडेगा के कार्यालय कक्ष में जिलास्तरीय क्रय समिति द्वारा निविदा खोला जायेगा, जिसमें निविदादाता स्वयं अथवा उनके प्रतिनिधि भाग ले सकते हैं। निर्धारित तिथि एवं समय के बाद प्राप्त निविदा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

तकनीकी बीड के आवश्यक शर्त्ते/कागजात निम्नवत् होगी :–

1. निविदादाता द्वारा वाणिज्य–कर निबंधन प्रमाण पत्र एवं स्वच्छता प्रमाण पत्र समर्पित करना अनिवार्य होगा।
2. निविदादाता द्वारा विगत तीन वर्षों का आयकर प्रमाण पत्र एवं चार्टर्ड एकाउन्टेंट द्वारा अंकेक्षण प्रमाण पत्र तथा GST Clearance समर्पित करना अनिवार्य होगा।
3. मेडिकल किट आपूर्ति किये जाने वाले आपूर्तिकर्ता को वैद्य Drug license अनिवार्य होगा।
4. निविदादाता को सरकारी विभाग के साथ कार्य करने का अनुभव प्रमाण पत्र देना होगा।
5. निविदादाता को कागज/मेडिकल किट का नमूना निविदा के साथ जमा करना होगा।
6. सफल निविदादाता को कार्यादेश निर्गत करने के एक सप्ताह के अन्दर आपूर्त्ति करना अनिवार्य होगा।
7. निविदादाता को 10,000/–(दस हजार) रूपये का बैंक ड्राफ्ट, उप विकास आयुक्त–सह–जिला कार्यक्रम समन्वयक, सिमडेगा के पदनाम से प्रतिभूति राशि के रूप में जमा करना होगा।
8. तकनीकी एवं वित्तीय बीड अलग–अलग मुहरबंद लिफाफे में रख कर एक बड़े लिफाफे में समर्पित करेंगे।
9. सिमडेगा जिला के सभी 10 प्रखण्ड मुख्यालयों तक सामग्री आपूर्ति करने के लिए सभी प्रकार के कर परिवहन एवं हथालन व्यय आदि सहित दर का उल्लेख करना अनिवार्य है।
10. प्रखण्ड विकास पदाधिकारी द्वारा दिये गये आपूर्ति आदेश की तिथि से एक सप्ताह के अन्दर निर्दिश्ट स्थल (प्रखण्ड मुख्यालय) पर सामग्रियों की आपूर्ति होगी।

वित्तीय बीड के आवश्यक शर्त्ते/कागजात निम्नवत् होगी :–

1. निविदादाता का नाम :–
2. स्थायी पता :–
3. वर्तमान पता :–
4. व्यापार का स्थल (मोबाईल नम्बर सहित)
5. दर (प्रति अदद) (A) जॉब कार्ड (B) 7 रजिस्टर (C) मेडिकल किट

- निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत/निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
- निविदा के शर्त्तों को सरकारी अनुदेशों के आलोक में या व्यवहारिक परिस्थितियों में संशोधित भी किया जा सकता है।

उप विकास आयुक्त
–सह–
जिला कार्यक्रम समन्वयक,
सिमडेगा

PR 296171 Rural Development (23-24)_D

कैमरे की नजर में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का किट-किा का दौरा

कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, भुवनेश्वर, ओड़िशा द्वारा आयोजित समारोह में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, पत्नी कल्पना सोरेन, किट और किस यूनिवर्सिटी के फाउंडर डॉ अच्युत सामंता, मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, विनय चौबे और सुनील श्रीवास्तव

भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत जी20 इडीडब्ल्यूजी शिक्षा की पहुंच

गुणवत्ता और परिणामों को बढ़ाने के लिए कर रहे हैं काम : सुभाष सरकार

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत तीसरी शिक्षा कार्य समूह (इडीडब्ल्यूजी) बैठक गुरुवार को भुवनेश्वर में आरंभ हुई। बैठक के पहले दिन केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री श्री सुभाष सरकार ने उद्घाटन भाषण दिया। उच्चतर शिक्षा सचिव के संजय मूर्ति, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता सचिव संजय कुमार और कौशल, विकास और उद्यमशीलता सचिव अतुल कुमार तिवारी एवं मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया। संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (यूनिसेफ), संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) तथा आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (आइसीडी) सहित अंतर्राष्ट्रीय संगठनों समेत आमंत्रित एवं जी 20 सदस्य देशों के 60 से अधिक प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सुभाष सरकार ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत की अध्यक्षता के तहत शिक्षा कार्य समूह समान वास्तविकताओं को रेखांकित करने के लिए सामूहिक रूप से काम कर रहा है और शिक्षा की पहुंच, गुणवत्ता और परिणामों में सुधार लाने के लिए संयुक्त कार्रवाई के लिए समान प्रतिबद्धताओं को दुहरा रहा है।श्री सरकार ने कहा कि आज के विश्व में कृत्रिम आसूचना, इंडस्ट्री 4.0 तथा वेब 3.0 जैसे मेगा ट्रेंड देखे जा रहे हैं, जो कार्यस्थल पर उल्लेखनीय रूप से प्रभाव डालेंगे। उन्होंने कहा कि इस उभरती कार्य इकोसिस्टम के अनुकूल बनाने के लिए हमारे युवाओं को आवश्यक कौशलों और दृष्टिकोण के साथ सुसज्जित करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी व्यक्ति से हमारी साझा समस्याओं के टिकाऊ समाधान विकसित करने के लिए सहयोग करने की अपील की। उन्होंने समाजगत लाभ अर्जित करने के लिए हमारी सामूहिक विशेषज्ञता का दोहन करने और मजबूत अनुसंधान एवं नवोन्मेषण इकोसिस्टम का निर्माण करने की अपील की। बैठक से पूर्व, कौशल, विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के सहयोग से सामग्री और खनिज अवयव प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआइआर-आईएमएमटर) में कार्य के भविष्य के संदर्भ में जीवन पर्यंत सीखने को बढ़ावा देना विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। संगोष्ठी के साथ साथ एक सप्ताह भर चलने वाली मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया था। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने किया। बैठक के आयोजन के लिए अग्रवर्ती कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गयी, जिसमें संगोष्ठियां, पैनल चर्चा एवं जीवन पर्यंत सीख तथा भविष्य के कार्य विषयवस्तु पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में शिक्षा क्षेत्र, उद्योग, सरकार तथा सिंगापुर उच्चायोग की सहभागिता देखी गयी। भविष्य के काम में उन्नत प्रौद्योगिकी पर फोकस के साथ डीप टेक, लॉजिस्टिक्स को रूपांतरित करना - तटीय क्षेत्र अर्थव्यवस्थाओं पर फोकस एवं कौशल वास्तुकला एवं शासन मॉडल - सिंगापुर मॉडल के सबक विषयों पर चचाएं आयोजित की गयीं।

युवाओं को सम्मिलित करने के लिए ओड़िशा में 1 अप्रैल, 2023 को उत्कल दिवस या ओडिशा दिवस से आरंभ होने वाली महीने भर की जन भागीदारी कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गयी। ये कार्यक्रम भुवनेश्वर में वर्तमान में जारी तीसरी इडीडब्ल्यूजी बैठक के बारे में जागरूकता पैदा करने का भी एक प्रयास है। इस पहल के तहत राज्य के तीस जिलों में युवाओं को शमिल करने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं और जागरूकता रैलियों, मैराथन, निबंध लेखन, रंगेली निर्माण, योग सत्रों, क्विज, वाद-विवाद, भाषण, मौक जी20 तथा कई अन्य कार्यकलापों का आयोजन किया गया। इस अभियान में पूरे ओड़िशा के 35 संस्थानों से एक लाख लोगों ने भाग लिया।

जी-20 'फ्यूचर वर्क स्टाइल्स एंड स्किल्स' प्रदर्शनी में सोआ

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। जी-20 एजुकेशन वर्किंग ग्रुप की बैठक की परिपेखी में आयोजित फ्यूचर वर्क स्टाइल्स एंड स्किल्स प्रदर्शनी को के संजय मूर्ति सचिव उच्च शिक्षा विभाग ने शिक्षा और अनुसंधान मंत्रालय (सोआ) में छात्रों के द्वारा स्टार्ट-अप्स पर नजर डाली और सोआ में चल रही भारतीय ज्ञान परंपरा परियोजनाओं को देखा। परियोजना के मुख्य अन्वेषक प्रोफेसर नचिकेता शर्मा ने कहा कि एक अन्य परियोजना में, कक्षा 6वीं, 7वीं और 8वीं के लिए आईकेएस-आधारित विज्ञान की पाठ्यपुस्तकें स्कूली बच्चों को प्राचीन भारतीय ज्ञान की शुरूआती झलक प्रदान करेंगी। उन्होंने सीआईआई के प्रदर्शक बूथ का दौरा किया और छात्रों के स्टार्ट-अप के बारे में जानने के लिए उनके काम की सराहना की। श्री मूर्ति ने इस संबंध में सोआ की अतिरिक्त डीन (छात्र मामले) प्रो रेणु शर्मा से भी चर्चा की।

परिवहन मंत्री ने तीन रूटों पर की वंदे भारत के संचालन की मांग

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। राज्य के परिवहन मंत्री ने केंद्रीय रेल मंत्री को पत्र लिखा है। राज्य में तीन रूटों पर वंदे भारत के संचालन के लिए परिवहन मंत्री टुकुनी साहू ने अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखा है। राज्य के परिवहन मंत्री टुकुनी साहू ने अश्विनी वैष्णव को पुरी से हावड़ा, पुरी से रायपुर और भुवनेश्वर से हैदराबाद तक बंदे भारत ट्रेनों के संचालन को लेकर पत्र लिखा है।

भारत की जी20 अध्यक्षता का जश्न मनाने के लिए एम्स भुवनेश्वर की छात्राओं ने बनायी मानव श्रृंखला

छात्राओं ने विभिन्न मुद्दों पर सामाजिक जागरूकता पैदा करने के लिए नाटक का प्रदर्शन किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। भारत के जी 20 प्रेसीडेंसी का जश्न मनाने के लिए एम्स भुवनेश्वर के छात्रों ने शुक्रवार को जी 20 को दर्शाने वाली एक बड़ी मानव श्रृंखला बनायी। एक पृथ्वी, एक परिवार, एक परिवार की थीम को चिह्नित करने के लिए, एम्स भुवनेश्वर की केवल छात्राओं ने राष्ट्रीय संस्थान के परिसर के अंदर जी 20 का गठन किया। एम्स भुवनेश्वर में जी 20 प्रेसीडेंसी का जनभागीदारी अभियान विभिन्न कार्यक्रमों का गवाह बना। एम्स भुवनेश्वर के कार्यकारी निदेशक डॉ आशुतोष बिस्वास ने इस अवसर पर अपना संदेश देते हुए अभियान में राष्ट्रीय संस्थान की सक्रिय भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की है। एम्स भुवनेश्वर हमेशा नवाचारों के साथ लोगों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ बिस्वास ने कहा कि छात्रों द्वारा बनायी गयी मानव श्रृंखला हमारे देश के वैश्विक नेतृत्व को दर्शाती है। आज एम्स के छात्रों ने कोविड और अन्य सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने के लिए ओपीडी लॉबी में नाटक भी किया। अभियान का समापन समारोह शुक्रवार को दोपहर मिनी सभागार में आयोजित किया गया और अतिथियों ने मेधावी छात्रों को पुरस्कार वितरित किये। कुलसचिव बीबी मिश्रा द्वारा समन्वित पूरे कार्यक्रम में डीन डॉ पीआर महापात्र, चिकित्सा अधीक्षक डॉ दिलीप कुमार परिदा, डीडीए (स्वतंत्र प्रभार) रश्मी रंजन सेठी, पीआर सेल एफआइसी डॉ प्रवेश रंजन त्रिपाठी, संकाय सदस्य, छात्र उपस्थित थे।

संबलपुर में पश्चिमी ओड़िशा के सबसे बड़े फर्निशिंग शोरूम ड्रीम होम का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। संबलपुर पश्चिमी ओड़िशा के सबसे बड़े फर्निशिंग शोरूम ड्रीम होम ने इस महीने की 28 तारीख को एंथापल्ली चौक, संबलपुर में अपने फ्लैगशिप स्टोर का उद्घाटन किया। यह स्टोर लोगों की कल्पनाओं और सपनों को हकीकत में बदल देगा। 3000 वर्ग फुट के क्षेत्र में होने के कारण, यह अपनी मौलिकता, सर्वश्रेष्ठ डिजाइन और अद्वितीय संग्रह के लिए प्रसिद्ध है। स्वर्गीय नबा दास के पुत्र विशाल दास ने इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में इस स्टोर का उद्घाटन किया। इस मौके पर अजय संतुका, पार्टनर, संदीप अग्रवाल, पार्टनर, अजय अग्रवाल, स्टोर मैनेजर और देवस्मिता पांडा, क्लस्टर मैनेजर उपस्थित थे।

'मन की बात' के 100वें संस्करण को पंचायत के बूथ स्तर तक सुनने और सुनाने को लेकर की चर्चा

आजाद सिपाही संवाददाता

बरजो में कार्यकर्ताओं संग विचार विमर्श करते भाजपा के वरिष्ठ नेता लक्ष्मण प्रसाद सिंह।

धनवार। शुक्रवार को पूर्व आइजी सह भाजपा के वरिष्ठ नेता लक्ष्मण प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में धनवार के बरजो स्थित भाजपा कार्यालय में बैठक हुई। इसमें 30 अप्रैल को पीएम नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम को लेकर 100वां संस्करण को पंचायत के बूथ स्तर तक सुनने और सुनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गयी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धनवार प्रखंड के 37 पंचायतों के साथ-साथ धनवार नगर पंचायत सहित पंचायत प्रभारिओं की नियुक्ति की गयी। इस बाबत श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 100वां एपिसोड इस महीने के अंतिम रविवार को प्रसारित किया जायेगा। इसे प्रत्येक घर और हर व्यक्ति तक पहुंचाने तथा इनकी जानकारी देने की बात कही। इस मौके पर सुनील अग्रवाल, अशोक राय, श्रीकांत, श्याम कुमार, मुंशीराम, प्रमोद नारायण देव, अमित कुमार, अजय राय, शिव शंकर सिंह, निधि पंडा, कपिल देव, सिंह सुरेश सिंह मौजूद थे।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरीय मंडल विद्युत अभियंता, टी.आर.एस., पूर्व मध्य रेलवे, गोमो सुयोग्य एवं अनुभवी प्रतिष्ठानों या ठेकेदारों से ई.निविदा सं. **ई. एल.एस_401_ए.एम._ओ.एच._22–23_21** हेतु खुला ई.निविदा आमंत्रित करती है। विवरण निम्नलिखित हैं: **(1) कार्य का नाम तथा स्थान:** विद्युत लोको रोड, गोमो में 2 (दो) वर्षो के लिए टी.ओ.एच. / आई.ओ.एच. के दौरान विद्युत लोको के ऑग्जीलरी मोटर का ओवरहॉलिंग – 273 अदद | स्थान: विद्युत लोको शेड, गोमो। **(2) कार्य का अनुमानित लागत:** 3,62,29,234. 86 रू. (तीन करोड़ बासठ लाख उनतीस हजार दो सौ चौतीस रूपये छियासी पैसे मात्र) **(3) अग्रधन राशि:** 3,31,200/– रू. (तीन लाख एकतीस हजार दो सौ रूपये मात्र) **(4) निविदा जमा करने तथा बंद होने की तिथि तथा समय:** 02.05.2023 से 16.05.2023 को 11:30 बजे निविदा बंद होने तक। **(5) वेबसाइट का विवरण, जहाँ निविदा दस्तावेज उपलब्ध है सम्पूर्ण विस्तृत निविदा देखने के लिए सूचना पट्ट की स्थिति:** आई.आर.ई.पी.एस. वेबसाइट **www.ireps.gov.in** । निविदा भरने वाले उनका मूल या परिशोधित बिड (निविदा प्रस्ताव) केवल इसी वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के तहत मैनुवल (हस्तनिर्मित) निविदा प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं है तथा ऐसे किसी भी मैनुवल निविदा प्रस्ताव को नजर अंदाज कर दिया जाएगा। विद्युत लोको शेड, गोमो का सूचना पट्ट।

वरीय मंडल विद्युत अभियंता, टी.आर.एस., पूर्व मध्य रेल, गोमो

पीआर/00191/डीएचएन/ईटीआरएस/टी/23–24/32

हाइड्रोजन ईंधन का उपयोग कर इस्पात बनाना इस्पात उद्योग का भविष्य है : बिमलेंद्र झा

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। जिंदल स्टील एंड पावर के प्रबंध निदेशक बिमलेंद्र झा ने उत्तर प्रदेश चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री लिमिटेड द्वारा आयोजित फ्यूचर ऑफ स्टील मेकिंग इन इंडिया पर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हाइड्रोजन ईंधन का उपयोग करके स्टील बनाना स्टील उद्योग का भविष्य है। 26 मई को भुवनेश्वर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित होकर उन्होंने कहा कि नयी तकनीकों के विकास से इस्पात उद्योग में कोयले पर निर्भरता शीघ्र ही दूर होगी। उन्होंने कहा कि इस्पात उद्योग समाज की कई समस्याओं को हल कर सकता है। उन्होंने कहा कि ओडिशा एकमात्र राज्य है, जो औद्योगिक संस्था के माध्यम से इस्पात की खपत के लिए पूंजीगत प्रोत्साहन प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि ओड़िशा में इस्पात उत्पादन बढ़ाने के लिए सभी बुनियादी ढांचे हैं। उन्होंने कहा कि जेएसपी द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली कोल गैसीफिकेशन-सीजीपी विधि एक सफल तकनीक है। कोयला गैसीकरण प्रक्रिया में गैसीकरण तेल, टार, अमोनिया और फिनोल नेफ्था का भी उत्पादन किया जाता है, साथ ही स्टील उत्पादन के लिए उपयोग की जाने वाली सिंथेटिक गैस भी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेल के पूर्व अध्यक्ष अरविंद पांडे ने शिरकत की। अरुण रथ पूर्व केंद्रीय सचिव और यूएन बेहेरा पूर्व ओईआरसी अध्यक्ष ने भी सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ ब्रह्मा मिश्र ने की, जिसमें उद्योग जगत के 150 से अधिक व्यवसायियों ने भाग लिया।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**